THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 101 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.13 2083 रविवार, 12 जुलाई-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

मुंबई की इमारत में आग, जनहानि नहीं

मुंबई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। बांद्रा वेस्ट स्थित हिल रोड पर एक व्यावसायिक-सह-आवासीय इमारत में शनिवार को आग लग गई। दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं और आग पर काबू पा लिया गया। सहायक संभागीय अग्निशमन अधिकारी एसके बंदगर ने बताया कि अग्निशमन विभाग को रात 12:30 बजे आग लगने की सूचना मिली। आग 'नेचर बास्केट' स्टोर के भूतल के स्टोररूम में लगी थी। मुंबई फायर ब्रिगेड की चार दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं।

उन्होंने बेसमेंट के स्टोररूम में आग लगी पाई। दमकलकर्मियों ने होज लाइन का उपयोग कर आग पर काबू पाया। बेसमेंट में धुआं जमा होने के कारण, उन्होंने प्रवेश करने के लिए श्वास उपकरण सेट का उपयोग किया। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों के बारे में जांच जारी है।

भविष्य की लड़ाइयों में एआई का इस्तेमाल हो सकता है

लेकिन इंसानी संकल्प और सैन्य ताकत अहम बनी रहेगी: राजनाथ सिंह

विशाखापत्तनम, 11 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भविष्य की लड़ाइयाँ भले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तय हों, लेकिन जीत राष्ट्रीय संकल्प, प्रशिक्षित कर्मियों और मजबूत सैन्य क्षमताओं पर ही निर्भर करेगी। विशाखापत्तनम में आईएनएस महेंद्रगिरि के कमीशनिंग समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि नई तकनीकें और पारंपरिक सैन्य प्लेटफॉर्म एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

उन्होंने कहा, भविष्य की लड़ाइयाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लड़ी जा सकती हैं, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय संकल्प, प्रशिक्षित सैनिकों और सक्षम सैन्य शक्ति से ही जीता जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि एडवांस्ड तकनीकें पारंपरिक रक्षा क्षमताओं की जगह नहीं ले सकतीं। सिंह ने कहा कि उभरती तकनीकों ने युद्ध के स्वरूप को बदल दिया है, लेकिन पारंपरिक सैन्य ताकत का महत्व कम नहीं हुआ है, जो युद्ध की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी है। आईएनएस महेंद्रगिरि को प्रोजेक्ट 17ए नीलगिरि-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट प्रोग्राम के तहत छठा फ्रिगेट बताते हुए सिंह ने कहा कि यह इस प्रोजेक्ट के तहत मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा बनाया गया आखिरी युद्धपोत है।

इस जहाज को एमडीएल की प्रोजेक्ट 17ए सीरीज का आखिरी रत्न बताते हुए उन्होंने भरोसा जताया कि शिपयार्ड भविष्य में भी एडवांस्ड युद्धपोतों का निर्माण जारी रखेगा।

अन्य प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स को शामिल किए जाने को याद करते हुए सिंह ने बताया कि आईएनएस महेंद्रगिरि के नौसेना में शामिल होने से पहले आईएनएस नीलगिरि को जनवरी 2025 में, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को अगस्त 2025 में, आईएनएस तारागिरि को अप्रैल 2026 में और आईएनएस दूनागिरि को जून 2026 में कमीशन किया गया था।

उन्होंने कहा कि लगभग 6,670 टन के फुल-लोड डिस्प्लेसमेंट और 28 नॉट तक की गति वाला आईएनएस महेंद्रगिरि एक मल्टी-मिशन स्टील्थ फ्रिगेट है, जो हवाई खतरों, दुश्मन के सतही जहाजों और पनडुब्बियों का एक साथ मुकाबला करने में सक्षम है। सिंह ने यह भी कहा कि आंध्र प्रदेश रक्षा और एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है।

पिस्तौल के बल पर 16 लाख की लूट

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। गांधी नगर थाना क्षेत्र की राजगढ़ कॉलोनी में शुक्रवार रात स्कूटी सवार दो बदमाशों ने पिस्तौल के बल पर 16 लाख रुपये की लूट की वारदात को अंजाम दे दिया। बदमाश नकदी से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। देर शाम तक आरोपितों का कोई सुराग नहीं लग सका था।

पुलिस के अनुसार, एसडी एंटरप्राइजेज का एक कर्मचारी गीता कॉलोनी से 16 लाख रुपये नकद लेकर राजगढ़ कॉलोनी स्थित दुकान पर पहुंचा था। वह दुकान के बाहर ही था कि पीछे से स्कूटी पर आए दो बदमाशों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि एक बदमाश ने पिस्तौल तानकर कर्मचारी को धमकाया, जबकि दूसरे ने उसके हाथ से नकदी से भरा बैग छीन लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपित स्कूटी से फरार हो गए।

यह बहुत चिंता की बात है

आइए एपी की पार्टियों के साथ मिलकर काम करें, वाईएस शर्मिला

कडपा, 11 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में कोरोना के मामले सामने आना चिंता का विषय है। कडप्पा ज़िले में कोरोना के लक्षणों वाले कुछ लोग पॉज़िटिव पाए गए। इनमें से दो की मौत हो गई और बाकियों का इलाज चल रहा है। आरआईएमएस, कडप्पा में कोरोना मरीज़ों के लिए एक स्पेशल वार्ड बनाया गया है। कोरोना पॉज़िटिव पाए गए एक व्यक्ति को इलाज के लिए वेल्लोर, तमिलनाडु भेजा गया। लक्षण दिखने के बाद सैंपल लिए गए और लैब भेजे गए। अभी कडप्पा आरआईएमएस के वार्ड में एक व्यक्ति का इलाज चल रहा है।

जिसके सैंपल भी लिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि उन्हें जांच के लिए भेजा गया है। कुछ लोगों में कोरोना के लक्षण हैं। लोगों को मास्क पहनने और बार-बार हाथ धोने की सलाह दी जा रही है, जो अच्छी बात है। हाल ही में, आंध्र प्रदेश कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष

वाईएस शर्मिला ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी है। पिछले कुछ दिनों में, कोविड-19 के लक्षण वाले और पॉज़िटिव पाए जाने वाले कई मामले सामने आए हैं।

चिंता की बात यह है कि इन मामलों में सिर्फ़ पॉज़िटिव रिपोर्ट ही नहीं, बल्कि मौतें भी हुई हैं। उन्होंने इस मामले पर कडप्पा ज़िला कलेक्टर से बात की है। उन्होंने मामले की गंभीरता और उपकरणों की तैयारी के बारे में जानकारी ली। कांग्रेस पार्टी की ओर से सरकार से पूरी सावधानी बरतने का आग्रह किया जा रहा है। शर्मिला ने अपील की है कि सभी ज़रूरी जांचें की जाएं, लक्षण वाले लोगों की पहचान की जाए और स्पेशल वार्ड बनाए जाएं। 'साथ ही, कांग्रेस के ज़िला स्तरीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी पूरी तरह सतर्क और सावधान रहना चाहिए। उन्हें बुज़ुर्गों, बच्चों और गंभीर या पुरानी बीमारी वाले लोगों का खास ध्यान रखना चाहिए, उनकी मदद करनी चाहिए और सरकारी तंत्र के साथ तालमेल बिठाना चाहिए।

मैंने निर्देश दिए हैं। वाईएस शर्मिला ने एक बार फिर पार्टी से कोविड को फैलने से रोकने के लिए एकजुट होकर काम करने को कहा है। कुल मिलाकर, एपी में, जिसमें कडप्पा ज़िला भी शामिल है, कोरोना के नए मामले सामने आ रहे हैं।

राजौरी में थाली में परोसा 'जहर' जंगली मशरूम खाते ही एक ही परिवार के 7 लोगों की बिगड़ी तबीयत

राजौरी, 11 जुलाई (एजेंसियां)। राजौरी जिले के उप-जिला कोटरंका के दूरदराज स्थित गंदेयोग गांव में शुक्रवार को संदिग्ध फूड पॉइजनिंग का मामला सामने आया, जिससे पूरे क्षेत्र में चिंता का माहौल बन गया। एक ही परिवार के सात सदस्य अचानक बीमार पड़ गए। सभी को उल्टी, दस्त और गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसे लक्षण दिखाई देने पर पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) खवास ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) एवं संबद्ध अस्पताल राजौरी रेफर कर दिया गया। घटना पुलिस पोस्ट खवास के अधिकार क्षेत्र में आने वाले गंदेयोग गांव की है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक परिवार के सदस्यों ने जंगल से लाई गई एक जंगली सब्जी जंगली मशरूम का सेवन किया था। इसके कुछ समय बाद परिवार के कई लोगों को एक साथ उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत होने लगी।

ट्रिब्यूनल के पास बंटवारे के कागज़ात को रद्द करने का अधिकार नहीं है: आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट

विजयवाड़ा, 11 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि संयुक्त परिवार की संपत्ति के बंटवारे के लिए बनाए गए रजिस्टर्ड बंटवारे के कागज़ात को 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007' के तहत 'भरण-पोषण ट्रिब्यूनल' रद्द नहीं कर सकता।

कोर्ट ने कहा कि बंटवारे का कागज़ात केवल परिवार के सदस्यों के बीच पहले से मौजूद अधिकारों को फिर से बांटता है और इसे संपत्ति का ट्रांसफर नहीं माना जा सकता। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए, जस्टिस निम्मगड्डा वेंकटेश्वरलू ने कहा कि अधिनियम की धारा 23(1) ट्रिब्यूनल को संपत्ति ट्रांसफर को अमान्य घोषित करने का अधिकार तभी देती है, जब किसी वरिष्ठ नागरिक ने 'गिफ्ट डीड' (उपहार विलेख) या इसी तरह के किसी तरीके से संपत्ति ट्रांसफर की हो, और यह शर्त रखी हो कि जिसे संपत्ति दी जा रही है, वह वरिष्ठ नागरिक के भरण-पोषण और कल्याण का ध्यान रखेगा। अगर उस शर्त का उल्लंघन होता है, तो अधिनियम के तहत ट्रांसफर को रद्द किया जा सकता है। कोर्ट ने पाया कि इस मामले में, मां रामलक्ष्मी ने अपने बेटे को कोई संपत्ति ट्रांसफर नहीं की थी।

इसके बजाय, पार्टियों ने केवल अपनी संयुक्त पारिवारिक संपत्ति का बंटवारा किया था। इसलिए, मां और बेटे के बीच भरण-पोषण से जुड़ा विवाद 'भरण-पोषण ट्रिब्यूनल' को बंटवारे के कागज़ात रद्द करने का अधिकार नहीं देता है। हाई कोर्ट ने 19 अगस्त, 2023 को अपीलीय ट्रिब्यूनल (पश्चिम गोदावरी जिला कलेक्टर) द्वारा पारित उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें रजिस्टर्ड बंटवारे के कागज़ात को रद्द कर दिया गया था, और मूल दस्तावेज़ को बहाल कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने रामलक्ष्मी को यह छूट दी कि अगर वह भरण-पोषण चाहती हैं या उचित सिविल कार्यवाही के ज़रिए बंटवारे के कागज़ात को चुनौती देना चाहती हैं, तो वह सक्षम सिविल कोर्ट जा सकती हैं।

अमरनाथ यात्रा: श्रद्धालुओं का नौवां जत्था जम्मू से रवाना, अब तक दो लाख से अधिक ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू, 11 जुलाई (एजेंसियां)। हर हर महादेव और बम बम भोले के जयघोष के साथ शनिवार तड़के जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास आधार शिविर से श्री अमरनाथ जी यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का नौवां जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कश्मीर के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालुओं में बाबा बर्फानी के दर्शन को लेकर खासा उत्साह है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस जत्थे में 8,796 श्रद्धालु शामिल हैं। इनमें 5,346 श्रद्धालु पारंपरिक पहलगाम मार्ग व 3,450 श्रद्धालु बालटाल मार्ग से रवाना होंगे। जत्थे में 6,046 पुरुष, 2,042 महिलाएं, 10 बच्चे, 228 साधु, 56 साध्वियां, एक ट्रांसजेंडर और 33 विदेशी श्रद्धालु शामिल हैं। भगवती नगर यात्री निवास में तड़के से ही श्रद्धालुओं की चहल-पहल शुरू हो गई।

बैंक के गोल्ड लोन फ्राड का खुलासा: 10 करोड़ रुपये का लोन फ्रॉड पकड़ा गया

एलुरु, 11 जुलाई (एजेंसियां)। हाल के वर्षों में जिले के सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक में, पुलिस ने बैंक ऑफ बड़ौदा की जंगारेड्डीगुडेम शाखा में गोल्ड लोन फ्रॉड का खुलासा किया है। पुलिस ने बैंक के आधिकारिक गोल्ड अप्रेज़र (सोने की जांच करने वाले अधिकारी) को 10 करोड़ रुपये मूल्य के गिरवी रखे गए गहनों का गबन करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बारे में जानकारी देते हुए एलुरु के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के। प्रताप शिव किशोर ने बताया कि आरोपी चलापाका राजू (40), जो जंगारेड्डीगुडेम के वेलामापेटा का रहने वाला है, को गिरफ्तार कर लिया गया है। गहन तलाशी के बाद, एक विशेष जांच टीम ने 5.71 करोड़ रुपये मूल्य के 4.120 किलोग्राम चोरी के सोने के गहने और 10 लाख रुपये नकद बरामद किए, जिससे कुल बरामदगी 5.81 करोड़ रुपये हो गई।

यह संस्थागत धोखाधड़ी तब सामने आई जब

बैंक के सीनियर ब्रांच मैनेजर ने औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, जंगारेड्डीगुडेम पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 318(4), 316(5), 336(3) और 305(5) के तहत अपराध संख्या 198/2026 दर्ज की। सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) और उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) सुष्मिता आर। की सीधी देखरेख में एक व्यापक जांच शुरू की गई। बैंक के वॉल्ट (तिजोरी) के गहन फोरेंसिक ऑडिट से 176 गोल्ड लोन खातों में गंभीर अनियमितताओं का पता चला।

जांचकर्ताओं ने खुलासा किया कि राजू ने अपने भरोसेमंद पद का दुरुपयोग करके सुनियोजित तरीके से सोने के गहनों का गबन किया। आंतरिक ऑडिट और दैनिक सत्यापन से बचने के लिए, आरोपी ने असली सोने की जगह नकली गहने और बेकार धातुएं रख दीं, जिससे बैंक अधिकारियों और सोना गिरवी रखने वाले असली ग्राहकों को इसकी भनक तक नहीं लगी।

पुलिस का अनुमान है कि इस तरीके से कुल 6.449 किलोग्राम सोने का गबन किया गया। जांच में यह भी पता चला कि राजू ने चोरी की गई संपत्ति को जंगारेड्डीगुडेम की कई ज्वैलरी दुकानों में बेच दिया या दोबारा गिरवी रख दिया। कागजी रिकॉर्ड छिपाने के लिए, उसने ये व्यावसायिक लेनदेन अपने और अपने माता-पिता के नाम से किए।

पुलिस टीमों ने दस्तावेज़ी और वित्तीय सबूतों के ज़रिए इन लेन-देन का पता लगाया और अलग-अलग ज्वेलरी शॉप से 4.120 किलोग्राम सोना बरामद किया, जहाँ ये सामान बेचा गया था। एसपी ने कहा कि बाकी बचे 2.329 किलोग्राम सोने का पता लगाने और उसे बरामद करने की कोशिशें जारी हैं। पुलिस बैंक के अंदर के लोगों या चोरी का सामान लेने वाले बाहरी लोगों की संभावित मिलीभगत की जाँच करने के लिए आरोपियों की औपचारिक कस्टडी की मांग करेगी।

पूर्वी गोदावरी में जन्म दर में गिरावट और लिंग अनुपात में लगातार असंतुलन

राजमहेंद्रवरम, 11 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्वी गोदावरी जिले में जन्म दर में लगातार गिरावट और जन्म के समय लिंग अनुपात में असंतुलन चिंता का विषय बन गया है। इसके चलते स्वास्थ्य अधिकारियों ने स्कैनिंग सेंटरों की निगरानी बढ़ा दी है और जन्म से पहले लिंग का पता लगाने के खिलाफ़ जन-जागरूकता अभियान को मज़बूत किया है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले तीन वर्षों में जन्म की कुल संख्या में गिरावट के बावजूद, लड़कियों की तुलना में लड़कों के जन्म की संख्या अधिक रही है। जिले में 2023-24 में कुल 23,906 बच्चों का जन्म हुआ, जिनमें 12,118 लड़के और 11,788 लड़कियाँ थीं। यह संख्या 2024-25 में घटकर 19,524 (10,085 लड़के और 9,439 लड़कियाँ) और 2025-26 में और घटकर 17,652 (9,044 लड़के और 8,608 लड़कियाँ) रह गई।

नकली नोट छापने वाले गिरोहों पर पुलिस की सख्ती

गुंटूर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। हाल ही में एनटीआर, कृष्णा और गुंटूर ज़िलों में नकली नोट पकड़े जाने की कई घटनाओं के बाद पुलिस हाई अलर्ट पर है। नकली भारतीय नोट (एफआईसीएन) छापने और उन्हें बाज़ार में चलाने वाले संगठित अंतर-राज्यीय गिरोहों को खत्म करने के लिए विशेष टीमें निगरानी बढ़ा रही हैं। एनटीआर, कृष्णा और गुंटूर ज़िलों में दर्ज हालिया मामलों ने कानून लागू करने वाली एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि विजयवाड़ा और उसके आस-पास नकली नोटों का नेटवर्क फैल रहा है। पुलिस का मानना है कि ये गिरोह कमर्शियल सेंटर्स को निशाना बना रहे हैं

और नकली नोटों को बाज़ार में चलाने के लिए भीड़-भाड़ वाली सार्वजनिक जगहों का फ़ायदा उठा रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में कई

गिरफ्तारियों के बाद चिंता और बढ़ गई है। इब्राहिमपटनम पुलिस ने हाल ही में नकली नोट चलाने में शामिल होने के आरोप में पाँच लोगों को गिरफ्तार किया। एक व्यापारी को लेन-देन के दौरान दिए गए नोटों पर शक हुआ और उसने पुलिस को सूचना दी। पूछताछ के दौरान जांचकर्ताओं को पता चला कि आरोपी अनंतपुर से काम कर रहे थे और इब्राहिमपटनम में नकली नोट बदलने की कोशिश करने से पहले हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई में नकली नोट चला चुके थे। एक अन्य मामले में, कृष्णा लंका पुलिस ने नकली नोट रखने और चलाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया,

जबकि कृष्णा ज़िला पुलिस ने इस साल फरवरी में नकली नोटों के रैकेट के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया था। गुंटूर पुलिस ने भी एक अलग मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिससे संकेत मिलता है कि अलग-अलग ज़िलों में कई गिरोह एक साथ काम कर रहे हो सकते हैं। आंध्र प्रदेश में नकली नोटों के हालिया मामलों में, सबसे बड़ी बरामदगी पूर्वी गोदावरी पुलिस ने की। उन्होंने नकली नोटों के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया और 1.06 करोड़ रुपये की कीमत के नकली नोट बरामद किए।

आईडीएफसी बैंक घोटाले में ईडी का बड़ा एक्शन, 200.83 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

पंचकूला, 11 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के चर्चित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पंचकूला की विशेष पीएमएलए अदालत में अभियोजन शिकायत (प्रासिक्यूशन कंप्लेंट) दाखिल कर दी है। इसके साथ ही 200.83 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क कर दी गई हैं। अदालत ने चार मुख्य आरोपितों रिभव ऋषि, विक्रम वधवा, अभय कुमार और नरेश कुमार को न्यायिक हिरासत में भेजते हुए अगली सुनवाई चार अगस्त तय की है। ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 179.83 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां और 20.99 करोड़ रुपये की चल संपत्तियां कुर्क की हैं।

आंध्र प्रदेश की राजनीति एक ही व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूम रही है, आने वाले चुनाव उन्हीं के बीच होंगे: जनसेना सांसद

अमरावती, 11 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश की राजनीति में कई सवाल उठ रहे हैं, जैसे 'रावण' के खिलाफ दर्ज मामले और गिरफ्तारी का घटनाक्रम। डिप्टी सीएम पवन कल्याण पर टिप्पणियां हो रही हैं और 'रावण' के पुराने वीडियो का मुद्दा भी सामने आया है। साथ ही, 'रावण' के खिलाफ आईपीसी के तहत मामला दर्ज करने को लेकर भी बड़ी बहस चल रही है कि क्या यह सही है या नहीं। सत्ताधारी पार्टी इस पर अपनी बात रख रही है और उनका समर्थन कर रही है। हाल ही में, जनसेना पार्टी के सांसद वल्लभनेनी बालशौरी ने इन घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया दी। अगर हम मौजूदा आंध्र प्रदेश की राजनीति को देखें, तो एक बात साफ हो जाती है। सारी चर्चाएं धीरे-धीरे एक ही व्यक्ति के इर्द-गिर्द सिमट गई हैं। और वह व्यक्ति हैं डिप्टी सीएम पवन कल्याण। एक तरफ, उनका नेतृत्व, पारंपरिक भारतीय मूल्यों का संरक्षण, राष्ट्रीय दृष्टिकोण, भ्रष्टाचार का खात्मा, सुशासन, पार्टी की राजनीति में तालमेल और राज्य के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ये सभी लोगों के बीच चर्चा का विषय हैं। जवाबदेही, विकास और दीर्घकालिक सुधारों पर केंद्रित एक नए तरह के नेतृत्व के लिए, यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि पवन कल्याण एक प्रतिनिधि के तौर पर खड़े हैं। विपक्ष उन्हें कमजोर करने की कोशिश में उनके व्यक्तित्व से बौखला गया है। मीडिया के जरिए बालशौरी पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। पवन कल्याण पर व्यक्तिगत हमले और गलत प्रचार किया गया है; उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड: अनमोल बिश्नोई पर मुंबई पुलिस को फटकार, कोर्ट ने क्यों की सख्त टिप्पणी?

मुंबई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई की विशेष अदालत ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के आरोपी गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई की कस्टडी लेने में मुंबई पुलिस की सुस्ती पर बहुत नाराजगी जताई है। कोर्ट ने पुलिस को साफ निर्देश दिया कि अनमोल बिश्नोई की हिरासत सुनिश्चित की जाए। कोर्ट ने कहा कि कस्टडी लेने के लिए पुलिस ने कोई कदम नहीं उठाया, जिसकी वजह से कोर्ट की तरफ से नाराजगी जाहिर की गई।

कोर्ट ने कहा कि पिछले साल प्रत्यर्पण के बाद से अनमोल बिश्नोई एनआईए की हिरासत में है, इसके बावजूद मुंबई पुलिस ने उससे पूछताछ के लिए जरूरी कदम नहीं उठाए। विशेष अदालत ने मुंबई पुलिस को निर्देश दिया कि कानून के तहत उपलब्ध सभी जरूरी उपाय अपनाकर अनमोल बिश्नोई की हिरासत लें और उसे अदालत के समक्ष पेश करना सुनिश्चित करें। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, "किसी गंभीर हत्या के मामले में जांच एजेंसी को उसके वैधानिक कर्तव्यों की याद दिलाना अदालत का काम नहीं है।

ये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि अदालत को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) में निर्धारित प्रक्रिया के पालन और फरार आरोपी की अदालत में मौजूदगी सुनिश्चित कराने के लिए निर्देश जारी करने पड़ रहे हैं।" बाबा सिद्दीकी की पत्नी ने अपने वकील प्रदीप घरत और त्रिवांकुमार कर्णानी के माध्यम से दायर याचिका में आरोप लगाया था कि जांच एजेंसी हत्या के पीछे की कथित बड़ी साजिश की जांच करने में विफल रही है।

जगन्नाथ मंदिर की बड़ी कानूनी जीत

वापस मिलेगी 300 करोड़ की 57 एकड़ जमीन, 65 साल पुरानी लीज रद

भुवनेश्वर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा राजस्व बोर्ड के सदस्य सत्यव्रत साहू ने एक ऐतिहासिक फैसले में पुरी के भगवान जगन्नाथ मंदिर की करीब 57 एकड़ मूल्यवान भूमि को पुनः मंदिर के नाम दर्ज करने का आदेश दिया है। इस भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 300 करोड़ रुपये बताया गया है। खुर्दा जिले के जटनी तहसील अंतर्गत कुड़ियारी मौजा स्थित यह भूमि वर्ष 1961 में औद्योगिक विकास के लिए एक निजी कंपनी को लीज पर दी गई थी। इसके बाद से यह मामला लंबे समय से कानूनी विवाद में फंसा हुआ था।

सत्यव्रत साहू की अध्यक्षता वाली राजस्व बोर्ड की अदालत ने दो पुनरीक्षण याचिकाओं को

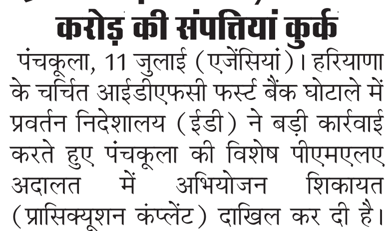

स्वीकार करते हुए 1961 की लीज को अवैध घोषित कर दिया। अदालत ने कहा कि यह लीज ओडिशा हिंदू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा 19 का उल्लंघन करती है, क्योंकि इसके लिए एंडोमेंट कमिश्नर (धार्मिक न्यास आयुक्त) की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य था, जो नहीं ली गई थी। अदालत ने जटनी तहसीलदार को निर्देश दिया है कि वह रिकॉर्ड ऑफ राइट्स में आवश्यक संशोधन कर भूमि को भगवान जगन्नाथ, पुरी के नाम दर्ज करे। यह विवादित 57 एकड़ भूमि मूल रूप से 'गोपबंधु स्ट्रॉ एंड पेपर बोर्ड्स लिमिटेड' नामक निजी कंपनी को उद्योग स्थापित करने के उद्देश्य से लीज पर दी गई थी। हालांकि, जांच में सामने आया कि वहां कभी कोई उद्योग स्थापित नहीं किया गया। साथ ही मंदिर को इस भूमि से कोई आर्थिक लाभ भी नहीं मिला और भूमि आज तक पूरी तरह खाली पड़ी हुई है।

मैदानी सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड ऑफ राइट्स किसी संपत्ति का स्वामित्व स्थापित नहीं करता और यदि वह किसी अवैध लेन-देन के आधार पर तैयार हुआ हो तो उसमें संशोधन किया जा सकता है।

डॉक्टर की लापरवाही ने ली मासूम की जान, एनीस्थीसिया के बाद 18 माह के बच्चे की मौत

कन्नूर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। केरल के कन्नूर में एक निजी अस्पताल में 18 महीने के एक बच्चे की मौत हो गई। कटे हुए होंठ पर टांके लगाने के लिए एनेस्थीसिया दिए जाने के बाद उसकी हालत पांच दिनों से गंभीर बनी हुई थी। बच्चे की मौत के बाद डॉक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, 5 जुलाई को घर के आंगन में खेलते समय गिरने से बच्चे के होंठ पर कट लग गया था। उनके माता-पिता उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने घाव पर टांके लगाने के लिए एनेस्थीसिया दिया। इसके तुरंत बाद बच्चे की हालत गंभीर हो गई और उसे होश नहीं आया। बाद में अस्पताल ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए अपनी कन्नूर यूनिट में शिफ्ट कर दिया, जहां करीब 9 बजे उनकी मौत हो गई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 101 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.13 2083 रविवार, 12 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

ईडी के आरोप : ममता सरकार के वक्त मंत्री ने फ्लैट के बदले दी सरकारी नौकरी

कोलकाता, 11 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कोलकाता जोनल ऑफिस ने म्युनिसिपैलिटी भर्ती घोटाले के सिलसिले में सुजीत बोस (पूर्व मंत्री- फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज़ विभाग, पश्चिम बंगाल और पूर्व एमएलए), समुद्र बोस, ज्योतिष्मान चट्टोपाध्याय, आईएएस (तत्कालीन डायरेक्टर, डायरेक्टोरेट ऑफ लोकल बॉडीज) और अन्य लोगों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत कोलकाता की सिटी सेशंस कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के सामने एक सप्लीमेंट्री प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट (अतिरिक्त अभियोजन शिकायत) दायर की है। >14

नाव पलटने से 15 की मौत

> 32 भारतीय सवार थे, इनमें ज्यादातर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के पर्यटक

पीएम मोदी ने जताया दुख-हर संभव मदद में जुटा दूतावास

नई दिल्ली-हनोई, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक नाव पलट गई। इस हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 लोगों को बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वियतनाम के फू क्वोक के पास भारतीय नागरिकों से जुड़े नाव हादसे पर दुख जताया।

उन्होंने पोस्ट कर कहा, 'भारतीय नागरिकों की नाव दुर्घटना की दुखद खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायल बचे लोगों के जल्द ठीक होने की मैं प्रार्थना करता हूं।' पीएम मोदी ने कहा, 'हमारा दूतावास और वाणिज्य दूतावास हर संभव मदद पहुंचा रहे हैं। हमारे अधिकारी वियतनाम के अधिकारियों के भी लगातार संपर्क में हैं।' घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

स्थानीय प्रशासन राहत एवं बचाव अभियान चला रहा है। वियतनाम में भारतीय दूतावास ने बताया कि हादसे के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। हनोई स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कुछ घंटे पहले फु क्वोक द्वीप के पास कई भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक नाव पलटने की दुखद घटना हुई है। स्थानीय प्रशासन द्वारा खोज एवं बचाव अभियान जारी है और घटना के सटीक विवरण जुटाए जा रहे हैं।

पीड़ित परिवारों की सहायता और जानकारी उपलब्ध कराने के लिए भारतीय वाणिज्य दूतावास (हो ची मिन्ह सिटी) में एक नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित किया गया है। इसके अलावा हनोई में भी एक अलग नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। स्थानीय समाचार वेबसाइट वीएनएक्सप्रेस के अनुसार, हादसे का शिकार हुई स्पीडबोट में 32 भारतीय पर्यटक, >14

हेल्पलाइन नंबर जारी, कंट्रोल रूम बनाया

इंडियन एंबेसी ने बताया कि यात्रियों की मदद के लिए कंट्रोल रूम बनाया गया है। इससे संपर्क करने के लिए हेल्पलाइन नंबर +84 36 281 7930, +84 91 552 37 14 और +84 33 452 0414 जारी किए गए हैं।

पॉक्सो केस में जमानत पर छूटे आरोपी ने 6 लोगों की हत्या की

पत्नी और दो छोटे बेटों को भी मौत के घाट उतारा, फरार आरोपी पर 2 लाख का इनाम घोषित

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार तड़के रंगारेड्डी जिले के शाबाद मंडल में एक व्यक्ति ने 17 वर्षीय लड़की, एक महिला और दो छोटे बच्चों सहित छह लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार ये हत्याएं इस साल की शुरुआत में आरोपी के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पास्को) अधिनियम के तहत दर्ज किए गए एक मामले से जुड़ी हुई हैं। पुलिस के अनुसार, शाबाद मंडल के दैवलगुडा गांव के निवासी 35 साल के राजकुमार को मई में 17 वर्षीय लड़की की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया था, जिसने उस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इस शिकायत के आधार पर 16 मई को पास्को का मामला दर्ज किया गया,

कमिश्नर तरुण जोशी समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया, एसआई सस्पेंड

हाल ही में राजकुमार को जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

बताया जा रहा है कि आरोपी शनिवार की सुबह तड़के लड़की के घर में घुस गया और उसके बाद उसके परिवार के सदस्यों पर हमला किया। ऐसा संदेह है कि उसने नाबालिग लड़की को पास के एक खेत में ले जाकर उसके साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया और उसकी हत्या कर दी। इसके बाद, आरोपी पर लड़की की मां, 45 वर्षीय चित्याला लक्ष्मी और दादी, 65 वर्षीय चित्याला रुक्कम्मा की हत्या का आरोप है। कुछ समय बाद एक अलग घटना में, आरोपी ने कथित तौर पर अपनी पत्नी, 30 वर्षीय पार्वती सरिता और अपने दो छोटे बेटों, 3 वर्षीय परिक्षित और 2 वर्षीय दैविकक्षित की उनके घर में हत्या कर दी। अपने परिवार के सदस्यों की हत्या के पीछे का मकसद अभी भी पता नहीं चला है। पुलिस ने बताया है कि आरोपी ने हत्याएं करने के बाद कथित तौर पर अपने माता-पिता से संपर्क किया, दो अलग-अलग स्थानों पर छह लोगों की हत्या करने की बात कबूल की और आत्महत्या करने का इरादा व्यक्त किया। >14

25 साल पहले मिला मफलर, आज भी सुरक्षित : पीएम मोदी

ऑकलैंड, 11 जुलाई (एजेंसियां)। नमस्ते, की ओरा न्यूजीलैंड के साथ अपने संबोधन की शुरूआत करने वाले पीएम मोदी ने कहा, हम भारत के लोग सुनते आए थे, 20 साल के बाद, लेकिन आज 40 साल बाद कोई भारतीय पीएम न्यूजीलैंड की धरती पर आया है। ये मेरा सौभाग्य है।

मैं यहां 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाएं लेकर आया हूं। प्रधानमंत्री के रूप में भले ही ये मेरा पहला दौरा है। लेकिन 25-30 साल पहले जब मैं किसी सरकार में हिस्सा नहीं था, सार्वजनिक जीवन में मुझे कोई जानता नहीं था, तब भी मुझे न्यूजीलैंड आने का मौका मिला था।

प्रधानमंत्री ने वर्षों पुरानी यात्रा से जुड़ी यादें ताजा करते हुए कहा, उस समय किसी ने मुझे गिफ्ट में तीन चीजें दी थीं जो मैं वापस भारत लेकर गया था। एक ये मफलर, एक कैप और एक दस्ताना, क्योंकि ठंड का मौसम था। उसमें से एक चीज मैं यहां इस कार्यक्रम में भी लाया हूं। ये मफलर 25-30 साल पहले न्यूजीलैंड के एक साथी ने दिया था। मैंने इतने वर्षों में कई बार इसका उपयोग किया और आज भी इसे बहुत संभालकर रखा है। जैसे आपके प्यार को संभालकर रखता हूं।

पीएम मोदी ने कहा, इस बार जब यहां आने का कार्यक्रम बना तो विशेष तौर पर इस मफलर को साथ लाया, क्योंकि खबर थी कि ठंड ज्यादा है। भारत और न्यूजीलैंड के रिश्ते में यादें भी हैं, दोस्ती भी है और एक कमिटमेंट भी है। उन्होंने न्यूजीलैंड की टीम में भारतीय खिलाड़ियों के शामिल होने और देश के विकास में महिलाओं की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत में भी अब महिलाओं के लिए संभावनाओं के नए दरवाजे खुल रहे हैं।

ऑकलैंड में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन से पहले इस समारोह में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने साधारण पृष्ठभूमि से उठकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व किया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

ट्रम्प बोले-ईरान पर 1000 मिसाइलें तान रखीं

मुझे मारने की कोशिश की तो तबाह कर देंगे, जवाबी कार्रवाई के आदेश दे चुका

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 11 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या की कोशिश की तो अमेरिका ऐसा हमला करेगा, जैसा पहले कभी नहीं देखा होगा। ट्रुथ सोशल पर ट्रम्प ने लिखा कि ईरान की ओर 1000 मिसाइलें तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर हजारों और मिसाइलें दागी जाएंगी। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ने उन पर हमला किया तो ईरान को पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई के आदेश पहले ही दिए जा चुके हैं और अमेरिकी सेना पूरी तरह तैयार है। उधर, इजराइली मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने इजराइल से अपने 12 एफ-22 स्टेल्थ फाइटर जेट वापस बुलाने शुरू कर दिए हैं। ये विमान फरवरी से इजराइल के ओवदा एयरबेस पर तैनात थे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन्हें ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान के लिए भेजा गया था और इन्होंने हालिया हमलों में भी हिस्सा लिया था।

लाइब्रेरी के उद्घाटन समारोह में अमित शाह बोले

दिनकर को पढ़े बिना भारत को पूरी तरह नहीं समझ सकते

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उन्होंने लिखा, पुस्तकालय आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारत की संस्कृति और ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है।

समारोह में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा, आज दिल्ली के लिए महत्वपूर्ण दिन है, यहां महान स्वतंत्रता सेनानी, चिंतक और अनेक भीमकाय कार्यों को संपन्न करने वाले देश के महान नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम पर यहां पुस्तकालय की शुरूआत हुई है। राष्ट्र निर्माण करने वाली और राष्ट्र को वैभव दिलाने

वाली सारी गतिविधियों का मूल ज्ञान और विवेक के व्यवहारिक रूप में ढलने से होता है और ज्ञान पुस्तकालय से प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा, एक बहुत बड़े विचारक ने कहा है कि देश का भविष्य कैसा है, इसका आकलन इस बात से नहीं हो सकता कि देश की कृषि कितनी समृद्ध है, देश के बाजारों में कितनी भीड़ है या फिर देश में कितने उद्योग लगे हैं, बल्कि इस बात से होता है कि देश के पुस्तकालयों में कितनी भीड़ है और वहां कितने युवा हैं। गृह मंत्री ने कहा कि गांधीनगर लोकसभा में हमने एक छोटा-सा प्रयोग किया है। लोकसभा के प्रत्येक गांव में पुस्तकालय खोले, जिनमें 3,000 से 4,000 पुस्तकें हैं। उन पुस्तकालयों को लाखों पुस्तकों वाले बड़े पुस्तकालय से लिंक किया। चार मोबाइल वैन भी चलाई। अब गांव का बच्चा पुस्तकालय में जिस पुस्तक का नाम लिख देता है, वह पुस्तक हर शुक्रवार को उसी गांव में उसे उपलब्ध करा दी जाती है। इसके साथ-साथ हमने हर पुस्तकालय को स्कूल के साथ जोड़ने का भी कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि महापुरुषों, विद्वानों और अनुभवी लोगों ने अपने जीवन के अनुभव, चिंतन और विवेक को पुस्तकों के माध्यम से हमारे लिए सुरक्षित रखा है। उन पुस्तकों का अध्ययन कीजिए, उनके ज्ञान को अपने विवेक और अनुभव की कसौटी पर परखिए, फिर अपने जीवन में उतारकर देखिए।

यूसीसी पर पश्चिम बंगाल सरकार का बड़ा कदम

रिटायर्ड जज रंजना देसाई की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय कमेटी गठित

कोलकाता, 11 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी)-2026 के मसौदा विधेयक की समीक्षा और उसे अंतिम रूप देने के लिए नौ सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई इस कमेटी की अध्यक्षता करेंगी। इस संबंध में सरकार ने शुक्रवार को नोटिफिकेशन जारी किया। पश्चिम बंगाल के न्यायिक विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया कि राज्य सरकार ने कहा कि विधानसभा में पेश किए जाने से पहले मसौदा विधेयक की समीक्षा करने के लिए कमेटी बनाई है। सरकार का मानना है कि विषय की व्यापकता और जटिलता को देखते हुए मसौदा विधेयक का विस्तृत परीक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से 2 जुलाई को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णय के आधार पर समिति के गठन को मंजूरी दी गई है।

अमरनाथ यात्रा : नुनवान बेस कैंप पर एफआरएस की मदद से संदिग्ध ओजीडब्ल्यू गिरफ्तार

अनंतनाग, 11 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में श्री अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस ने फेशियल रिकग्निशन सिस्टम की मदद से एक संदिग्ध ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) को हिरासत में लिया है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई नुनवान बेस कैंप के एक्स-रे पॉइंट पर की गई, जहां लगाए गए फेशियल रिकग्निशन सिस्टम से समय रहते अलर्ट मिला। पुलिस ने बताया कि अलर्ट मिलने के बाद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को रोका और उसकी जांच की। जांच में उसकी पहचान मोहम्मद इकबाल वानी के रूप में हुई, जो बांदीपोरा जिले के हाजिन इलाके का रहने वाला है।

'हम आपको जनता के सामने बेनकाब कर देंगे'

> महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक आपराधिक मामले में विदेशी नागरिक की जमानत याचिका का विरोध करने पर महाराष्ट्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर राज्य सरकार का यही ढर्रा रहा, तो वे उसे जनता के सामने बेनकाब कर देंगे। बता दें कि, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागू की पीठ एक विदेशी नागरिक की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा :

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार के काम करने के तरीके पर गहरी नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा, हमें हर दिन महाराष्ट्र से ऐसे मामले मिलते हैं। आप लोग जमानत का तो पूरी ताकत से विरोध करते हैं, लेकिन मुकदमों को तेजी से पूरा करने के लिए कोई कदम नहीं उठाते। जब हम मामले की जांच करते हैं, तो पता चलता है कि सबूत बहुत कमजोर हैं। हम आपको जनता के सामने बेनकाब कर देंगे। संविधान द्वारा नागरिकों को दिए गए 'जल्दी इंसाफ पाने के अधिकार' का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमें शर्मिंदगी महसूस हो रही है। चार वर्षों में 34 गवाहों में से केवल दो गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। यह बात पिछले कुछ समय से कोर्ट को परेशान कर रही है। इस दौरान पीठ ने साफ किया कि अगर राज्य सरकार किसी की जमानत का पुरजोर विरोध करती है, तो उसकी यह भी जिम्मेदारी बनती है कि वह मुकदमे की सुनवाई को बिना किसी रुकावट के तेजी से चलाए, लेकिन महाराष्ट्र सरकार इसमें पूरी तरह नाकाम रही है।

कोर्ट का सख्त आदेश :

मामले की सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र सरकार के वकील ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि अब राज्य सरकार सभी आरोपियों को हर सुनवाई पर कोर्ट में पेश कर रही है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यों को मुकदमों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए एक स्पष्ट नीति बनानी होगी। वहीं कोर्ट ने आदेश दिया कि इस मामले में हर हफ्ते कम से कम चार गवाहों के बयान दर्ज किए जाएं और इस आदेश का रिकॉर्ड निचली अदालत के सामने रखा जाए।

एथनॉल के नाम पर 1200 करोड़ का चावल घोटाला : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया है कि बीजेपी के राज्य में मध्य प्रदेश भ्रष्टाचार और लूट का केंद्र बन गया है। खड़गे ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह ने जवाबदेही की धारणा को सत्ता के अहंकार तले रौंद दिया है।

खड़गे ने दावा किया, अब एथनॉल के नाम पर 1200 करोड़ रुपये का चावल घोटाला सामने आया है। जिस चावल को कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के पोषण के लिए इस्तेमाल होना था, उसी चावल को मुनाफे के खेल में घुमाया गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि 5 लाख मीट्रिक टन चावल को राइस मिलर्स, एथनॉल माफिया और भाजपा सरकार के संरक्षण में भ्रष्टाचार के खेल का हिस्सा बना दिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा और सरकारी तंत्र की मिलीभगत से जनता के हक के अनाज पर डाका डाला जा रहा है। खड़गे ने कहा, हर तरफ, हर विभाग में लूट और अपनी जेबें भरने का खेल, यही भाजपा की सत्ता की लूट की कहानी है। व्यापमं से शुरू हुई यह लूट, पेपर लीक, भ्रष्टाचार के अनगिनत मामलों के बावजूद आज भी थमी नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने मध्य प्रदेश को भ्रष्टाचार का मॉडल बना दिया है और मोदी जी हर बार की तरह बस मौन साधे बैठे हैं।

नगालैंड में आरपीपी का एनपीएफ में विलय

सीएम रियो ने नागा एकता और जल्द राजनीतिक समाधान पर दिया जोर

कोहिमा, 11 जुलाई (एजेंसियां)। नागालैंड की क्षेत्रीय पार्टी राइजिंग पीपुल्स पार्टी (आरपीपी) का शनिवार को सत्तारूढ़ नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) में औपचारिक विलय हो गया। कोहिमा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और एनपीएफ अध्यक्ष नेफ्यू रियो ने आरपीपी नेताओं का पार्टी में स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नागा राजनीतिक मुद्दे का सम्मानजनक और जल्द समाधान एनपीएफ और राज्य सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने सभी नागाओं से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होने की अपील भी की। सीएम रियो ने कहा कि नागालैंड में विपक्ष रहित सरकार इस बात का प्रतीक है कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधि नागा राजनीतिक मुद्दे के समाधान के लिए मिलकर काम करना चाहते हैं।

2029 से लागू हो सकता है वन नेशन वन इलेक्शन

संसदीय समिति के अध्यक्ष बोले-99 प्रतिशत लोग पक्ष में, राज्यों के विशेषज्ञों से सलाह ले रहे

गोवा, 11 जुलाई (एजेंसियां)। संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) कोशिश कर रही है कि 2029 के लोकसभा चुनावों तक 'वन नेशन वन इलेक्शन' लागू हो सके। समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी के मुताबिक, अब तक चर्चा में शामिल लगभग 99 प्रतिशत नागरिक और संगठनों ने इसका समर्थन किया है।

समिति ने गोवा के मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों सहित कई राज्यों के विशेषज्ञों से इस पर सलाह ली है। गोवा दौरे पर गए समिति के सदस्य और भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि बार-बार चुनाव से छोटे राज्य गोवा पर इतना प्रभाव पड़ता है, तो बड़े राज्यों और पूरे देश पर इसका असर और भी ज्यादा होता होगा। उन्होंने बताया कि समिति का अगला दौरा लखनऊ का होगा,

जहां मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता, राजनीतिक दलों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों से चर्चा की जाएगी। जेपीसी 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देकर संसद में पेश करेगी। लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकायों के चुनाव अलग-अलग कराने के बजाय एक साथ कराना।

संविधान संशोधन के जरिए उन राज्यों के कार्यकाल को समय से पहले ही समाप्त करके 2029 के चुनावी चक्र के साथ जोड़ा जाएगा। वहां कुछ समय के लिए राष्ट्रपति शासन लग सकता है या फिर केवल 2029 तक के लिए चुनाव संभव।

कई अनुच्छेदों (जैसे 83, 172, 356) में संशोधन करना होगा। संसद में दो-तिहाई बहुमत और आधे राज्यों की मंजूरी चाहिए। इस नए प्रस्ताव के तहत मध्यावधि चुनाव पूरे 5 साल के लिए नहीं कराए जाएंगे, बल्कि केवल बचे हुए कार्यकाल के लिए ही कराए जाएंगे, ताकि अगला मुख्य चक्र न बिगड़े। केंद्र सरकार वन नेशन वन इलेक्शन के लिए सुरक्षित रास्ता तलाश रही है। इसके लिए बनी जेपीसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक समिति 'टू-फेज ट्रांजिशन मॉडल' पर विचार कर रही है, जिससे राज्यों में बार-बार चुनाव कराने या विधानसभाओं के कार्यकाल में बहुत बड़ी कटौती करने की जरूरत न पड़े।

15 जुलाई को पाकिस्तान असेंबली से आजादी का करेंगे ऐलान

> पीओके के नेताओं ने शहबाज को दिया अल्टीमेटम

इस्लामाबाद, 11 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भयंकर प्रदर्शन शुरू हो चुका है। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रही 'जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' यानि जेएएसी ने 15 जुलाई को पाकिस्तान की असेंबली से आजादी का ऐलान करने की बात कही है। इसने कहा है पीओके के लोग 15 जुलाई को पाकिस्तान की असेंबली से आजादी का ऐलान करेंगे। स्थानीय नेताओं ने पाकिस्तान की सेना ने फौरन शहर खाली करने का अल्टीमेटम दिया है और ऐतिहासिक रूप से शांतिपूर्ण इलाके को 'टेरर जोन' बताने की कोशिशों को सख्ती से खारिज किया है।

पीओके में हालात तेजी से बिगड़ चुके हैं और हजारों लोग ईदगाह ग्राउंड पर मौजूद हैं। प्रदर्शनकारियों के नेताओं ने विदेशी मीडिया को पाकिस्तानी सेना का अत्याचार देखने के लिए आमंत्रित किया है। हालात उस वक्त तेजी से बिगड़े जब पिछले दिनों एक प्रदर्शन के दौरान असीम मुनीर के आदेश पर पाकिस्तानी सेना ने निहत्थे लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी थी। इसमें 30 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पीओके के प्रदर्शनकारियों ने इसकी तुलना 'जालियावाला बाग' नरसंहार से की है।

पीओके के नेता 15 जुलाई को करेंगे आजादी का ऐलान :

प्रदर्शनकारियों ने 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले अपनी 38-सूत्रीय आर्थिक और संवैधानिक मांगों को पूरा करने का अल्टीमेटम दिया है। वहीं स्थानीय प्रशासन ने प्रस्तावित मार्च के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी के लिए भारी हथियारों से लैस हजारों अतिरिक्त संघीय सुरक्षा बलों की मांग की है।

निर्माणाधीन मॉल में 7 साल की बच्ची की हत्या, लहूलुहान हालत में मिला शव; दुष्कर्म की आशंका

गाजियाबाद, 11 जुलाई (एजेंसियां)। गाजियाबाद में राजनगर एक्सटेंशन के निर्माणाधीन मॉल में एक सात साल की बच्ची की सिर में लोहे की रॉड मारकर हत्या कर दी गई। हत्या से पहले बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने की आशंका है। इस मामले में पुलिस अभी दो संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। बच्ची के माता-पिता निर्माणाधीन मॉल में ही कामगार हैं। शाम उसे अंतिम बार देखा गया था। उसके बाद बच्ची का कुछ पता नहीं चला। रात 10 बजे तक बच्ची जब वापस नहीं आई तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। बताया कि रात एक बजे पुलिस को बच्ची की गुमशुदगी की सूचना दी गई।

इसके बाद रात में ही निर्माणाधीन मॉल में ही बच्ची का शव लहूलुहान हालत में बरामद हुआ है। परिजनों के अनुसार, बच्ची का शव निर्माणाधीन मॉल के बेसमेंट में मिला है। उनका आरोप है कि बच्ची के शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर झूठा यौन शोषण आरोप लगाने का मामला

हाईकोर्ट ने एक हफ्ते में मांगी रिपोर्ट

प्रयागराज, 11 जुलाई (एजेंसियां)। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ झूठा यौन शोषण आरोप लगाने का मामला अब इलाहाबाद हाई कोर्ट पहुंच चुका है। कोर्ट ने यूपी सरकार से याचिका पर एक हफ्ते में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। वहीं शंकराचार्य पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी को भी पक्षकार बनाने का निर्देश दिया है। इस मामले पर जस्टिस जेजे। मुनीर की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। ये याचिका शाहजहांपुर निवासी पत्रकार रमाशंकर दीक्षित की ओर से संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत ये याचिका दायर की गई है। इस मामले पर अगली सुनवाई 16 जुलाई 2026 को होगी।

कोर्ट ने प्रकरण को नए वाद के रूप में सूचीबद्ध करने का आदेश दिया गया है। इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि 18

फरवरी 2026 को तीन अज्ञात व्यक्तियों ने पत्रकार रमाशंकर दीक्षित से संपर्क कर उन्हें धन का प्रलोभन दिया। कथित रूप से ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के विरुद्ध उनकी दो नाबालिग पुत्रियों के यौन शोषण का झूठा आरोप लगाने के लिए दबाव बनाया। याचिकाकर्ता का कहना है कि प्रस्ताव ठुकराने के बाद उन्हें और उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां दी गईं। याची के घर की कथित रूप से रेकी भी कराई गई। याचिका के अनुसार, शिकायत के बाद पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की लेकिन, सुरक्षा में लगाए गए कुछ पुलिसकर्मियों ने भी कथित रूप से याचिकाकर्ता पर अपना बयान बदलने का दबाव बनाया। याचिकाकर्ता का कहना है कि इस संबंध में विभिन्न प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को शिकायत की गई।

लेकिन, इसके बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की हुई। जिसके बाद उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिका में यह भी कहा गया है कि याचिकाकर्ता की दो नाबालिग बेटियां हैं और उनके पूरे परिवार की सुरक्षा खतरे में है। इसी आधार पर न्यायालय से याचिकाकर्ता एवं उसके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है। हाईकोर्ट से आवश्यक विधिक संरक्षण प्रदान करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता डॉ। गजेन्द्र सिंह यादव ने अदालत में पक्ष रखा।

गैंग्स्टर और भूमाफिया केसी राय की कुर्क होगी दस करोड़ की संपत्ति

आजमगढ़, 11 जुलाई (एजेंसियां)। संगठित अपराध और भूमाफिया के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस और प्रशासन ने गैंग्स्टर एवं भूमाफिया कृष्णचन्द्र राय उर्फ केसी राय की करीब 10 करोड़ रुपये मूल्य की आलीशान अचल संपत्ति को कुर्क करने का आदेश कोर्ट से प्राप्त किया है। यह कार्रवाई धारा 107 बीएनएस के तहत अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। पुलिस की प्रभावी विवेचना के आधार पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सत्यबीर सिंह ने माना कि अभियुक्त ने अपराध से अर्जित धन से ठगी का साम्राज्य खड़ा किया और उसके पास भवन निर्माण या बैंक ऋण की किस्त चुकाने के लिए कोई वैध आय का स्रोत नहीं था। इसके बाद न्यायालय ने धारा 107 बीएनएसएस के तहत संपत्ति कुर्क करने का आदेश पारित करते हुए तहसीलदार को संपत्ति का प्रशासक नियुक्त किया है। वर्तमान में केसी राय अंबेडकरनगर जेल में बंद है। कुर्की की कार्रवाई रविवार (12 जुलाई) को होगी।

दलित छात्रा हत्याकांड

अखिलेश यादव ने पीड़ित परिजन से की मुलाकात

कहा- पीडीए अब नहीं सहेगा ऐसा अन्याय

लखनऊ, 11 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ में हुई दलित छात्रा ललिता गौतम की हत्या के मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। अब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात की और न्याय की इस लड़ाई में साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया है। इसके साथ ही सपा चीफ ने कहा कि बीजेपी सरकार पीड़ित परिवार की हर मांग पूरी करे और मृतक बेटी को न्याय मिले। वहीं सपा चीफ अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा-जब वो खुद ही बेलगाम है जिसके हाथ में लगाम है, तो फिर उनका क्या, जो उनके दरबार में दरबान है!'मेरठ की बेटी' के साथ हुए महा-अत्याचार व हत्या के बाद जिस तरह नामजद आरोपियों पर कमजोर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है और आंदोलनकारियों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा लगाया गया है, वो नाइंसाफी की पराकाष्ठा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे लिखा- इससे भी अधिक गंभीर बात ये है कि जिस पुलिस से न्याय की उम्मीद होती है, उनके ही उच्चाधिकारी अन्याय और अपने अहंकार के अनवरत झापड़ आम जनता के गाल पर मार रहे हैं, पूरी दुनिया में फैल चुका जिसका वीडियो उत्तर प्रदेश की पुलिस की छवि को खंडित कर रहा है।

इससे वो पुलिसकर्मी भी शर्मिंदा हैं जो अपनी कर्तव्यपरायणता और आम जनता के प्रति संवेदनशील हैं और सदैव मानवीय दृष्टिकोण से अपना काम करते हैं। पीडीए अब सहेगा नहीं, कहेगा! सच तो ये है कि जिस राज्य का मुख्य ही महिलाओं के साथ, विशेष रूप से एक युवा मृतक की शोक-संतप्त माँ से सरेआम अभद्रता का वाचन करे, उसकी पुलिस से कोई भी उम्मीद करना बेमानी है। मस्तिष्क का आदेश ही, उँगलियाँ मानती हैं। अब जनता भाजपाइयों का भाषण सुनने के मूड में नहीं है।

असिस्टेंट प्रोफेसर का इंटरव्यू देने जा रही थी पत्नी, डॉक्टर पति ने रास्ते में दिया तीन तलाक

बरेली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के कैंट थाना क्षेत्र से रिश्तों को तार-तार कर देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। यहां उच्च शिक्षित एक महिला ने अपने डॉक्टर पति और उसके परिजनों पर दहेज के लिए बेरहमी से प्रताड़ित करने, मारपीट करने और तीन तलाक देने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। महिला का दावा है कि जब वह हरिद्वार में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए इंटरव्यू देने गई थी, तभी उसके पति ने बीच रास्ते में उसका रास्ता रोका, विवाद किया और सरेराह तीन तलाक दे दिया। इस मामले में बरेली जोन के एडीजी रमित शर्मा से गुहार लगाने के बाद कैंट पुलिस ने डॉक्टर पति समेत पांच लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर गहन जांच शुरू कर दी है। ससुराल वालों का कहना था कि मुस्तकीम एक एमबीबीएस डॉक्टर है। उसे आगे चलकर एमडी की पढ़ाई करनी है और अपना एक बड़ा निजी अस्पताल बनाना है, इसलिए उन्हें शादी में करोड़ों रुपये मिलने चाहिए थे, जो शबनम के परिवार ने नहीं दिए। लगातार शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के कारण शबनम के पिता उन्हें वापस बरेली ले आए थे।

स्कूल के पास बन रहे इलेक्ट्रिक शवदाह गृह के निर्माण पर अंतरिम रोक, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

प्रयागराज, 11 जुलाई (एजेंसियां)। नामी निजी स्कूल के पास इलेक्ट्रिक शवदाह गृह के निर्माण पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। ये इलेक्ट्रिक शवदाह गृह नगर निगम के द्वारा नैनी स्थित अरैल इलाके के पास बनाया जा रहा था, जिसके खिलाफ स्कूल ने याचिका दाखिल की थी। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने इसके निर्माण पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मामले में पक्षकार बनाने का आदेश दिया है और प्रशासन को मौके का मुआयना कर एक सीलबंद रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता स्कूल की तरफ से सीनियर एडवोकेट तरुण अग्रवाल और अधिवक्ता प्रभाष पांडे ने पक्ष रखा। स्कूल की ओर से कहा गया कि जिस जमीन पर नगर निगम द्वारा इलेक्ट्रिक शवदाह गृह का निर्माण किया जा रहा है, वह 'मास्टर प्लान 2031' के तहत पी 5 कैटेगरी में आती है। यह क्षेत्र मुख्य रूप से 'रिवर बैंक डेवलपमेंट' के लिए आरक्षित किया गया है। नियमों के अनुसार इस क्षेत्र में नदी तट विकास

योजना के अलावा किसी भी अन्य प्रकार का निर्माण पूरी तरह से वर्जित है। इसके अलावा स्कूल पक्ष ने यह गंभीर चिंता भी जताई कि प्रस्तावित इलेक्ट्रिक शवदाह गृह स्कूल के मुख्य गेट से महज 200 मीटर के दायरे के अंदर बनाया जा रहा है।

स्कूल के इतने करीब शवदाह गृह बनने से वहां पढ़ने वाले बच्चों के स्वास्थ्य और स्कूल के पर्यावरण पर बेहद प्रतिकूल और हानिकारक प्रभाव पड़ेगा। दूसरी ओर नगर निगम की तरफ से पेश अधिवक्ता विभू राय ने स्कूल की इन सभी दलीलों का कड़ा विरोध किया। नगर निगम की तरफ से दलील दी गई कि यह एक निजी भूमि है जिसे इलेक्ट्रिक शवदाह गृह के निर्माण के लिए ही दान में दिया गया है ताकि इलाके में खुले में शवों को जलाने की प्रक्रिया को रोका जा सके। नगर निगम ने दावा किया कि वर्तमान में भी स्थानीय निवासियों द्वारा इस जमीन का उपयोग पारंपरिक शमशान घाट के रूप में किया जा रहा है। वहां खुले में शव जलाए जा रहे है। खुले में शवों का जलना पर्यावरण और स्कूल के बच्चों की सेहत के लिए ज्यादा खतरनाक है। जस्टिस अजीत कुमार और जस्टिस गरिमा प्रसाद की डिविजन बेंच में इस याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने आदेश दिया कि निरीक्षण रिपोर्ट सामने आने तक प्रस्तावित स्थल पर इलेक्ट्रिक शवदाह गृह से जुड़ा कोई भी निर्माण कार्य अगले आदेश तक नहीं किया जाएगा। मामले में अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी।

बांकीपुर सीट पर भाजपा का नया चेहरा एक्शन में सीएम सम्राट और डिप्टी सीएम से मिले नीरज सिन्हा

पटना, 11 जुलाई (एजेंसियां)। बांकीपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी बनाए गए नीरज कुमार सिन्हा नामांकन से पहले एक्शन मोड में हैं। शनिवार सुबह उन्होंने लोकसेवक आवास में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी के पास भी गए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के साथ वे दोनों जगह गए। भाजपा प्रत्याशी से भेंट की तस्वीर सीएम ने अपने एक्स हैंडल पर साझा की है। सीएम ने उन्हें उपचुनाव में ऐतिहासिक विजय की हार्दिक शुभकामनाएं एवं अग्रिम बधाई दी। भाजपा के मंडल अध्यक्ष नीरज कुमार सिन्हा अचानक शुक्रवार को सुर्खियों में आ गए। बांकीपुर उपचुनाव के लिए अभिषेक बंटी की जगह उम्मीदवार बनाए गए नीरज पूर्व में मंडल महामंत्री एवं भाजयुमो के जिला उपाध्यक्ष रहे हैं। उनका परिवार जनसंघ काल से ही भाजपा से जुड़ा है। नीरज के चाचा नरेंद्र भारी के नाम पर एक मंडल है। 2006 में नीरज ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। अचानक उम्मीदवार बदले जाने पर सियासत भी तेज हो गई है।

बांकीपुर से प्रत्याशी और जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने भाजपा पर तीखा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि पहले भाजपा के डर से लोग भागते थे, अब भाजपा ही भाग रही है। राजद ने भी इसे चुनाव से पहले ही हार मान लेने का संकेत बताते हुए कहा है कि रेखा गुप्ता के प्रति जनसमर्थन देखकर ही एक कार्यकर्ता की बलि चढ़ा दी गई।

तेज प्रताप यादव ने वृंदावन से की भविष्यवाणी

बिहार में बहुत जल्दी सरकार गिरने वाली है

पटना, 11 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में इन दिनों बांकीपुर उपचुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। लेकिन इस बीच जनशक्ति जनता दल के सुप्रीमो तेज प्रताप यादव ने मौजूदा बिहार सरकार को लेकर भविष्यवाणी कर दी है, जिसके बाद से चर्चा तेज हो गई है। पटना में एनडीए की बैठक हुई थी। इसमें सीएम सम्राट चौधरी, नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव, ललन सिंह, गिरिराज सिंह समेत एनडीए के कई नेता मौजूद रहे। तेज प्रताप यादव ने एनडीए की इस बैठक के बाद ही सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट शेयर कर बिहार में सरकार गिरने की भविष्यवाणी की।

तेज प्रताप यादव ने एक्स पर लिखा, 'बिहार में बहुत जल्दी सरकार गिरने वाली है। ये मैंने आपको कहा था, भविष्यवाणी किया था। मैं वृंदावन में हूं। बहुत जल्दी बिहार में जो सरकार है, बदल जाएगी'। तेज प्रताप यादव ने इस पोस्ट के जरिए यह दावा किया कि सम्राट चौधरी की नेतृत्व वाली सरकार में एनडीए के घटक दलों के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। लेकिन एनडीए के किसी भी नेता की ओर से इस मुद्दे पर टिप्पणी सामने नहीं आई है। ऐसे में तेज प्रताप यादव की इस भविष्यवाणी को लेकर

राजनीतिक गलियारों में चर्चा का दौर शुरू हो गया है। इधर, एनडीए की बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि बिहार के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण के लिए संगठन और सरकार के समन्वय को एनडीए और मजबूत करेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एनडीए के नेताओं और जिलाध्यक्षों के साथ नियमित संवाद और बैठक की परंपरा स्थापित कर बिहार में गठबंधन को मजबूत आधार प्रदान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विकसित बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्ध बिहार का जो संकल्प लिया है, उसे पूरा करने के लिए हमलोग पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं।

सिंधी समाज से दान में मिली 200 किलो चांदी की ईंटें कहां है

राम मंदिर ट्रस्ट ने दिया पूरा हिसाब

अयोध्या, 11 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर ट्रस्ट का सबसे ज्यादा जोर इस वक्त ट्रस्ट की उन कमियों को दूर करने पर है, जिनके कारण करोड़ों रामभक्तों का भरोसा टूटा, चढ़ावे में चोरी हुई। वहीं, आज राम मंदिर ट्रस्ट ने सिंधी समाज को चांदी की 200 ईंटों का रिकॉर्ड सबूतों के साथ भेज दिया। असल में विश्व सिंधी सेवा संगम के इंटरनेशनल प्रेसिडेंट राजू मनवानी ने समाज के दूसरे मेंबर्स के साथ, 200 किलोग्राम चांदी की ईंटें, रामलला को अर्पित कीं थी। 200 किलो चांदी की ईंटें 26 जनवरी 2021 को चंपत राय को सौंपी गई थीं लेकिन चढ़ावा में चोरी की खबरों के बाद राजू मनवानी ने चांदी की ईंटों को लेकर भी आशंकाएं जताई थी।

आज राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविन्द देव गिरि ने सिंधी सेवा संगम के साथ चांदी की इन ईंटों की पूरी डिटेल्स शेयर की है। गोविन्द देव गिरि ने बताया कि चांदी की सारी ईंटे सुरक्षित हैं। चढ़ावे के रजिस्टर में 96 नंबर की एंट्री है, उसमें चांदी की ईंटों का पूरा ब्यौरा दर्ज हैं। एक एक किलो चांदी की दो सौ ईंटों को अगस्त 2024 में मिंट कॉरपोरेशन की हैदराबाद ब्रांच को भेजा गया था।

वहां पर इनको गलाकर 20-20 किलो की चांदी की शुद्ध ईंटों में ढाला गया और अब ये अयोध्या में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ब्रांच के लॉकर में सुरक्षित रखी हैं। ट्रस्ट की चिट्ठी मिलने के बाद राजू मनवानी ने राम मंदिर ट्रस्ट को धन्यवाद दिया और कहा कि सिंधी समाज की दान की हुई चांदी बिल्कुल सुरक्षित है। वो एक बार फिर से रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या जाएंगे। बता दें कि 26 जनवरी 2021 को विश्व सिंधी सेवा संगम ने राम मंदिर निर्माण के लिए 200 किलो चांदी दान की थी। पिछले दिनों संस्था की ओर से आरोप लगाया गया था कि दानदाताओं को न तो उनके योगदान की कोई रसीद मिली थी और न ही उन्हें यह बताया गया कि चांदी का उपयोग कहां और कैसे किया गया।

इसके बाद आज ट्रस्ट ने सिंधी समाज के सदस्यों को आश्वस्त किया है कि उनकी ओर से दी गईं चांदी की ईंटें सुरक्षित हैं और इन्हें बैंक के लॉकर में रखा गया है। ट्रस्ट ने कहा कि चांदी की सभी 200 ईंटें बहुमूल्य धातुओं के रजिस्टर में ठीक से दर्ज हैं।

तेज रफ्तार बनी काल दिल्ली से जिम कॉर्बेट जा रहे 4 युवकों की मौत, रामपुर में टैंकर से टकराई कार

रामपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। टांडा-दढ़ियाल मार्ग पर शनिवार सुबह पांच बजे ईको कार खड़े टैंकर में पीछे से घुस गई। हादसे में कार सवार चार युवकों की मौत हो गई जबकि, तीन गंभीर रूप से घायल हैं। दिल्ली स्थित इंडियन शाप कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों को कंपनी की ओर से रामनगर के जिम कार्बेट पार्क घूमने के लिए ट्रिप दी गई थी। दो कारों में सवार होकर कुल 12 कर्मचारी शुक्रवार रात करीब दस बजे दिल्ली से रामनगर के लिए रवाना हुए थे। एक कार आगे चल रही थी।

जिसमें पांच लोग सवार थे जबकि, पीछे चल रही ईको में सात कर्मचारी सवार थे। टांडा-दढ़ियाल मार्ग पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने सड़क किनारे खड़े एक कैंटर में कार पीछे से तेज रफ्तार में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी लोग बुरी तरह फंस गए। घंटो के प्रयास के बाद पुलिस ने उन्हें बाहर निकाला और सीएचसी भेजा।

एससी-एसटी और ओबीसी समाज से बने केजीएमयू का कुलपति

पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य की सरकार से मांग

लखनऊ, 11 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में एससी, एसटी व ओबीसी समाज के व्यक्ति को कुलपति बनाए जाने की मांग केंद्र और राज्य सरकार से की है। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद ने कहा है कि केजीएयू के इतिहास में भी तक एससी-एसटी व ओबीसी समाज से कोई भी कुलपति न बनाया जाना बहुत ही चिंताजनक है। पूर्व मंत्री ने कहा है कि किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ उत्तर प्रदेश देश का एक सुविख्यात व सुप्रसिद्ध मेडिकल संस्थान है।

केजीएमयू के 124 वर्षों के इतिहास में अभी तक एससी-एसटी और ओबीसी समाज से कोई भी कुलपति न बनाया जाना बहुत ही चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास का नारा देने वाली प्रदेश व केंद्र की सरकार से एससी-एसटी व ओबीसी माज से केजीएमयू में कुलपति बनाये जाने की उम्मीद बढी है। उन्होंने कहा कि कई जनप्रतिनिधियों ने एससी-

एसटी व ओबीसी अल्पसंख्यक समाज से कुलपति बनाये जाने की मांग भी की है, किंतु सर्च कमेटी में एससी-एसटी और ओबीसी और अल्पसंख्यक समाज का प्रतिनिधित्व न होने के कारण कुलपति बनाये जाने की सूची से ही वंचित कर दिया जाता है। फलस्वरुप इन वर्गों से आने वाली प्रतिभाओं की निरंतर उपेक्षा की जाती है और कुलपति जैसे महत्वपूर्ण पद से वंचित किया जाता रहता है। उन्होंने कहा कि अवगत हुआ हूं कि पैनल में जो नाम भेजा गया है, उसमें वर्तमान कुलपति का नाम ही पुनः शामिल किया गया है। जिन्होंने आरएमएल। चिकित्सा संस्थान एवं केजीएमयू लखनऊ में कुलपति पद का दुरुपयोग करते हुए न केवल आरक्षण नियमावली की धज्जियां उड़ाई है, बल्कि केजीएमयू एक्ट की अनदेखी करते हुए नियम विरुद्ध पैरामेडिकल डीन नर्सिंग, और समितियां भी बनाई है।

पैनल में एक और भी प्रोफेसर का नाम आया जो पहले भी लगातार कुलपति व निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पद पर रह चुके हैं। ऐसा प्रतीत होता है कुछ वर्ग विशेष के लोगों केवल कुलपति व निर्देशक बनने के लिए ही पैदा हुए हैं ऐसे में नई प्रतिभाओं की हत्या कब तक होती रहेगी? उन्होंने कहा कि यह भी अवगत कराना है कि विधानमंडल उत्तर प्रदेश से केजीएमयू कार्य परिषद में एससी-एसटी व ओबीसी समाज से 1-1 यानी दो सदस्यों को रखे जाने का कानून पास होने के बावजूद अभी तक केजीएमयू कार्य परिषद में सदस्यों को नामित न किया जाना केजीएमयू प्रशासन की नियत पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है।

3 महीने के नवजात के पेट में था 8 हफ्ते का भ्रूण, डॉक्टरों ने जैसे ही निकाला बाल और हड्डियां देख उड़े सबके होश

बरेली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जनपद स्थित रामपुर गार्डन के एक निजी अस्पताल में डॉक्टरों ने एक ऐसा अत्यंत दुर्लभ ऑपरेशन किया है, जिसने हर किसी को हैरत में डाल दिया है। शाहजहांपुर जिले के कलान क्षेत्र के रहने वाले एक किसान दंपति के 3 महीने के मासूम बेटे के पेट से डॉक्टरों ने करीब 8 सप्ताह का विकसित भ्रूण सफलतापूर्वक बाहर निकाला है। चिकित्सा विज्ञान की भाषा में इस बेहद दुर्लभ जन्मजात स्थिति को फीटस इन फीटू कहा जाता है। डॉक्टरों के मुताबिक, बरेली में यह अपनी तरह का दूसरा मामला है और दुनिया भर में भी इसके बहुत ही गिने-चुने मामले दर्ज हैं। दरअसल, बच्चे के जन्म के कुछ समय बाद से ही उसे दूध पचाने में भारी दिक्कत होने लगी थी। वह लगातार उल्टी कर देता था।

धीरे-धीरे उसका पेट असामान्य रूप से फूलने लगा और छूने पर पेट के भीतर एक बड़ी गांठ महसूस होने लगी। परेशान माता-पिता बच्चे को जांच के लिए एक निजी मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जब बच्चे का अल्ट्रासाउंड और अन्य जरूरी टेस्ट किए, तो रिपोर्ट देखकर सब चौंक गए। बच्चे के लिवर के ठीक नीचे एक असामान्य मानव संरचना विकसित हो रही थी, जिसमें बारीक बाल, हड्डियां और अंगुलियों जैसे अंग साफ चूंकि मामला बेहद पेचीदा था, इसलिए शुरुआत में मेडिकल कॉलेज में इस संवेदनशील ऑपरेशन को करने से मना कर दिया गया था। इसके बाद बेबस परिवार बच्चे को लेकर रामपुर गार्डन के प्रसिद्ध पीडियाट्रिक सर्जन डॉ। राजीव अग्रवाल के पास पहुंचा। डॉ। अग्रवाल ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चुनौती स्वीकार की और ऑपरेशन का फैसला लियाः डॉ। राजीव अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने करीब 13 वर्ष पहले भी बरेली में ऐसा ही एक दुर्लभ ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया था।

उसी पुराने अनुभव के आधार पर पूरी मेडिकल टीम ने बेहद सावधानी से काम किया। करीब दो घंटे तक चले इस बेहद जटिल ऑपरेशन के बाद बच्चे के पेट से लगभग 60 ग्राम वजन का भ्रूण सुरक्षित बाहर निकाला गया। डॉक्टरों के अनुसार, यह भ्रूण एक बड़ी सिस्ट (थैली) के अंदर बंद था, जिसमें करीब 200 मिलीलीटर लिक्विड (द्रव्य) भरा हुआ था। सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि इस अंदरूनी भ्रूण को रक्त की आपूर्ति बच्चे के अपने लिवर से हो रही थी और वह लिवर, किडनी तथा आंतों से बुरी तरह चिपका हुआ था। जरा सी चूक बच्चे के अंगों को भारी नुकसान पहुंचा सकती थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 12 जुलाई, 2026 5

सुविचार: उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।

मतदाता ऑनलाइन भी जमा कर सकेंगे फॉर्म

बीएलओ का इंतजार करना जरूरी नहीं

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) अभियान के दौरान पात्र मतदाता अब बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) से फॉर्म मिलने का इंतजार किए बिना भी अपना गणना प्रपत्र ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए यह व्यवस्था शुरू की है। आयोग के अनुसार, मतदाता अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर या ईपीआईसी नंबर के माध्यम से आधिकारिक पोर्टल पर लॉग इन कर ओटीपी से सत्यापन कर सकते हैं। इसके बाद "गणना प्रपत्र भरें" विकल्प चुनकर आवश्यक जानकारी भरनी होगी। सभी विवरण सही दर्ज करने के बाद ई-हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी करनी होगी और ओटीपी सत्यापन के बाद फॉर्म सफलतापूर्वक जमा हो जाएगा। यह सुविधा उन मतदाताओं के लिए उपलब्ध है, जिनका नाम मतदाता सूची और आधार कार्ड में एक समान दर्ज है तथा जिनका मोबाइल नंबर पंजीकृत है। चुनाव आयोग ने ऐसे सभी मतदाताओं से ऑनलाइन सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

वर चाहिए

26 वर्षीय सुंदर अग्रवाल कन्या, 5'4", MBA हेतु हैदराबाद/अन्य के व्यापारी मारवाड़ी परिवार के सुयोग्य वर की तलाश है। संपर्क : (080-69070605)

वधू चाहिए

हैदराबाद के नामी व्यापारी अग्रवाल परिवार को अपने 30 वर्षीय, व्यवसाई पुत्र के लिए अच्छे परिवार की सुंदर लड़की चाहिए। संपर्क: (080-69070605)

वर चाहिए

हैदराबाद की पंजाबी तलाकशुदा लड़की 1995, 5'3", BA, संतानहीन के लिए वर चाहिए! अच्छे परिवार के लिए जाति बंधन नहीं। संपर्क: (080-69129299)

वर चाहिए

1994 जन्मी ब्राह्मण परिवार की उच्च शिक्षित लड़की के लिए हैदराबाद निवासी सुयोग्य व्यापारी/प्रोफेशनल वर चाहिए, शीघ्र विवाह हेतु संपर्क: (080-69129299) M

CLASSIFIEDS

VILLA FOR SALE

BUNGALOW FOR SALE Ideal for all Professionals Doctors, Lawyers, Consultants etc. Basheer Bagh Brand New 5BHK Super Deluxe Independent Bungalow for SALE 240 Sq.Yd., 4100 SFt. G+2 Vikas: 9963678977

CHANGE OF NAME

I, JC 776432P, Sub, Abraham, R/o, Dist: Kodagu, Karnataka, changed my Mother's name from Kunjmole to Kunhamol vide Affidavit No. 467596 dt. 10.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 776432P, Sub, Abraham, R/o, Dist: Kodagu, Karnataka, changed my Son's name from Prince Abraham to Prince Abraham P , vide Affidavit No. 467598, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

कांग्रेस सरकार कल्याण और विकास के लिए प्रतिबद्ध है : मंत्री उत्तम

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार मुफ्त उत्तम चावल वितरण और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा जैसी प्रमुख योजनाओं को लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से परिवर्तनकारी सामाजिक नीतियों के रूप में देखती है। कोदाड और हुजूरनगर में विकास कार्यक्रमों के दौरान, परिवहन और बीएससी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर और कोडाड विधायक एन पद्मावती रेड्डी के साथ, मंत्रियों ने कोडाड में एक नए आरटीसी बस डिपो और हुजूरनगर बस स्टेशन के आधुनिकीकरण के लिए 21 करोड़ रुपये की संयुक्त लागत से आधारशिला रखी। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि सरकार सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास में भारी निवेश करते हुए कल्याण और अवसंरचना दोनों क्षेत्रों पर एक साथ काम कर रही

है। प्रमुख पहलों में शामिल हैं : रेडलाकुंटा, आर-9 और शांतिनगर में लिफ्ट सिंचाई परियोजनाएं, नागार्जुन सागर जलक्षेत्र में नहरों का आधुनिकीकरण, 200 करोड़ रुपये की लागत से यंग इंडिया आवासीय विद्यालय और युवाओं के लिए एक उन्नत कौशल विकास केंद्र।

उन्होंने सड़कों, जल निकासी, पेयजल, स्वच्छता और शहरी बुनियादी ढांचे में निवेश के माध्यम से कोडाड को एक आधुनिक नगरपालिका में बदलने की योजनाओं की भी घोषणा की। हुजूरनगर को भारत के प्रमुख सीमेंट निर्माण केंद्रों में से एक बताते हुए मंत्री ने कहा कि औद्योगिक विकास से रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं और उन्होंने इस बात को दोहराया कि सरकार राजनीतिक भेदभाव के बिना विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में बोलते हुए पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि महिलाओं के लिए महालक्ष्मी मुफ्त बस यात्रा योजना के तहत 327 करोड़ मुफ्त यात्राएं संभव हो पाई हैं, जिससे लगभग 11,000 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने आरटीसी कर्मचारियों से संबंधित कई लंबित मुद्दों का भी समाधान किया है।

चाकू दिखाकर अपार्टमेंट में लूटपाट

दो फ्लैटों से सोने-चांदी के गहने चोरी

निर्मल, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल कस्बे के दिव्यनगर स्थित एक अपार्टमेंट में शुक्रवार रात अज्ञात बदमाशों ने चाकू दिखाकर दो फ्लैटों के निवासियों से सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

पुलिस के अनुसार, थानवी अपार्टमेंट में रात करीब एक बजे बदमाशों ने दो फ्लैटों में घुसकर वहां मौजूद लोगों को चाकू दिखाकर डराया और करीब दो तोला सोने तथा 20 तोला चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अपार्टमेंट और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके।

महेश कुमार गौड़ ने 'मिराई' प्रशिक्षण शिविर का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष बोम्मा महेश कुमार गौड़ ने शनिवार को गांधी भवन में जवाहर बाल मंच के दो दिवसीय राष्ट्रीय 'मिराई' प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण शिविर जवाहर बाल मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी.वी. हरि की अध्यक्षता में आयोजित किया जा रहा है।

शिविर का आयोजन तेलंगाना जवाहर बाल मंच के अध्यक्ष अधिवक्ता मामिडी ऋषिकेश रेड्डी के नेतृत्व में किया गया है। इस अवसर पर महेश कुमार गौड़ ने कहा कि जवाहर बाल मंच की गतिविधियों को उनका पूरा सहयोग रहेगा।

उन्होंने अगले राष्ट्रीय बाल शिविर के आयोजन के लिए तेलंगाना की ओर से पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस आंदोलन द्वारा स्थापित भारत के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। युवाओं से उन्होंने संविधान के मूल्यों की रक्षा करने, लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाने तथा नेहरू-गांधी विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए फासीवादी शक्तियों का लोकतांत्रिक ढंग से मुकाबला करने का आह्वान किया। दो दिवसीय 'मिराई' प्रशिक्षण शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से जवाहर बाल मंच के राष्ट्रीय समन्वयक और राज्य अध्यक्ष भाग ले रहे हैं। शिविर का उद्देश्य युवा नेतृत्व को सशक्त बनाना, संगठनात्मक क्षमता का विकास करना तथा युवाओं में सामाजिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करना है।

मंत्री विवेक ने माला समुदाय के लिए रोस्टर संशोधन की मांग की

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण, कारखाने, खान और भूविज्ञान मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी ने माला समुदाय के लिए न्याय सुनिश्चित करने और चेवेल्ला घोषणापत्र में उल्लिखित अनुसूचित जाति आरक्षण को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने के कांग्रेस के वादे को लागू करने के लिए रोस्टर बिंदुओं में तत्काल संशोधन की मांग की। खैरताबाद के चिंतल बस्ती में राष्ट्रीय अंबेडकर सेना के अध्यक्ष मन्ने श्रीधर के भूख हड़ताल शिविर में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि हालांकि तेलंगाना सरकार ने तीसरे समूह के तहत माला समुदाय को 5 प्रतिशत आरक्षण आवंटित करके अनुसूचित जाति वर्गीकरण लागू किया है, लेकिन मौजूदा रोस्टर प्रणाली में खामियों के कारण वास्तविक अवसर लगभग 2.8 प्रतिशत तक सीमित हैं। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा मंत्रिमंडल में तीन बार उठाया जा चुका है और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के संज्ञान में भी लाया गया है। मंत्री के अनुसार, सरकार ने इस मामले की जांच कैबिनेट उप-समिति के माध्यम से करने का निर्णय लिया है। विवेक ने आगे कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और एन उत्तम कुमार रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर सहित अन्य वरिष्ठ मंत्रियों से चर्चा की है। उन्होंने आरक्षण के लाभों को पूरी तरह से लागू करवाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और माला समुदाय से संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट रहने का आग्रह किया।

कनेपल्ली पंप हाउस चालू करने की मांग

केटीआर ने सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने शनिवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से कनेपल्ली पंप हाउस को तत्काल चालू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को सिंचाई और लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उनका दावा है कि सेवानिवृत्त इंजीनियरों के संगठन ने भी सरकार को प्रतिदिन दो टीएमसी पानी उठाने की सलाह दी है। प्रेसवार्ता में रामाराव ने कहा कि मेडिगड्डा से बड़ी मात्रा में पानी बह रहा है, लेकिन सरकार उसका उपयोग नहीं कर रही है। उनके अनुसार, यदि कनेपल्ली पंप हाउस चालू किया जाए तो एसआरएसपी, लोअर मनैर और मिड मनैर जैसे जलाशयों को भरा जा सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इंजीनियरिंग डिजाइन के अनुसार मेडिगड्डा के गेट बंद किए बिना भी पानी पंप किया जा सकता है।

केटीआर ने आरोप लगाया कि सरकार राजनीतिक कारणों से कनेपल्ली पंप हाउस शुरू करने से बच रही है। उनका कहना था कि अन्नाराम और सुंडिला बांधों पर मरम्मत का काम पूरा हो चुका है, फिर भी पंप हाउस चालू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से किसानों के हित में निर्णय लेने की अपील की। आगामी विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए केटीआर ने मुख्यमंत्री के उस दावे को भी खारिज किया, जिसमें कांग्रेस के सभी 117 सीटें जीतने की बात कही गई थी। उन्होंने दावा किया कि विभिन्न सर्वेक्षणों में बीआरएस को बढ़त मिल रही है और पार्टी आगामी चुनाव में 78 सीटें जीत सकती है।

बाहर रहने वाले मतदाता भी भर सकेंगे फॉर्म

चुनाव आयोग ने दी विशेष सुविधा

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विदेश में रह रहे या रोजगार के सिलसिले में दूसरे शहर अथवा राज्य में रहने वाले पात्र मतदाता भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में बिना अपने निर्वाचन क्षेत्र पहुंचे भाग ले सकेंगे। चुनाव आयोग ने ऐसे मतदाताओं के लिए गणना प्रपत्र जमा करने की विशेष व्यवस्था की है। चुनाव आयोग के अनुसार, यदि कोई मतदाता विदेश या दूसरे राज्य में है तो उसके परिवार का कोई वयस्क सदस्य उसकी ओर से गणना प्रपत्र भरकर उस पर हस्ताक्षर कर सकता है और इसे बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) के पास जमा कर सकता है। इसके अलावा, जो मतदाता या उनका पूरा परिवार घर-घर सर्वे के दौरान अपने निवास स्थान से बाहर है, वे चुनाव आयोग के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भी गणना प्रपत्र जमा कर सकते हैं। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बाहर रहने वाले पात्र मतदाता भी विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में आसानी से शामिल हो सकें।

नगरपालिका बिलों के लिए 'बिल वन' सेवा शुरू

एक ही भुगतान में जमा होंगे कई शुल्क

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन विभाग ने नागरिकों की सुविधा के लिए 'बिल वन' सेवा शुरू की है। इस नई व्यवस्था के तहत अब संपत्ति कर, जल शुल्क और व्यापार लाइसेंस शुल्क जैसे विभिन्न नगरपालिका भुगतान एक ही मंच और एक ही लेनदेन के माध्यम से किए जा सकेंगे। नगर प्रशासन विभाग की सचिव एवं नगर प्रशासन आयुक्त टी.के. श्रीदेवी ने सेवा का शुभारंभ करते हुए बताया कि पीटीआईएन नंबर से जुड़े सभी नगरपालिका शुल्कों के लिए एक ही समेकित मांग नोटिस जारी किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति के नाम एक से अधिक संपत्तियां हैं, तो सभी का विवरण एक ही नोटिस में शामिल होगा। इससे अलग-अलग मांग नोटिस जारी करने की आवश्यकता भी कम होगी।

नई व्यवस्था के तहत करदाता अपनी सुविधा के अनुसार पूरा भुगतान एक साथ या किस्तों में भी कर सकेंगे। यह सेवा नगर निगम के वार्ड अधिकारियों और बिल संग्राहकों के हैंडहेल्ड उपकरणों के साथ-साथ आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर भी उपलब्ध रहेगी। विभाग ने नागरिकों से इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की है।

कल से निकलेगी 'सिंगरेणी भरोसा यात्रा'

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश उपाध्यक्ष रघुनाथ राव ने कहा कि केंद्र सरकार ने सिंगरेणी को बिना नीलामी के प्रत्यक्ष आवंटन के आधार पर ताडिचेरला-2 कोयला ब्लॉक देकर उसके भविष्य को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने दावा किया कि इस ब्लॉक से सिंगरेणी को दीर्घकाल में बड़ा राजस्व प्राप्त होगा और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए रघुनाथ राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राज्यों के विकास के लिए लगातार निर्णय ले रहे हैं। इसी क्रम में तेलंगाना की प्रगति को देखते हुए ताडिचेरला-2 कोयला ब्लॉक सिंगरेणी को आवंटित किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पर सिंगरेणी का लगभग 54 हजार करोड़ रुपये का बकाया है। समय पर भुगतान नहीं होने के कारण सिंगरेणी वित्तीय संकट का सामना कर रही है, जिससे नए उपकरणों की खरीद, आधुनिक तकनीक में निवेश तथा कर्मचारियों के लिए बुनियादी सुविधाओं के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। रघुनाथ राव ने कहा कि केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के प्रयासों से ओडिशा के नैनी कोयला ब्लॉक में भी सिंगरेणी ने कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने बताया कि ताडिचेरला-2 कोयला ब्लॉक में लगभग 18.2 करोड़ टन कोयला भंडार है तथा यहां से प्रतिवर्ष लगभग 60 लाख टन कोयले का उत्पादन किया जा सकेगा। उनके अनुसार इससे सिंगरेणी को लगभग 64 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होने की संभावना है और करीब 1,200 लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही प्रत्यक्ष आवंटन के कारण नीलामी प्रीमियम के रूप में लगभग 200 करोड़ रुपये की बचत भी होगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से राज्य सरकार को रॉयल्टी के रूप में अतिरिक्त आय होगी तथा सिंगरेणी में राज्य सरकार की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी होने के कारण राज्य के राजकोष को भी लाभ मिलेगा। रघुनाथ राव ने बताया कि ताडिचेरला-2 कोयला ब्लॉक के आवंटन के बाद सिंगरेनी कर्मचारियों और उनके परिवारों में विश्वास पैदा करने के उद्देश्य से 13 और 14 जुलाई को दो दिवसीय 'सिंगरेणी भरोसा यात्रा' निकाली जाएगी। यात्रा का शुभारंभ हैदराबाद से होगा। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी सबसे पहले कोठागुडेम स्थित सिंगरेणी कॉर्पोरेट मुख्यालय पहुंचकर कर्मचारियों से संवाद करेंगे। इसके बाद यात्रा मनुगुरु, भूपालपल्ली, ताडिचेरला, गोदावरीखनी, श्रीरामपुर और मंदमर्री-चेन्नूर क्षेत्र से होकर गुजरेगी। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान चार जिलों का दौरा किया जाएगा, तीन स्थानों पर जनसभाएं आयोजित होंगी तथा पांच कोयला खदानों में श्रमिकों के साथ संवाद कार्यक्रम होंगे। इस यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, विधानसभा में पार्टी के नेता ए. महेश्वर रेड्डी, विधान परिषद में दल के नेता ए.वी.एन. रेड्डी सहित पार्टी के सांसद, विधायक, विधान पार्षद और अन्य वरिष्ठ नेता भाग लेंगे।

संगारेड्डी से चुनाव नहीं लड़ूंगा, मेरा भविष्य पार्टी तय करेगी : जग्गा रेड्डी

जनप्रतिनिधियों के कामकाज का मूल्यांकन आवश्यक

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक जग्गा रेड्डी ने शनिवार को घोषणा की कि वह अगले विधानसभा चुनाव में संगारेड्डी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि उन्हें किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ाना होगा तो इसका निर्णय पार्टी नेतृत्व करेगा। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव में 117 सीटें जीतने के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए जग्गा रेड्डी ने कहा कि पार्टी को पहले से मजबूत करना एक बेहतर राजनीतिक रणनीति है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों का चयन कांग्रेस को दोबारा सत्ता में लाने के उद्देश्य से किया जाएगा और इस संबंध में अंतिम निर्णय कांग्रेस नेतृत्व तथा अखिल भारतीय कांग्रेस समिति संयुक्त रूप से करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा खुफिया रिपोर्टों के आधार पर विधायकों और मंत्रियों के प्रदर्शन की समीक्षा किए जाने का समर्थन करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों के कामकाज का मूल्यांकन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिन विधायकों को दोबारा पार्टी का उम्मीदवार बनना है, उन्हें समीक्षा में मिली टिप्पणियों के आधार पर अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहिए। जग्गा रेड्डी ने विपक्षी दलों द्वारा जारी विभिन्न सर्वेक्षणों को भी खारिज करते हुए आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति और भारतीय जनता पार्टी दोनों अपने-अपने पक्ष में परिणाम दिखा रही हैं। उन्होंने कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों को आत्मसंतुष्टि से बचने की सलाह देते हुए कहा कि किसी भी नेता को स्वयं को अजेय नहीं समझना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि पार्टी टिकट देने का अंतिम अधिकार मुख्यमंत्री तथा प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के पास है।

मेधा बोगी कारखाने में रेल मंत्री ने इंजीनियरों और निर्माण दल से की बातचीत

हैदराबद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के साथ हैदराबाद स्थित मेधा बोगी कारखाने का दौरा कर इंजीनियरों और निर्माण कार्य से जुड़े दलों के साथ विस्तृत बातचीत की। दौरे के दौरान रेल मंत्री ने रेलवे डिब्बों और विभिन्न पुर्जों के निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने उत्पादन प्रक्रिया, तकनीकी क्षमताओं, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा उन्नत विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी प्राप्त की। अश्विनी वैष्णव ने कर्मचारियों की दैनिक कार्यप्रणाली, उनके प्रशिक्षण एवं सीखने के अनुभव तथा कारखाने में आधुनिक विनिर्माण तकनीकों के उपयोग के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने इंजीनियरों और निर्माण दल की लगन, तकनीकी दक्षता तथा कार्य के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती रेल विनिर्माण क्षमता के पीछे कुशल मानव संसाधन सबसे महत्वपूर्ण आधार है। रेल मंत्री ने कारखाने के विनिर्माण ढांचे का भी अवलोकन किया और गुणवत्ता मानकों, उत्पादन प्रणाली तथा उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की समीक्षा की।

आईएसबी के डीन का कार्यकाल बढ़ा

प्रोफेसर मदन पिल्लुतला फिर नियुक्त

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) के कार्यकारी बोर्ड ने प्रोफेसर मदन पिल्लतला को डीन के रूप में दूसरा पांच वर्षीय कार्यकाल देने की घोषणा की है। बोर्ड ने उनके पहले कार्यकाल के दौरान संस्थान की शैक्षणिक, शोध और वैश्विक पहचान को मजबूत बनाने में दिए गए योगदान को देखते हुए यह निर्णय लिया। अपने पहले कार्यकाल में प्रोफेसर पिल्लतला के नेतृत्व में युवा नेताओं के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी वाईएल), उद्यमियों के लिए आवासीय कार्यक्रम 'आई-वेंचर इमर्सिव' तथा शोध को व्यावहारिक उपयोग से जोड़ने वाला डिजिटल मंच 'आईएसबी डिस्कवर' शुरू किया गया। इसके अलावा उन्होंने आईएसबी के प्रमुख प्रबंधन पाठ्यक्रम में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए। उनके नेतृत्व में आईएसबी ने वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई। संस्थान के प्रमुख प्रबंधन कार्यक्रम को फाइनेंशियल टाइम्स ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2026 में दुनिया में 12वां स्थान मिला, जबकि लिंक्डइन टॉप एमबीए प्रोग्राम्स 2025 में आईएसबी को पांचवां स्थान प्राप्त हुआ।

युवा इंजीनियर ने दान किए छह लाख रुपये

गरीबों की मदद के लिए हरीश राव को दिया राशि

सिद्दिपेट, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट के एक युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने समाज सेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए पूर्व मंत्री टी. हरीश राव को छह लाख रुपये दान किए हैं। उन्होंने यह राशि गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए उपयोग करने का अनुरोध किया। रोहित नामक युवक ने चार वर्ष पहले इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश के लिए हरीश राव से मदद मांगी थी। उनकी सहायता से उसे हैदराबाद के एक प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला मिला। पढ़ाई पूरी करने के बाद रोहित को एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में 12 लाख रुपये के वार्षिक वेतन पर नौकरी मिली।

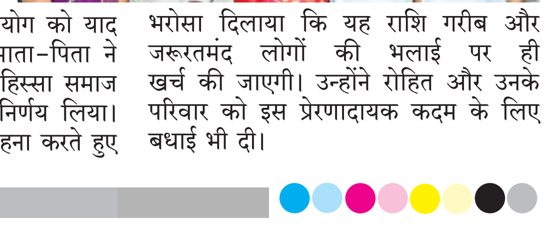

अपनी सफलता में मिले सहयोग को याद रखते हुए रोहित और उनके माता-पिता ने पहले वर्ष के वेतन का आधा हिस्सा समाज सेवा के लिए दान करने का निर्णय लिया। हरीश राव ने इस पहल की सराहना करते हुए भरोसा दिलाया कि यह राशि गरीब और जरूरतमंद लोगों की भलाई पर ही खर्च की जाएगी। उन्होंने रोहित और उनके परिवार को इस प्रेरणादायक कदम के लिए बधाई भी दी।

भारत-इजरायल दोस्ती से सीखे जापान

टोक्यो को जापानी एक्सपर्ट की सलाह पाकिस्तान के दोस्त की जमकर तारीफ

टोक्यो/अंकारा, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इजरायल की दोस्ती लगातार मजबूत हो रही है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में इसकी तुलना अमेरिका-इजरायल की दोस्ती से कर डाली। जेडी वेंस की टिप्पणी का करारा जवाब देते हुए यह कह दिया कि इजरायल का दोस्त केवल अमेरिका ही नहीं है। इसके बाद उन्होंने भारत का नाम लिया और कहा कि 1.4 अरब की आबादी वाले देश में इजरायल के लिए जबरदस्त समर्थन है। इससे पता चलता है कि इजरायल भारत को कितना महत्व देता है। भारत-इजरायल की इसी दोस्ती को देखते हुए जापानी एक्सपर्ट ने टोक्यो को नए गठबंधन बनाने की सलाह दी है।

हडसन इंस्टीट्यूट में सीनियर फेलो केन मोरियासु ने तुर्किए टाइम्स में एक लेख में इजरायल का हवाला देते हुए बताया है कि

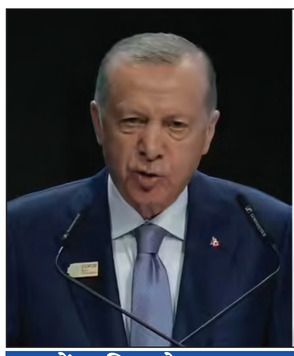
बेंजामिन नेतन्याहू

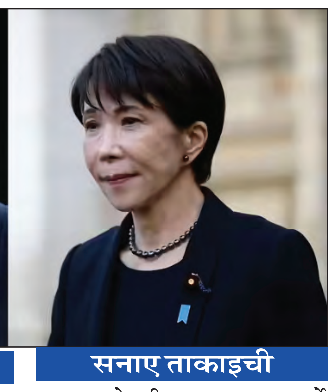
सनाए ताकाइची

एशिया में अमेरिका के सहयोगियों- जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस और थाईलैंड- के लिए भी इसी तरह सोचना समझदारी होगी।

मोरियासु ने अपने लेख में तुर्की में जापान के लिए भविष्य का अच्छा साझेदार बनने की संभावना जताई है। उन्होंने लेख में कहा, एशिया के दो छोरों पर स्थित ये दोनों देश एक-दूसरे की पूरक मध्यम दर्जे की शक्तियां हैं। इनके रणनीतिक हित अलग-अलग होते हुए भी एक-दूसरे से मिलते हैं।

उन्होंने हाल के दिनों में इजरायल के लिए अमेरिका से आए बयानों को जापान और दूसरे अमेरिकी सहयोगियों के लिए अल्टीमेटम बताया। उन्होंने जेडी वेंस की उस टिप्पणी का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने अमेरिका-ईरान समझौते का समर्थन करने के लिए इजरायली कैबिनेट के सदस्यों पर तीखा हमला बोला था। वेंस ने कहा था कि इजरायल को समझना होगा कि अमेरिका ही उसका 'एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी' बचा है।

मोरियासु ने कहा कि अमेरिका अगर अपने सबसे करीबी इजरायल के साथ ऐसा व्यवहार कर सकता है तो वेंस के संभावित राष्ट्रपति काल में कोई भी सहयोगी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने पीटर जेहान की 2020 की किताब डिसयूनाइटेड नेशंस का जिक्र किया, जिसमें कहा गया है कि अमेरिकियों ने गठबंधन के बारे में अपना मन बदल लिया है और वे काफी हद तक अपनी ही दुनिया में समिटने लगे हैं। इसने जापान को असहज स्थिति में ला दिया है।

पुलिस ने गैंगस्टर प्रिंस खान के गुर्गे दबोचे

व्यवसायी से 2 करोड़ की रंगदारी मांगने वाले 2 आरोपी बिहार से गिरफ्तार

चतरा, 11 जुलाई (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने संगठित अपराध और रंगदारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। दुबई से सक्रिय भगोड़े गैंगस्टर प्रिंस खान के गिरोह के दो मुख्य सहयोगियों को बिहार के भोजपुर जिले से गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी एक पत्थर व्यवसायी और लोजपा (आर) नेता से दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगने के मामले में हुई है। छह महीने पहले, हंटरगंज के पिण्डरा निवासी प्रेमचंद सिंह को प्रिंस खान ने व्हाट्सएप पर मैसेज भेजकर 2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। रंगदारी न देने पर उसने प्रेमचंद सिंह को जान से मारने और परिवार को खत्म करने की धमकी दी थी। गैंगस्टर ने यह भी कहा था कि फिरौती न मिलने पर वह उनके पोते का मुंह भी नहीं देखने देगा। इस मामले में हंटरगंज थाने में त्वरित प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

वेनेजुएला भूकंप में अब तक 4,118 की मौत

हजारों लोग अब भी लापता

काराकास, 11 जुलाई (एजेंसियां)। वेनेजुएला में 24 जून को आए दो शक्तिशाली भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,118 हो गई है। सरकार ने शुक्रवार को बताया कि 16,740 लोग घायल हुए हैं, जबकि हजारों लोग अब भी लापता हैं। लगातार 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंपों ने तटीय राज्य ला गुआइरा में भारी तबाही मचाई। कई बहुमंजिला इमारतें पूरी तरह ढह गईं और पूरे इलाके मलबे में बदल गए।

सरकारी रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म हो चुका है, लेकिन कई परिवार अब भी अपने लापता रिश्तेदारों की तलाश में मलबा खंगाल रहे हैं।

इस बीच, संयुक्त राष्ट्र ने राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए करीब 300 मिलियन डॉलर की आपात मदद की अपील की है। वहीं, वेनेजुएला सरकार ने विदेशों में फ्रीज की गई अपनी संपत्तियां राहत कार्यों के लिए जारी करने की मांग की है।

बहामास के नॉर्थ एंड्रोस इलाके में शुक्रवार को फ्लेमिंगो एयर का एक छोटा यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एक यात्री को जिंदा निकाला गया था, लेकिन बाद में उसने भी दम तोड़ दिया।

शुरुआती जांच के मुताबिक, सेसना 402C विमान ने राजधानी नासाउ से उड़ान भरी थी। उड़ान के कुछ देर बाद पायलट ने तकनीकी दिक्कत की जानकारी दी, जिसके बाद विमान जंगल वाले इलाके में गिर गया।

हादसे के बाद बहामास सरकार ने एहतियात के तौर पर फ्लेमिंगो एयर की सभी उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी हैं। इसी दिन एयरलाइन के एक अन्य विमान में भी तकनीकी खराबी आने के बाद उसे वापस नासाउ लौटना पड़ा था। लैंडिंग के बाद उसमें आग लग गई, हालांकि उस विमान के सभी यात्री सुरक्षित बच गए।

सरकार और विमान दुर्घटना जांच एजेंसी हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

फ्लेमिंगो एयर ने भी जांच में पूरा सहयोग देने और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई है।

नेपाल की बालेन सरकार ने भारतीय बॉर्डर पर दी बड़ी राहत

18 कस्टम पॉइंट्स पर खोली एंट्री, 9 किमी तक आवाजाही मुफ्त

काठमांडू, 11 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल की बालेन शाह सरकार ने भारत से लगी सीमा पर बड़ी राहत देते हुए 18 बॉर्डर एंट्री पॉइंट को फिर से खोल दिया है। इससे दोनों देशों के सीमावर्ती नागरिकों के साथ ही पर्यटकों के लिए आना-जाना आसान हो गया है। लंबे समय से नेपाली लोग इन बॉर्डर पॉइंट पर भंसार (कस्टम) दफ्तरों को फिर से शुरू करने की मांग करने की मांग कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल सरकार ने भिस्वा और ठोड़ी समेत 18 कस्टम पॉइंट को फिर से संचालित करने की अनुमति दे दी है। इसके तहत बॉर्डर से 9 किमी तक वाहन बिना किसी शुल्क के आवाजाही कर सकेंगे। इसके आगे जाने के लिए उन्हें कस्टम के लिए निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

इन कस्टम पॉइंट्स के खुलने से चार पहिया वाहनों से नेपाल जाने वाले भारतीयों को बहुत आसानी होगी। हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अब भारतीय वाहनों को इन एंट्री पॉइंट्स पर डिजिटल माध्यम से कस्टम क्लियरेंस और प्रवेश की सीधे सुविधा उपलब्ध होगी। क्यूआर कोड और मोबाइल स्कैनर के जरिए कुछ मिनट में ही प्रवेश की प्रक्रिया पूरी हो सकेगी।

इससे पहले नेपाल में प्रवेश करने से पहले भारतीय वाहनों को कस्टम डिक्लेरेशन डॉक्यूमेंट्स लेने पड़े थे, जिससे कई पर्यटकों को बॉर्डर से ही लौटना पड़ता था। उन्हें औपचारिकताएं पूरी करने के लिए बीरगंज तक लगभग 60-70 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती थी।

इस रुकावट का ठोरी में होटलों, रिसॉर्ट्स और पर्यटन से जुड़े व्यवसायों पर काफी असर पड़ रहा था। इसके चलते स्थानीय व्यापारी और समुदाय के लोग इसे खोले जाने की मांग कर रहे थे।

हाथी ने एक व्यक्ति को कुचला, मौत

विष्णुगढ़ के बारा गांव में हुआ हादसा, दहशत में ग्रामीण सुरक्षा की लगाई गुहार

हजारीबाग, 11 जुलाई (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र की खरना पंचायत अंतर्गत बारा गांव में बीती रात जंगली हाथियों के झुंड के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान भुनेश्वर महतो के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, भुनेश्वर महतो रात के समय गांव के पास थे, तभी हाथियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान हाथियों ने उन्हें पैरों तले कुचल दिया, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे गांव और आसपास के इलाके में भय का माहौल है। मृतक के परिजन मुआवजे की मांग कर रहे हैं और ग्रामीण क्षेत्र में सुरक्षा की गुहार लगा रहे हैं।

शाही परिवार में दरार पाटने की कोशिश

वर्षों बाद प्रिंस हैरी और मेगन से मिले किंग चार्ल्स

लंदन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन के शाही परिवार में आए मतभेदों को खत्म करने की कोशिश हो रही है। इसके तहत किंग चार्ल्स तृतीय ने शुक्रवार को वर्षों बाद पहली बार अपने छोटे बेटे प्रिंस हैरी और उनके परिवार से मुलाकात की। खास बात ये रही कि इस मुलाकात में प्रिंस हैरी के साथ उनकी पत्नी मेगन भी थीं। हैरी और उनकी पत्नी मेगन ने छह साल पहले शाही जिम्मेदारियां छोड़कर अमेरिका में बसने का फैसला किया था।

बकिंघम पैलेस ने पुष्टि की कि प्रिंस हैरी, उनकी पत्नी मेगन, बेटे प्रिंस आर्ची और बेटी प्रिंसेस लिलिबेट ने लंदन के पश्चिम में स्थित शाही कंट्री एस्टेट हाईग्रोव हाउस में किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला से मुलाकात की। ड्यूक ऑफ ससेक्स प्रिंस हैरी सोमवार को कई चैरिटी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए ब्रिटेन पहुंचे थे।

हालांकि, उनकी इस यात्रा के दौरान सबसे अधिक चर्चा इस बात को लेकर रही कि क्या उनकी अपने पिता से मुलाकात होगी। ब्रिटिश टैबलॉयड और समाचार चैनलों में इस बात को लेकर भी अटकलें लगाई जाती रहीं कि क्या डचेस ऑफ ससेक्स मेगन उनके साथ आएंगी और सबसे अहम, क्या वे अपने दोनों बच्चों को भी साथ लाएंगी ताकि वे अपने दादा किंग चार्ल्स के साथ समय बिता सकें।

मुलाकात से पहले तनाव भी हुआ हालांकि, ब्रिटिश सम्राट का कार्यक्रम वर्षों पहले से तय होता है और अधिकांश आधिकारिक कार्यक्रम काफी पहले निर्धारित कर दिए जाते हैं। ऐसे में प्रिंस हैरी और किंग चार्ल्स की मुलाकात की कम ही उम्मीद थी। हालांकि आखिरकार पिता-पुत्र की

मुलाकात हुई। ऐसा नहीं है कि सबकुछ ठीक रहा। प्रिंस हैरी और शाही अधिकारियों के बीच तनाव भी देखने को मिला। दरअसल पहले अधिकारियों ने हैरी को बकिंघम पैलेस में ठहरने का निमंत्रण दिया, लेकिन समय पर जवाब नहीं मिलने पर बाद में यह प्रस्ताव वापस ले लिया, जिससे असहज स्थिति पैदा हो गई।

हैरी की ब्रिटेन यात्रा ऐसे समय भी हुई, जब ब्रिटिश टैबलॉयड मीडिया के खिलाफ उन्हें कानूनी लड़ाई में भी हार का सामना करना पड़ा। अदालत ने फैसला सुनाया कि प्रिंस हैरी डेली मेल के प्रकाशक के खिलाफ निजता के उल्लंघन के अपने आरोप साबित करने में विफल रहे। प्रिंस हैरी की कानूनी लड़ाइयां भी उनके परिवार के साथ तनाव का एक प्रमुख कारण रही हैं।

होर्मुज स्ट्रेट में हमसे गलती हुई

ईरान ने बंद कमरे में ट्रंप की टीम के सामने मानी गलती! बातचीत पर जोर

तेहरान, 11 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान ने कथित तौर पर ये माना है कि इस हफ्ते की शुरुआत में होर्मुज जलडमरूमध्य में कमर्शियल जहाजों पर हमला नहीं होना चाहिए था। ईरानी अधिकारियों ने ट्रंप के सलाहकारों से निजी बातचीत में कहा कि हम जहाजों पर हमले को अपनी गलती मानते हैं और आगे बातचीत जारी रखना चाहते हैं। होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमले दोनों देशों में तनाव की वजह बने हैं। जहाजों पर अटैक के बाद अमेरिका ने ईरान पर हवाई हमले किए हैं। ईरानी सेना ने भी अपनी जवाबी कार्रवाई की है।

अमेरिका के सीबीएस न्यूज ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट में ईरान के गलती मानने का दावा किया है। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि ईरानी अफसरों ने निजी तौर पर ट्रंप के सलाहकारों से कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर अटैक गलती थी। उन्होंने कहा कि ये हमले कट्टरपंथियों के एक अनियंत्रित गुट ने किए, जो बातचीत को नाकाम करना चाहते हैं लेकिन वे बातचीत जारी रखना चाहते हैं। ईरान की ओर से इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। रिपोर्ट दावा करती है कि अमेरिका चाहता है कि ईरान को सार्वजनिक तौर पर भी गलती स्वीकार करनी चाहिए। वाइट हाउस इस पर जोर दे रहा है कि ईरान सरकार सार्वजनिक रूप से अपनी गलती माने। ट्रंप प्रशासन ने होर्मुज में हमलों को युद्धविराम का उल्लंघन माना है और इस पर सार्वजनिक बयान चाहता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने गुस्सा दिखाने और सीजफायर को खत्म करने की बात कहने के बाद वार्ता पर आगे बढ़ने का फैसला लिया है। ट्रंप ने अमेरिकी वार्ताकारों की अपनी टीम को बातचीत जारी रखने का निर्देश दिया है। इस टीम में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, उनके दामाद जेरेड कुशनर, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो शामिल हैं।

वे बातचीत की मेज पर वापस आए और कहा कि हमने होर्मुज में गड़बड़ कर दी। हमसे गलती हुई। आइए बातचीत जारी रखते हैं। ऐसे में अमेरिकी पक्ष ने भी बातचीत जारी रखने का फैसला लिया है।

अमेरिका और ईरान के वार्ताकारों के बीच शनिवार को ओमान में बातचीत होनी है। इस बातचीत के जरिए एक बार फिर चीजों के शांत होने की उम्मीद की जा रही है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अगर ईरान दुश्मनी भरी हरकतें जारी रखता है तो अमेरिका सैन्य और आर्थिक दबाव का इस्तेमाल करके जवाब देगा।

लोहे के फेफड़े में 73 साल गुजारने वाली अमेरिका की आखिरी पोलियो मरीज की कहानी

डॉक्टरों ने बताई थी 20 साल जिंदगी

वॉशिंगटन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। लोहे के फेफड़े (Iron Lung) का इस्तेमाल करने वाली अमेरिका की आखिरी पोलिया मरीज मार्था लिलार्ड का निधन हो गया है। वह 78 साल की थीं। उन्होंने अपनी जिंदगी के 73 साल आयरन लंग नामक मशीन के जरिए सांस लेते हुए गुजारे। उनकी छोटी बहन सिंडी मैकवे ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि मार्था ने 26 जून को ओक्लाहामा में इसी मशीन के जरिए आखिरी सांस ली और दुनिया को अलविदा कह दिया।

5 साल की उम्र में हुआ पोलियो

मार्था लिलार्ड जब 5 साल की थीं, जब उन्हें पोलियो हुआ। इसके बाद उनकी पूरी जिंदगी बदल गई और 73 साल आयरन लंग में रहते हुए गुजारे, जिसे लोहे के फेफड़े के नाम से भी जाना जाता है। सिंडी ने बताया कि जब मार्था को पोलियो हुआ तो उन्हें बताया

गया था कि वह 20 साल से ज्यादा नहीं जी पाएंगी, लेकिन उनमें जीने और अपनी जिंदगी को बेहतर बनाने का जबरदस्त उत्साह और जज्बा था।

मार्था लिलार्ड के डेथ सर्टिफिकेट में उनकी मौत की वजह क्रोनिक पल्मोनरी फेलियर और पोस्ट पोलिया सिंड्रोम बताई गई है। हालांकि, सिंडी का मानना है कि उनकी बहन की मौत लॉन्ग हॉल कोविड-19 के असर की वजह से हुई। मार्था से सिडनी 3 साल छोटी हैं।

आयरन लंग मशीन में जिंदगी

लिलार्ड आयरन लंग नामक मशीन में सोती थीं। यह एक बड़े चैंबर की तरह होती है, जो उनके शरीर को घेरे रहता था। इस चैंबर में हवा का दबाव उनके फेफड़ों में हवा अंदर-बाहर भेजता था। इसके चलते उनकी स्कूलिंग में भी बाधा आई।

बचपन में वह दो घंटे स्कूल जाती थीं और बाकी समय घर पर पढ़ाई करती थीं। इसके लिए वह फोन सिस्टम का इस्तेमाल करती थीं। इससे वह क्लासरूम में लगे इंटरकॉम के जरिए अपने टीचर और क्लासमेट्स से बात कर पाती थीं।

जब मार्था ने की रोड ट्रिप

मार्था ने अपने परिवार के साथ मिसौरी की रोड ट्रंप भी कीं। उन्हें ले जाने के लिए एक खास ट्रेलर बनवाया गया था। उनके पिता होटलों में फोन करके पूछते थे कि क्या उनके दरवाजे इतने चौड़े हैं कि लिलार्ड जिस मशीन में सोती हैं, वह अंदर जा सके। सिडनी मैकवे ने उस पल को याद करते हुए कहा कि मेरे लिए यह सब सामान्य बात है।

पोलियो कभी अमेरिका की सबसे डरावनी बीमारियों में से एक था। हर इसके फैलने से हजारों लोग लकवे का शिकार हो जाते थे। मार्था भी बचपन में बीमारी का शिकार बनीं, जिसने उन्हें गर्दन के नीचे से लकवाग्रस्त कर दिया। थेरेपी की मदद से वह अपने बाएं हाथ को कम के पास अगल-बगल ही हिला पाती थीं। भले ही वह हाथ ऊपर नहीं उठा पाती थीं, फिर भी उन्होंने कई साल अकेले रहते हुए और अपना खाना खुद बनाते हुए बिताए।

नंबर ब्लॉक करने पर नर्सिंग छात्रा का मर्डर

दुर्ग-भिलाई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई में 19 साल की नर्सिंग छात्रा की उसके बॉयफ्रेंड ने हत्या कर दी। खुशी साहू बेमेतरा की रहने वाली थी वह भिलाई में किराए के मकान में रहकर फार्मेसी की पढ़ाई कर रही थी। आरोपी पिंटू साहू उससे एकतरफा प्यार करता था।

वह पिछले करीब एक महीने से उसे अलग-अलग नंबरों से कॉल कर परेशान कर रहा था, जिससे खुशी ने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। इसी बात से नाराज होकर आरोपी रायपुर से भिलाई पहुंचा और उसके कमरे में घुसकर मार डाला। शुक्रवार को पिंटू ने पहले खुशी गला दबाया, फिर चाकू से पीठ, हाथ और पेट पर 10 वार किए। जिससे युवती की जान चली गई। पुलिस ने आरोपी पिंटू साहू को रायपुर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने रामनगर स्थित घटनास्थल पर सीन रिक्रिएट भी कराया। पुलिस आज इस मामले का खुलासा करेगी। घटना वैशाली नगर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, बलौदाबाजार का रहने वाला पिंटू साहू (24) बेरोजगार है। शुक्रवार (10 जुलाई) सुबह उसने खुशी साहू (19) को दो बार कॉल किया था। खुशी ने उसका नंबर पहले ही ब्लॉक कर रखा था, इसलिए बात नहीं हो सकी। इसके बाद आरोपी ने खुशी की सहेली को फोन किया। सहेली ने पिंटू को बताया कि खुशी के पास मोबाइल नहीं है। इसके बाद आरोपी बाइक से सीधे खुशी के रामनगर स्थित किराए के कमरे पर पहुंच गया।

महादेव ऐप, कारोबारी विकास गर्ग की 940 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच

ईडी ने मकान, जमीन, शेयर जब्त किए, अब-तक 3800 करोड़ की संपत्ति कुर्क

रायपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। महादेव ऑनलाइन बुक और स्काईएक्सचेंज अवैध बेटिंग (सट्टा) ऐप मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने सट्टा सिंडिकेट से जुड़े कारोबारी विकास गर्ग, उनके परिजनों और उनसे जुड़ी कंपनियों की 940.77 करोड़ रुपए की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क (प्रोविजनल अटैच) किया है।

यह कार्रवाई रायपुर जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की है। इसके साथ ही महादेव सट्टा ऐप मामले में ईडी द्वारा अब तक कुर्क की गई कुल संपत्तियों का मूल्य 3,800 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

ईडी के मुताबिक, जब्त संपत्तियों में मकान, जमीन, कंपनियों के शेयर और अन्य इन्वेस्टमेंट्स शामिल हैं। एजेंसी का कहना है कि यह पूरी संपत्ति महादेव ऑनलाइन बुक और

स्काईएक्सचेंज से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क की जांच में सामने आई है।

हर महीने 450 करोड़ से ज्यादा का अवैध कारोबार

ईडी ने इस मामले की जांच छत्तीसगढ़ पुलिस के दुर्ग जिले में दर्ज एफआईआर, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में दर्ज मामलों के आधार पर शुरू की थी। जांच में सामने आया कि ऑनलाइन बेटिंग सिंडिकेट विदेश से संचालित फ्रेंचाइजी आधारित 'पैनल नेटवर्क' के जरिए काम कर रहा था। एजेंसी का दावा है कि इस नेटवर्क से हर महीने 450 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध कमाई हो रही थी।

शेल कंपनियों के जरिए किया गया मनी लॉन्ड्रिंग

जांच में ईडी को पता चला कि अवैध सट्टेबाजी से कमाए गए पैसे को कैश के बदले फर्जी कंपनियों और कई स्तर के वित्तीय लेन-देन के जरिए वैध दिखाया गया। एजेंसी के मुताबिक, अपराध से कमाए गए करीब 940.77 करोड़ रुपए विकास गर्ग के नियंत्रण वाली कंपनियों में पहुंचाए गए। बाद में इस रकम से शेयर, निवेश और अन्य संपत्तियां खरीदी गईं।

ईडी ने बताया कि इस मामले में इससे पहले 7 बार संपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं। वहीं, एजेंसी रायपुर स्थित विशेष पीएमएलए अदालत में कई अभियोजन शिकायतें भी दाखिल कर चुकी है। अदालत धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामले में संज्ञान भी ले चुकी है।

इस कार्रवाई से पहले ईडी इस मामले में करीब 2,825 करोड़ रुपए की चल-अचल और विदेशी संपत्तियां अटैच, जब्त या फ्रीज कर चुकी थी। महादेव ऑनलाइन बुक और स्काईएक्सचेंज बेटिंग मामले में कुर्क, जब्त और फ्रीज की गई संपत्तियों का कुल मूल्य बढ़कर लगभग 3,800 करोड़ रुपए पहुंच गया है। ईडी का कहना है कि मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के पूरे नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच अभी भी जारी है।

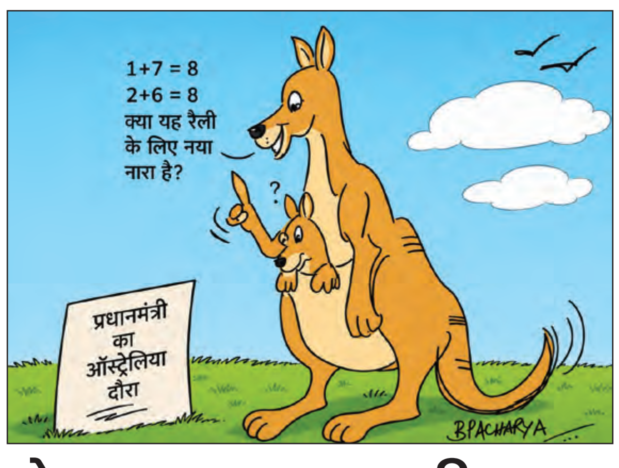

दो ब्राउन शुगर तस्कर गिरफ्तार

देवघर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। देवघर पुलिस ने जिले को नशामुक्त बनाने के अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। मोहनपुर थाना क्षेत्र से दो ब्राउन शुगर तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से करीब 80 हजार रुपए का ब्राउन शुगर जब्त किया गया। पुलिस अधीक्षक को 10 जुलाई 2026 को गुप्त सूचना मिली थी। इसमें बताया गया था कि मोहनपुर थाना क्षेत्र के रामजोरिया के पास यात्री शेड के पास दो व्यक्ति ब्राउन शुगर बेच रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापेमारी की।

इस दौरान दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूरज चौधरी उर्फ सोनू (31) और मनीष कुमार उर्फ सन्नी (23) के रूप में हुई है। सूरज चौधरी बुढ़वाकुरा, मोहनपुर का निवासी है, जबकि मनीष कुमार सिंहरायडीह, मोहनपुर, देवघर का रहने वाला है।

आषाढ़ मास की मासिक शिवरात्रि आज

जुलाई में कब मनाई जाएगी मासिक शिवरात्रि?

वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 12 जुलाई को रात 10 बजकर 29 मिनट पर शुरू होगी। वहीं इसका समापन 13 जुलाई को शाम 6 बजकर 49 मिनट पर होगा। ऐसे में निशिता काल को देखते हुए मासिक शिवरात्रि 12 जुलाई, दिन रविवार को मनाई जाएगी।

शुभ योग में मनाई जाएगी मासिक शिवरात्रि

आषाढ़ मास की मासिक शिवरात्रि काफी ज्यादा खास मानी जा रही है। दरअसल इस दिन कई शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। ऐसे में वृद्धि योग सुबह से लेकर रात तक रहेगा। इसके बाद ध्रुव योग की शुरुआत होगी, जो अगले दिन शाम 4 बजे के लगभग तक रहेगा। ये दोनों योग शुभ कार्यों के लिए अत्यंत लाभदायक माने जाते हैं।

मासिक शिवरात्रि व्रत के लाभ

मान्यता है कि शिव मंत्रों का जाप शिवालय या घर के पूर्व भाग में बैठकर करने से अधिक फल प्राप्त होता है। मासिक शिवरात्रि की पूजा के बाद ब्राह्मणों को भोजन कराकर स्वयं भोजन करना चाहिए। जो भी भक्त इस व्रत को पूरे श्रद्धाभाव से करता है, उसके माता-पिता के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और स्वयं के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। इस व्रत की महिमा से व्यक्ति दीर्घायु, ऐश्वर्य, आरोग्य और संतान आदि प्राप्त करता है। ऐसा माना जाता है कि इस व्रत को करने वाले व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

जरूर करें इन मंत्रों का जाप

– **ॐ त्रिदलं त्रिगुणाकारम त्रिनेत्रम च त्रिधायुतम। त्रिजन्म पाप संहारम एक बिल्व शिवार्पणम।।**

हिंदू धर्म में हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मनाई जाने वाली मासिक शिवरात्रि भगवान शिव की आराधना के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है। इस पावन अवसर पर श्रद्धालु व्रत रखकर विधि-विधान से भोलेनाथ का अभिषेक और पूजन करते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई आराधना से महादेव प्रसन्न होते हैं, मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। भगवान शिव की आराधना से सुख-समृद्धि, अन्न-धन और जीवन में सकारात्मकता का वास होता है।

मान्यता है कि भगवान शिव की कृपा से कष्ट, बाधाएं और नकारात्मकता दूर होती हैं। उज्जैन के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य आनंद भारद्वाज से जानते हैं कि आषाढ़ मास की मासिक शिवरात्रि का व्रत कब रखा जाएगा, शुभ योग क्या रहेगा, मंत्र और व्रत के क्या लाभ हैं।

14 जुलाई को आषाढ़ मास की अमावस्या

मान्यताएं: इस दिन किसान करते हैं और अपने टूल्स की पूजा

15 जुलाई से शुरू होगी गुप्त नवरात्रि

मंगलवार, 14 जुलाई को आषाढ़ मास की अमावस्या है। इसे हलहारिणी अमावस्या कहते हैं। इसलिए यह पर्व किसानों के लिए बहुत खास है, क्योंकि इस दिन किसान अपने हल और अन्य कृषि उपकरणों (टूल्स) की पूजा करते हैं। पूजा के बाद नई फसल से जुड़े कामों की औपचारिक शुरुआत हो जाती है। कई किसान हल से खेत जोतने और बीज बोने की परंपरा भी निभाते हैं। अभी वर्षा ऋतु का समय है, इस ऋतु में आने वाली आषाढ़ी अमावस्या का दिन बीज बोने के लिए बहुत शुभ माना जाता है।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, आषाढ़ी अमावस्या पर पितरों के लिए पूजा-पाठ, ध्यान, पिंडदान और तर्पण आदि शुभ करना चाहिए। साथ ही, किसी सार्वजनिक जगह पर एक छायादार वृक्ष का पौधा भी लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। इस समय लगाए गए पौधों के पनपने की संभावनाएं काफी अधिक हैं, क्योंकि पौधों को बारिश की वजह से करीब 3-4 महीनों तक समय-समय पर जरूरी पानी मिल जाता है।

हलहारिणी अमावस्या पर कर सकते हैं ये शुभ काम

अमावस्या तिथि पर सुबह जल्दी उठना चाहिए और स्नान के बाद सबसे पहले सूर्यदेव को जल चढ़ाना चाहिए। इसके लिए तांबे के लोटे में स्वच्छ जल भरें। जल में कुमकुम, लाल फूल, चावल डालें। ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते हुए सूर्य देव को अर्घ्य चढ़ाएं।

सूर्य पूजा के बाद घर के मंदिर में भगवान गणेश, शिवजी, विष्णु जी, देवी पार्वती, श्रीकृष्ण आदि की विधिवत पूजा करें। जो लोग इस तिथि पर व्रत करते हैं, वे पूजा में व्रत करने का संकल्प करें। इसके बाद दिनभर उपवास करें। जो लोग निराहार यानी भूखे नहीं रह पाते हैं, वे एक समय फलाहार कर सकते हैं।

इस तिथि पर पितृ तर्पण और श्राद्ध कर्म खासतौर पर करें। दोपहर में करीब 12 बजे पितरों की शांति के लिए तर्पण, धूप-ध्यान और श्राद्ध करें। गाय के गोबर से बने कंडों को जलाएं और उन पर गुड़-घी अर्पित करें। हथेली में जल लेकर अंगूठे की दिशा से पितरों को अर्पण करें।

मान्यता है कि जो भक्त अमावस्या तिथि पर गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा जैसी पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, उनके जाने-अनजाने में किए गए पाप कर्मों के फल नष्ट हो जाते हैं। इसलिए अगर संभव हो तो किसी पवित्र नदी में स्नान करें। नदी में स्नान करना संभव न हो तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। स्नान करते समय सभी तीर्थों का ध्यान करना चाहिए।

मंगलवार और अमावस्या के योग में हनुमान जी का पूजन करें। हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें। चाहें तो राम नाम जप या सुंदरकांड पाठ भी कर सकते हैं।

जरूरतमंद लोगों को दान-दक्षिणा जरूर दें। जूते-चप्पल, अनाज, धन या भोजन का दान करें। अमावस्या की शाम को घर के आंगन में तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाएं और उसकी परिक्रमा करें।

आषाढ़ अमावस्या के दिन क्या करें?

अमावस्या का दिन पितरों को समर्पित होता है। ऐसे में पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए आषाढ़ अमावस्या के दिन तर्पण करें। धार्मिक मान्यता है कि जिन पर पितरों की कृपा रहती है उस व्यक्ति को हर सुख मिलता है। घर-परिवार में भी सुख-समृद्धि, संपन्नता और खुशहाली बनी रहती है। वहीं पितृ दोष लगने पर व्यक्ति को कई तरह की परेशानी घेर लेती और घर का वातावरण भी नकारात्मक बना रहता है।

पितृ तर्पण- अमावस्या के दिन हाथ में जल, काले तिल, और कुशा लेकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके अपने पितरों का तर्पण करें।

दान करें- गरीब और जरूरतमंदों को अन्न, तिल, वस्त्र, धन और छाता का दान करें।

पीपल पेड़ की पूजा- पीपल पेड़ में त्रिदेव के साथ ही पितरों का भी वास होता है। तो अमावस्या के दिन शाम के समय पीपल पेड़ के नीचे सरसों तेल का दीया जलाएं।

दक्षिण दिशा में दीया जलाएं- आषाढ़ अमावस्या के दिन सूर्यास्त के बाद शाम के समय दक्षिण दिशा में एक सरसों तेल का दीया जलाएं। आपको बता दें कि दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है।

धृतराष्ट्र के वो 4 काम, जिन्होंने डाली थी महाभारत के युद्ध की नींव

महाभारत के प्रमुख पात्र धृतराष्ट्र की भूमिका युद्ध के कारणों में महत्वपूर्ण थी. पुत्रमोह और अधर्म का साथ देने के कारण उन्होंने अनेक गलतियां कीं. गांधारी परिवार को कारागार में डालना, शकुनि को संरक्षण देना, और द्रौपदी चीरहरण पर मौन रहना उनके प्रमुख निर्णय थे. वे केवल आंखों से ही नहीं, मन और बुद्धि से भी अंधे थे, जिसके चलते हस्तिनापुर का विनाश हुआ.

महाभारत वो महान ग्रंथ है, जिसमें अनेक किरदारों और उनके जीवन की कहानियां मिलती हैं। इन सभी पात्रों में एक प्रमुख पात्र का नाम धृतराष्ट्र है। धृतराष्ट्र का जन्म, जीवन और फिर मृत्यु तीनों ही रहस्यमयी मानी जाती है। धृतराष्ट्र हस्तिनापुर के महाराज थे। माना जाता है कि उन्होंने कई ऐसे काम किए, जिन्होंने द्वापरयुग के अंत में होने वाले महाभारत युद्ध की नींव डाली थी।

धृतराष्ट्र के कामों की वजह से उनका और उनके 100 पुत्रों का विनाश हुआ था। महाभारत में धृतराष्ट्र को भी युद्ध के सबसे बड़े जिम्मेदारों में से एक माना जाता है, क्योंकि धृतराष्ट्र हस्तिनापुर की राजगद्दी पर बैठे थे और अगर वो चाह लेते तो इस महायुद्ध से होने वाले विनाश को रोक सकते थे, लेकिन उन्होंने अपने वंश का नाश हो जाने दिया। यह कहना गलत नहीं होगा कि वो सिर्फ आंखों से ही नहीं, बल्कि मन और बुद्धि से भी अंधे हो गए थे।

गांधारी के परिवार को कारागार में डालना

धृतराष्ट्र का विवाह गांधार देश की राजकुमारी गांधारी से हुआ था, लेकिन ज्योतिषीयों ने कहा था कि गांधारी का पहला विवाह अशुभ होगा। इसलिए पहले गांधारी का विवाह एक बकरे से कराया गया। बाद में उसकी बलि दे दी गई और फिर धृतराष्ट्र से उनका विवाह करा दिया गया। धृतराष्ट्र को विवाह के इस छल के बारे में पता चला तो उन्होंने गांधारी के पूरे परिवार को कारागार में डलवा दिया। कारागार में गांधारी के परिवार को बहुत कम भोजन दिया जाता था, जिससे उनके परिवार के एक-एक सदस्यों की मृत्यु होती चली गई। अंत में शकुनि बचा और उसने पूरे हस्तिनापुर को बर्बाद कर देने की ठान ली। उसने बचपन से ही पांडवों को लेकर दुर्योधन के मन में जहर के बीज बोए, लेकिन धृतराष्ट्र ने उसे कभी हस्तिनापुर छोड़कर जाने का आदेश नहीं दिया।

पुत्रमोह में हर बात पर दुर्योधन का साथ देना

महाभारत काल में दुर्योधन अर्धम का सबसे बड़ा प्रतीक था, लेकिन महाराज धृतराष्ट्र को पुत्रमोह ने जकड़ रखा था, जिसकी वजह से उन्होंने दुर्योधन के अन्याय को कभी नहीं रोका था। वो अगर चाहते तो महाभारत के महायुद्ध को टाल सकते थे, लेकिन उनके पुत्रमोह ने उनको ऐसा करने से रोक दिया था। उन्होंने दुर्योधन का साथ देकरपूरे वंश का विनाश होने दिया।

द्रौपदी के चीरहरण के समय मौन रहना

द्रौपदी के चीरहरण को महाभारत की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक माना जाता है। यही वो कारण माना जाता है, जिसने महाभारत के युद्ध की आग को भड़काया था। द्रौपदी के चीरहरण के समय धृतराष्ट्र मौन रहे थे, जो उनकी सबसे बड़ी गलती थी।

अधर्म का साथ देना

धृतराष्ट्र को बहुत अच्छे से मालूम था कि शकुनी और दुर्योधन अर्धम कर रहे हैं, लेकिन फिर उन्होंने उन दोनों का ही साथ दिया। उन्होंने पितामह भीष्म, गुरु द्रोणाचार्य और विदुर जैसे ज्ञानी लोगों की बात अनसुनी कर दी।

घर में कांच लगवाने से पहले जान लें ये वास्तु नियम, वरना बढ़ सकती हैं परेशानियां!

आजकल घरों की सजावट में कांच का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। बड़े शीशे, कांच की खिड़कियां और सजावटी मिरर न सिर्फ घर को आधुनिक लुक देते हैं, बल्कि जगह भी बड़ी और खुली हुई महसूस होती है। हालांकि, वास्तु शास्त्र के अनुसार कांच का सही दिशा और सही स्थान पर लगाया जाना बहुत जरूरी माना गया है।

कांच की सही दिशा कौन-सी मानी जाती है?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कांच या दर्पण लगाने के लिए उत्तर और पूर्व दिशा सबसे शुभ मानी जाती है। माना जाता है कि इन दिशाओं में लगा कांच सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने का काम करता है। वहीं दक्षिण और पश्चिम दिशा में बड़ा शीशा लगाने से बचने की सलाह दी जाती है, क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इससे ऊर्जा का संतुलन प्रभावित हो सकता है।

मेनडोर के ठीक सामने न लगाएं शीशा

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, घर के मेनडोर के ठीक सामने बड़ा कांच या दर्पण नहीं लगाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इससे घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा वापस लौट सकती है। यदि मुख्य दरवाजे के पास शीशा लगाना जरूरी हो, तो उसकी स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि वह सीधे दरवाजे को प्रतिबिंबित न करे।

बेडरूम में शीशा लगाते समय रखें सावधानी

बेडरूम में कांच या दर्पण लगाने को लेकर भी वास्तु में कुछ विशेष नियम बताए गए हैं। मान्यता है कि सोते समय बिस्तर का प्रतिबिंब शीशे में नहीं दिखना चाहिए। कहा जाता है कि इससे मानसिक अशांति, तनाव और नींद से जुड़ी परेशानियां बढ़ सकती हैं। यदि कमरे में अलमारी पर शीशा लगा है और उसमें बिस्तर दिखाई देता है, तो रात में उसे पर्दे या कपड़े से ढकने की सलाह दी जाती है।

टूटा या दरार वाला कांच तुरंत हटाएं

घर में कभी भी टूटा हुआ, चटका हुआ या दरार वाला कांच नहीं रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र में इसे अशुभ माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है और परिवार के सदस्यों के बीच तनाव का माहौल बन सकता है। इसलिए यदि कांच टूट जाए तो उसे जल्द से जल्द बदल देना बेहतर माना जाता है।

रसोई और पूजा घर में कांच का इस्तेमाल

वास्तु के अनुसार, रसोई में बहुत अधिक कांच का उपयोग करने से बचना चाहिए। वहीं पूजा घर में भी दर्पण लगाने की सलाह नहीं दी जाती। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूजा स्थल को शांत ऊर्जा वाला स्थान माना जाता है, इसलिए वहां अनावश्यक कांच या प्रतिबिंब वाली चीजें लगाने से बचना चाहिए।

नई पीढ़ी को लेकर माफ करने की आदत बनाइए

कारोबार की दुनिया में जो थोड़े अनुभवी हैं, उम्रदराज हैं, वो शिकायत करते हैं कि नई पीढ़ी के काम करने का ढंग परेशान कर रहा है। नौकरियां तो लोग ऐसे बदलते हैं, जैसे मूंगफली निकाल के छिलका फेंक दिया जाए। इस पीढ़ी से यही शिकायत लोगों को घर में भी है। जबकि देखें तो इस सब में इस पीढ़ी का दोष नहीं है। पूरी प्रकृति या तो बदल गई या हमने बदल दी है। ऐसे में जैसे पुराने लोग रहे, उसी तरह बच्चे भी रहें, यह संभव नहीं है। जब हम इन बच्चों के साथ व्यवहार कर रहे हों तो कुछ शब्दों पर ध्यान दीजिए। नाज-नखरे : नाज का एक अर्थ गर्व भी होता है और लाड़ भी। नखरे का अर्थ है जिद। यह दोनों बातें इस पीढ़ी में जन्म से ही आ गई हैं। इसी तरह क्रोध और डांट : क्रोध में थोड़ा बदला लेने की वृत्ति होती है और डांट में बदलने की नीयत। हम बच्चों पर क्रोध करें, इससे अच्छा है कि उन्हें डांट दें। और इस पीढ़ी को लेकर माफ करने की आदत बनाइए। क्योंकि जब हम किसी को माफ करते हैं तो हमारे आसपास का वातावरण बड़ा पॉजिटिव हो जाता है। आज नहीं तो कल बच्चे उसको महसूस करेंगे।

जीवन में सुख-शांति, संतोष हमारे ज्ञान, समझदारी, सत्य और सकारात्मक विचारों पर आधारित होते हैं

जिस व्यक्ति के पास विवेक, सही विचार और श्रेष्ठ संकल्प नहीं हैं, तो वह स्वयं से दूर हो जाता है। जो लोग सत्य को छोड़कर काम करते हैं, वे केवल बाहरी सफलता और भौतिक उपलब्धियों तक सीमित हो जाते हैं। जीवन में सिर्फ धन, वस्तुओं और सुविधाओं से वास्तविक प्रसन्नता नहीं मिलती है। सच्चा सुख ज्ञान, समझदारी, सत्य और सकारात्मक विचारों पर आधारित होता है। जीवन में स्थायी शांति और संतोष उन्हीं लोगों को मिलते हैं, जो सत्य, विवेक और सद्विचारों को अपनाते हैं। **स्वामी अवधेशानंद जी गिरि**

पुखराज पहनने से पहले जान लें ये जरूरी नियम

ज्योतिष के अनुसार, जिन लोगों की कुंडली में गुरु शुभ स्थिति में हों या जिन्हें गुरु को मजबूत करने की सलाह दी गई हो, उनके लिए पुखराज बेहद लाभकारी है। विशेष रूप से धनु और मीन राशि के जातकों के लिए यह रत्न शुभ माना जाता है, क्योंकि इन दोनों राशियों के स्वामी गुरु ग्रह हैं। हालांकि बिना किसी योग्य ज्योतिषीय सलाह के पुखराज धारण नहीं करना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति के लिए यह समान रूप से लाभदायक नहीं होता।

इस मंत्र को पढ़ते हुए पहनना शुभ

पुखराज को गुरुवार के दिन शुभ मुहूर्त में धारण करना चाहिए। इसे सोने की अंगूठी में जड़वाना सबसे उत्तम माना जाता है। पहनने से एक रात पहले रत्न को पंचामृत में रखकर शुद्ध किया जाता है। गंगाजल, कच्चा दूध, शहद और घी से इसका अभिषेक करने की भी परंपरा है। गुरुवार की सुबह स्नान के बाद पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठें, रत्न पर हल्दी का तिलक लगाएं और पीले फूल अर्पित करें। इसके बाद "ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः" मंत्र का कम से कम 108 बार जाप करते हुए दाएं हाथ की तर्जनी उंगली में अंगूठी धारण करें। मान्यता है कि इस दिन पीली वस्तुओं का दान करना भी शुभ फलदायी होता है।

क्रोध में कमी, साहस में वृद्धि

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, पुखराज समृद्धि, ज्ञान, स्वास्थ्य, दीर्घायु और आर्थिक उन्नति का प्रतीक माना जाता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाने, निर्णय क्षमता मजबूत करने और मानसिक शांति प्रदान करने में सहायक है। कई लोग मानते हैं कि इसे धारण करने से करियर, शिक्षा और विवाह से जुड़े कार्यों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। क्रोध में कमी, सकारात्मक सोच और साहस में वृद्धि होने की भी मान्यता है। हालांकि इन दावों के समर्थन में वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं और इन्हें धार्मिक-परंपरागत मान्यताओं के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

कब नहीं मिलता लाभ?

यदि पुखराज व्यक्ति की कुंडली के अनुरूप न हो या नकली अथवा दोषयुक्त रत्न पहन लिया जाए, तो अपेक्षित लाभ नहीं मिलते। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार गलत पुखराज धारण करने पर आर्थिक प्रगति में रुकावट, वैवाहिक समस्याएं या स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां महसूस हो सकती हैं। इसलिए रत्न पहनने से पहले किसी अनुभवी ज्योतिषी से सलाह लेना उचित माना जाता है।

कैसा पहचानें असली-नकली

अच्छी गुणवत्ता वाला पुखराज हल्के से गहरे पीले रंग का, पारदर्शी, चमकदार और बिना धब्बों या दरारों के होना चाहिए। हाथ में लेने पर यह अपेक्षाकृत वजनी महसूस होता है। पीली कनेर, चंपा या अमलतास के फूल जैसा आकर्षक पीला रंग, चिकनी सतह और प्राकृतिक चमक वाला पुखराज श्रेष्ठ माना जाता है। विश्वसनीय विक्रेता से प्रमाणित प्राकृतिक रत्न खरीदना हमेशा बेहतर होता है।

अनंत आस्था का प्रतीक जगन्नाथ रथ यात्रा

अतुल कुमार

अध्यात्मिक पर्वों में एक प्रमुख पर्व " रथ यात्रा " है .हर त्योहार एक संदेश और जीवन की यात्रा को सुगम ,सरल और सोद्देश्य बनाने का महत्व बताता है . उसके भीतर के मूल भाव को व्यक्त करता है . रथ अर्थात मनुष्य का शरीर और यात्रा की सारथी बुद्धी को माना गया . अतः विचारों को सकारात्मक तथा नकारात्मक के रूप में माना गया जो चिंतन और मनन से जुडा है . ' रथ यात्रा " आध्यात्मिक दृष्टि से मानवीय गुणों में भाई चारे की भावना को विकसित करने का अहम भाग है . इसमें भगवान के रथ की रस्सी को खींचने को सबसे पुण्यदायी माना गया . श्रद्धालुओं का विश्वास है कि ऐसा करने से ईश्वर की विशेष कृपा प्राप्त होती है जीवन के कष्ट दूर होते हैं .इसलिये लाखों श्रद्धालु भक्ति भाव से रस्सी खींचने के लिये उत्साहित रहते हैं .एक मान्यता यह है कि भगवान जगन्नाथ अपने उन भक्तों को दर्शन देने के लिये बाहर निकलते हैं जिन्हें किसी कारणवश मंदिर में प्रवेश का अवसर नहीं मिलता या वह नहीं जा पाते हैं . किसी कवि ने इसके महत्व पर खूब लिखा " एक बरस में आती है एक बार ,देखने उमडती है भीड भारी /सौ यज्ञों के बराबर फल ,जो देखे रथ की यह डोरी मोक्षदायिनी है ये यात्रा और महिमा है जगनाथपुरी की गूंजते है जयकारे हरि बोल के जब डोलता है जग का नाथ जिसके दर्शन मात्र से मिट जाते हैं शोक सारे //

यह त्यौहार आस्था ,समानता ,और ईश्वर के कण – कण में होंने के महत्व को दर्शाता है . यात्रा शुरु होने से पूर्व पुरी के राजा सोने की झाडू से भगवान के रथों के सामने का रास्ता साफ करते हैं . यह इस बात का प्रतीक है कि ईश्वर के सम्मुख कोई छोटा बडा नहीं बल्कि सभी समान है . दूसरे ईश्वर भी स्वच्छता को जीवन के लिये ज़रूरी मानते हैं कहा भी गया कि गंदगी का जहां होगा नाश ,वहीं होगा स्वस्थ जीवन का वास . इस उक्ति में प्रभु का संदेश शामिल है आज के संदर्भों में जब परिवार के रिश्ते छिटक रहे हों , रिश्तेदारियों में चले हुए नामों को लोग भूल रहे हों तब यह रथ यात्रा और महत्वपूर्ण दिखाई देती है .

प्रसंगानुसार रथ के पहिये इस बात का द्योतक है कि समय या काल चक्र.किसी के लिये नहीं रुकते और हमेशा आगे बढने के लिये प्रेरित करते हैं . रथ यात्रा को सिर्फ देवत्व की यात्रा के तौर पर नहीं देखना चाहिये बल्कि यह अपने आप में जीवन दर्शन है और ज़िंदगी के फलसफे को व्यक्त करता है ' चरैवेती – चरैवेती ' यानी चलते रहो चलते रहो . यदि जीवन में लक्ष्य को पाना है तो एक समान गति से चलते रहो .

फैमिली लाइफ में पति –पत्नी को रथ के दो चक्कों के तौर पर बताया गया जिनमें से एक भी चक्का डिगा तो परिवार की ग़ाडी बे पटरी हो जाती है . इसका उदाहरण सूर्य के रथ के पहियों से भी लिया जा सकता है सूर्य देव निरंतर अपने रथ पर चल रहे हैं बिना रुके ,कुछ भी हो जाये उनका रथ नहीं रुकता , दिन और रात उनके रथ के दो पहिये हैं . रथ के इस दर्शन शास्त्र को जीवन से जुडा माना गया .

रथ यात्रा में तीन रथ होते हैं बलराम जी के रथ को " तालध्वज " कहते हैं देवी सुभद्रा के रथ को " दर्प दलन " या पद्म रथ कहा जाता है .भगवान जगन्नाथ के रथ को " दर्प दलन " या ' पद्म रथ " कहा जाता है . पौराणिक कथानुसार एक बार बहन सुभद्रा को नगर भ्रमण की इच्छा हुई तो तीनों भाई बहन रथ पर सवार हो नगर भ्रमण के लिये निकले इस दौरान भगवान अपनी मौसी के घर गये वहां कुछ दिन रुकने के बाद अपने मूल मंदिर को लौटे . इसी घटना की स्मृति में हर साल जगन्नाथ रथ यात्रा आयोजित की जाती है .भगवान जगन्नाथ ,बलभद्र ,और सुभद्रा की मूर्तियां लकडी की बनी और अधूरी हैं पौराणिक कथानुसार जब राजा इंद्रद्युम्न को जब भगवान विष्णु ने दर्शन दिये तब मूर्तिकार विश्वकर्मा ने राजा के सम्मुख शर्त रखी कि वे एक बंद कमरे में मूर्ति बनाएंगे और राजा को तब तक अंदर नहीं आना है जब तक मूर्ति निर्माण का कार्य पूरा न हो जाये लेकिन राजा धैर्य खो बैठे और कमरे का दरवाज़ा खोल दिया इसके बाद विश्वकर्मा अंतरध्यान हो गये आज भी मूर्तियां वैसी ही अधूरी अवस्था में पूजी जाती हैं .

मौजूदा मशीनी युग में भी भगवान के तीनों रथों का निर्माण पारंपरिक और प्राचीन तरीकों से किया जाता है . जब मनुष्य आज भौतिक सुखों और मानसिक अशांति के बीच परेशान बेचैन और संतुलन बनाने के लिये जूझ रहा हो तब यह यात्रा सदभाव और समर्पण का पाठ सिखाती है . यात्रा की दिव्यता है कि ईश्वर अपने भक्तों से मिलने के लिये किसी भव्य मंदिर के बजाये स्वयं सडकों पर उतर आते हैं .और उनकी भक्ति को स्वीकारते है. जगत के स्वामी जगन्नाथ जब अपने रथ पर विराजमान हो मार्ग से गुज़रते हैं तब पग –पग पर श्रद्धालु उनके दर्शन पा विभोर होते हैं . एक समय था जब रथ यात्रा मुख्य रूप से पुरी तक सीमित थी . आज लगभग हर बडे शहर में जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली जाती है इसके अलावा विदेशों में भी रथ यात्रा के आयोजन होते है . अत; यह वैश्विक आध्यात्मिक उत्सव बन गया है

नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व की शुरुआत इस वर्ष 16 जुलाई से हो रही है जो 24 जुलाई तक चलेगी .आज जब किसी को किसी की परवाह नहीं, पूछ परख नहीं सारी .दुनिया फेस बुक और व्हाट्सप तक सिमटती जा रही हो तब यह पर्व बंधुत्व , मेल जोल और संबंधों के महत्व को पुनः परिभाषित करता है क्यों कि यह अनंत आस्था की रथ यात्रा है।

काव्य कुंज

गोधूलि गांव की

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

थकी थकी सूरज की किरणें,
अस्ताचल की ओर चली
संध्या की सुरमई आभा
चहुँ दिशा को घेर चली
अलसाये पेड़ों को देखो,
मंद पवन देती है थपकी
शाखाओं के झुके कांधों पर
वल्लरियों को आती है झपकी ।।
गौओं की रंभाती टोली,
गौशाला की ओर चली
बछड़ों के गले की घंटी
कानों में रस घोल रही ।।
कलरव करती विहंगों की टोली
अपने अपने नीड़ चली
थम गए झूमते हुए रहट
माटी की है प्यास बुझी
थके बैलों की लेकर जोड़ी
चले किसान निज घर की ओर
स्वामी को आंगन में में देख
भार्या को शीतल स्नेह मिली।
फिर मंगलमोद मनाती गोरी
तुलसी को दीपक बार रही
सांध्य दीप की ज्योति को
हर कोने में बाँट रही ।।

हाथों में किताबें

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

हाथों में किताबें, राह में दलदल...!
हाथों में किताबें, आँखों में उजियारा,
पर राह में फैला कीचड़ इतना सारा।
नन्हें-नन्हें कदमों का यह कैसा सफ़र,
हर मोड़ पे है ठहरा विकास बेअसर।
कंधों पे बस्ता, मन में दौड़ते अरमान,
फिर भी 'मुश्किलों' से होती पहचान।
जहाँ सड़क होनी थी, वहाँ दलदल है,
बचपन का हर कदम आज घायल है।
कहते हैं शिक्षा से बदलता रहा हैं देश,
फिर क्यों बच्चों को मिले संघर्ष शेष?
क्या यही 'तरक्की', क्या यही विकास,
जब राह बन जाए प्रतिदिन का त्रास?
आओ मिल के हम ऐसी तस्वीर बदलें,
हर गाँव की राहों को पक्की सड़क दें।
शिक्षा बने सचमुच सभी का अधिकार,
ताकि हरेक बच्चे के सपने हों साकार।

जगमग जलना सीखो तुम

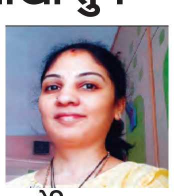

मोनिका डागा,
चेन्नई

अंधियारे में बन प्रकाश पुंज
जगमग जलना सीखो तुम,
टूटी हुई उम्मीदों को फिर से
हँसकर चुनना सीखों तुम ।
जीवन के संघर्षों से घबराकर
क्यों बैठे हो इतने उदास,
हार गए मन से जो तुम फिर
कहो कैसे हो पाएगा विकास,
तूफ़ानों से डरकर क्यों बैठे
सपनों के तट पर होकर निराश,
नाव तुम्हारी पार लगेगी मन में
हो रोशन जब आत्मिक प्रकाश,
दुर्दिन दिनों के अनचाहे मौसम को
हिम्मत से हटाना सीखो तुम,
अंधियारे में बन प्रकाश पुंज
जगमग जलना सीखो तुम ।
हार को महत्त्व दे क्यों लूटा दिया
मन-मस्तिष्क का हुलास,
अँधेरे में विलीन हुआ"आनंद"बदला हँसी-ख़ुशी का विन्यास,
सपनों को बिखरते देख मन में बसाया निराशा का निवास,
एक तारे के बस टूटने पर खो दी तुमने क्यों अपनी मिठास,
लक्ष्य को करना है हासिल खुद पर यकीन करना सीखो तुम,
अंधियारे में बन प्रकाश पुंज जगमग जलना सीखो तुम ।
सितारों से भरा आसमान राही पग अपने बढ़ा बदल इतिहास,
दुनिया कहे जो कहने दें मन को मत डिगा तू चल बस बिंदास,
परवाह नहीं की हारने की वो ही मिटा सके हार की खटास,
हुनरवान तू तक़दीर की दीवारों को ढहा मिटा मन का संत्रास,
सकारात्मकता से असंभव को संभव बनाना सीखो तुम,
अंधियारे में बन प्रकाश पुंज जगमग जलना सीखो तुम ।

मासूम

टी तारासिंह
हैदराबाद

सुबह - शाम हसते ही रहो
कुछ अच्छी बाते भी करते रहो
दुनिया ने हसना सिखाया
अच्छी राह पर चलना सिखाया
अब गुमनाम नही है जिन्दगी
बेजान भी नही है जिन्दगी
सब अरमान पूरे हो जायेगे
दिल मासूम है
दुनिया के सब करतब समझता है
यहां नफरत है बदला है
ठोकरे है धोखा भी है
भरोसा किसी पर मत करना
आंसूओ से कभी धीरज ना खोना
ये दुनिया है सब दाव - पेच से हराती है ।।

वो मेहरबाँ

संजीव ठाकुर,
रायपुर

वो मेहरबाँ, हम भी मेहरबाँ हो जाएं।
चलो हम मौसम की जुबां हो जाएँ,
तुम ज़मीं और हम आसमाँ हो जाएँ।
दूरियों का न फिर कोई सिलसिला,
एक-दूजे का ही कारवाँ हो जाएँ।
ज़िंदगी को जब धूप सताये बहुत
घने बरगद की ठंडी छाँव हो जाएँ।
रंज़-ओ-ग़म की न बाकी रहे दास्ताँ,
इश्क़ सा ख़ूबसूरत जहाँ हो जाएँ।
नफ़रतों की हवा थम भी जाए कभी,
प्यार का फिर नया गुलिस्ताँ हो जाएँ।
तू दुआ बन के हर लब पे सजता रहे,
हम तेरी हर दुआ का निशाँ हो जाएँ।
इश्क़ में इम्तिहाँ भी ज़रूरी सही,
कामयाबी का फिर हम बयाँ हो जाएँ।
संजीव इतनी-सी रब से इल्तिज़ा,
वो मेहरबाँ, हम भी मेहरबाँ हो जाएं।

अश्रु के अलग-अलग रंग

कमलेश झा
भागलपुर, बिहार

अश्रु नहीं कमजोरियाँ,
मन की मौन पुकार।
जो न शब्दों में ढल सके,
बहता बनकर धार॥
बचपन रोया भूख से, यौवन रोया हार।
बुढ़ापा अपनों के लिए, रोता बारंबार॥
माँ के आँसू पूछते, कैसा यह संसार।
पेट जलाई उम्र भर, बेटे हुए पराय॥
माँ के आँसू मौन हैं,
फिर भी करें पुकार।
जीते-जी जिनको न मिला, अपनों का व्यवहार॥
पिता नयन के अश्रु तो, दुर्लभ हैं संसार।
जब ये टपके जान लो, टूटा है आधार॥
जिनके खातिर उम्र भर, बोए प्रेम-विचार।
वही काटकर चल दिए, रिश्तों की दीवार॥
विरह-अश्रु की हर बूँद, लिखती नया प्रलाप।
जीते जी मरना पड़े, ऐसा उसका ताप॥
चौखट-चौखट दीप थे, जिनसे घर आबाद।
उनके जाते रह गई, यादों की फ़रियाद॥
अश्रु नहीं बस जल-बिंदु, मन की गहरी बात।
रंग बदलते भाव से, कहते हर जज़्बात॥
विरह-अश्रु की आग में, जलते दिन और रात।
बूँद-बूँद में लिख गई, बिछड़न की हर बात॥
सुख के आँसू मोतियाँ, चमके जैसे चाँद।
दुख के आँसू बन गए, मन पर गहरे मांद॥
अर्थी पर सब रो लिए, यही जगत की रीत।
जीते जी जो साथ दे, मिलते कितने मीत॥
आँसू का भी रंग है, देखा मैंने आज।
कुछ रिश्तों के नाम पर, कुछ अपनों की लाज॥
दुख की हद तो तब हुई, रोना पड़ा छिपाय।
आँसू भी अपराध हों, ऐसा समय न आय॥
विरह-अश्रु की हर बूँद, जैसे पिघला सीस।
गिरते-गिरते कह गई, मन की अनकही टीस॥
सपनों की चिता जली, भीगे नयन हजार।
अश्रु बने तब राख से, उठते हुए अंगार॥
करुणा के आँसू कहें, मत पूछो पहचान।
दर्द किसी का देखकर, रो उठता इंसान॥
सबसे गहरा अश्रु वह, जो नयन न बह पाय।
हृदय-गुहा में उम्र भर, बनकर शूल समाय॥
कंधा देकर लौटते, अपने और समाज।
पीछे छूटे अश्रु ही, लिखते जीवन-साज॥
अंत समय जब आँख से, निकले अंतिम नीर।
पूछ रहे होते वहीं — कौन था सच में पीर?
पश्चाताप के अश्रु जब, नयनों से बह जाएँ।
मन के सारे मैल को, धीरे से धो जाएँ॥
भक्ति-भाव के अश्रु में, मिलता प्रभु का धाम।
मीरा, तुलसी, सूर के, यही रहे पहचान॥
क्रोध-अश्रु अंगार से, दहके मन के घाव।
संयम का जल डालकर, भर लो इनके भाव॥
नयनों से जो बह गया, समझो मत कमजोर।
अश्रु हृदय की शक्ति हैं, प्रेम-सत्य का स्रोत॥

बारिश

आसमान में है बादल छाए
साथ में अपने वर्षा लाए
गड़ गड़ गड़ गड़ गर्जन करते
देखो काले काले बादल आते
देखो धरती पर बारिश आती
साथ में अपने हरियाली लाती
बच्चे बूढ़े सब खुश हो जाते
पशु पक्षी भी उत्सव है मनाते
नाच दिखाते हैं देखो मोर
कोयल की है कु हु कू हु शोर
मन किसान का झूमे गाये
हरी भरी फसल लहराये
आसमान में बिजली चमके
धरती मां की प्यास बुझाये
इंद्रधनुष के झूले में चढ़कर
मन मेरा भी झट लहराये

- अलफिशा, मोसरा

हृदय के पट

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

हृदय के पट को खोल के देखो
भीतर गहरा अंधियारा है,
बाहर घोर दिखे उजियारा
अंदर कचड़ा भरा पड़ा है।
इसीलिए कहीं खुशी ना मिलती
दिल के परतों पर धूल जमी है,
जबतक साफ इसे ना करोगे
सदा लगेगी खुशी की कमी है ।
क्यूं भटके तू बाहर बन्दे
खुशियां तेरे उर में भरी है,
हृदय के पट जब खोलोगे
पाओगे सबकुछ वहीं धरी है।
मृगतृष्णा की चाह में हरदम
वन-वन को तुम भटक रहे हो,
इसलिए पग आगे धरने में तुम
खुद में ही अटक रहे हो ।
उर के पट को खोल रे बन्दे
पा जाओगे सारा जहां,
ईश्वर का दीदार भी होगा
खुशी मिलेगी सदा वहां ।

प्रेम

गजानन पाण्डेय

प्रेम का रंग ऐसा
जो न पड़े फीका
प्रेम के बोलों पर
गीत बनते हैं
प्रेम के रंग में
सारे भेद मिटते हैं ।
प्रेम से संसार है
प्रेम जीवन का व्यवहार है
प्रेम न हो तो जीना दुश्वार है ।

अनुपम मनभावन बरखा

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

अनुपम मनभावन बरखा,
दिल ने ली अंगड़ाई ।
लहरा रही दिल में तरंगें,
किसी की याद सताई ।।
मौसम बेईमान हो गया,
कैसे दिल को समझाये,
धरा प्रेम रस में नहा रही,
मनभावन ऋतु आई।
बागों में मयूर नाच नाच कर प्रेम रस बरसाते ।
इल्ज़ाम लग रहे प्रेमी पे,सावन ने अगन लगाई ।।
काली काली बदरा छा कर,दिल में हलचल मचाये।
सिरहन पैदा होये मन में,जब मेघों ने बिजली चमकाई।
तन्हाई तो जरा न भाये, बरखा बूँदे मचायें हलचल ।
दिल धड़कन हो गई शरारती,शरारत पर उतर आई।।
पेड़ों पर झूले डल गए, गौरी ने सावन के गीत गाये।
हे प्रभु जब आये सावन,
किसी को मिले न जुदाई।।
हरियाली ने किया हरा मन,कांवड़ यात्रा का शुभारंभ।
भोलेनाथ की पूजा अर्चना से, अनहोनी टल पाई ।।

मौन में...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

मौन में जो जीता है
वो हर शोर से ऊपर उठ जाता है
भोर हुई
आदमी ताल ठोक
मैदान में कूद जाता है
पलक झपकते
सब कुछ
अपनी मुठ्ठी में
कैद करना चाहता है
दूसरी तरफ
साइलेंस
अंधेरे को कुचल डालता है
इक्कीसवीं सदी
बेवजह
मैदान मारना चाहता है
संविधान को
रसातल में
धसा देना चाहता है
जिसने लॉ समझा
फेस फ्रॉम द क्राउड बन जाता है
आदमी लाल बुझक्कड़
बन जाना चाहता है
सांप सीढ़ी अग्निकुंड में
कूद जाना चाहता है
ख़ामोश सारथी
अंततः जंग जीत जाता है।

समय

कमलेश गुप्ता

होती है समय की बहुत धीमी रफ़्तार
उनके लिए जो कर रहे होते हैं इंतज़ार।
और उनके लिए होती है बहुत तेज़
जो हैं डरे डरे और हैरतअंगेज़।
समय यही हो जाता है बहुत लंबा वहां
होता है दुःख और पछतावा जहां।
उनको यही लगता है बहुत बहुत मंद
जो मना रहे खुशियां और ले रहे आनंद।
लेकिन उनके लिए जो करते हैं प्यार
यही समय लगता है अनंत और अपार।

मेरी आवाज़ सुनो

वाईवी रत्नम
विशाखापट्टणम

तेरी चौखट पे आ खड़ा हूँ
कब से गुहार दे रहा हूँ
रहम करो मेरी सुन लो
दोस्त मेरे थक गया मैं
चला गया मैं सबसे दूर
कमाई के चक्कर में
लाखों हैं कागज़ के टुकडे
लेकिन जीवन में सूनापन
प्यार से बाँह थामनेवाले
दिल को हिम्मत देनेवाले
दूर चले गये मुझ से रूठ्के
रिश्तों में छा गयी नीरवता
भूल किया मैं गुनाहगार हूँ
पल पे पल गुज़र रहा है
जीवन छोटा हो रहा है
दिन का सूरज ढल रहा है
सूख रही हैं साँसें मेरी
एक बार मुडके देखो यार
बाँह फैलाके खड़ा हुआ मैं
अपनी यादों के पन्नों में मुझे
देखोगे तुम कभी ऐसे ही
याद तो मैं आऊँगा पर
क्या पता इन साँसों की
कौन जानें कब रुक जाएँ।।

वापसी

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

भटक गया है तू अपने पथ से,
भूल गया हैं तू रिश्ते सब से
गांव छोड़ नगर में बस गया,
देश छोड़ परदेश में चला गया
भरा पूरा परिवार छोड़ गया,
अपनों को अकेला छोड़ गया
कर्मभूमि पुकारे तुझ को ,
जन्मभूमि कहे रुक जा तुझ को
माँ की ममता पुकारे तुझ को,
बचपन की यादें बुलाए तुझ को।
जिंदगी में क्या खोया, क्या पाया,
हिसाब लगाया तो खाली हाथ पाया
खुद की तरफ तू लोट आ,
अपने बुलाये तू चला आ
वापसी कठिन पर मुमकिन है,
वक्त कच्चे पर इरादे पक्के हैं
उम्मीद तोड़ते परिवार की आवाज,
भीड़ से तू निकल आएगा आज ।

मैं ही अक्षर हूँ ....

डॉ टी महादेव राव

एक अक्षर ने
धीरे से मुझ से कहा
तुम्हारे हृदय की गहराई में
जो मौनकथा छिपी है
क्या मुझे बताओगे?
मैं मुस्कुराया
क्योंकि अक्षर कभी भी
खुशियों के बागों में नहीं जन्मते
वेदनाओं की मिट्टी में जन्मे पौधे हैं वे
नयनों के अश्रुओं को भिगाते पल में
मन के घावों के गर्भ से शब्द झरते हैं
टूटे हुये हृदय की बूंदों वाली वर्षा में
जीवन गाथाएँ होती हैं अंकुरित
उनकी सुगंध ही साहित्य बनती हैं
उस अक्षर ने फिर पूछा तुम में क्यों इतने चुप्पी क्यों?
मैंने धीमे से कहा जहां शब्द नहीं पहुँच पाते
वहाँ निश्शब्द सी चुप्पी ही अत्यंत गहन कविता होगी
हर बार मन का टूटता हर पल
एक नए अक्षर का रूप लेता है
जीवन के तराशे गए घाव ही
साहित्य के शाश्वत शिल्प बनते हैं
अंत में वह अक्षर मुझ में ही
पिघलकर समा गया क्योंकि मैं ही वह अक्षर हूँ
किसी ने जो पूरा न पढ़ा हो ऐसी सजीव कविता हूँ।

अभ्युदय

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

प्रतिदिन सूर्योदय होता है,
रश्मि किरण बिखरती है,
रोज़ सृष्टि ऊर्जा उत्साह बिखेरती है,
फिर भी क्यूं उन्नति, विकास और
अभ्युदय की चर्चा नहीं होती,
क्यूं सकारात्मक बदलाव की चर्चा नहीं होती।
क्यूं विनाश और विध्वंस दिखाया जाता है?
क्यूं जन संचार माध्यम और मिडिया हिंसा ही दिखाते हैं?
बंदूक, राइफल और विस्फोटक हर दम ही परोसे जाते हैं,
क्यूं नृशंस हत्या और व्यभिचार बारम्बार दिखाये जाते हैं?
क्यूं नन्हे मासूमों के कोमल मन में ग्रंथियां उपजाते हैं?
क्यूं भय आतंक से आक्लांत मन ग्लानि से भर जाते हैं?
क्या आशा और विश्वास जगाना भी कोई अपराध है?
हिंसा और अत्याचार फैलाना किस फ़ैशन का आधार है?
लूट खसोट और जालसाजी किस भारत की पहचान है?
अशांति और अराजकता फैलाना किस क्रांति की शान है?
जागो मेरे आकाओं,अब भ्रम की निंद्रा से जाग जाओ,
अहिंसा और अमन चैन को लहूलुहान होने से बचाओ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

गोल्ड लोन की रिकॉर्डतोड मांग

आखिर किसलिए लोग गिरवी रख रहे अपना सोना ?

भारत में गोल्ड लोन सिर्फ अचानक आई पैसों की जरूरत पूरी करने का साधन नहीं रह गया है। पिछले एक साल में सोने की कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी के बाद लोगों ने अपने पास रखे सोने के बदले पहले से कहीं ज्यादा लोन लेना शुरू कर दिया है। हालांकि, हाल के महीनों में सोने की कीमतों में कुछ नरमी आई है, लेकिन गोल्ड लोन की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है।

ऐसे में जानना जरूरी होगा कि गोल्ड लोन को लेकर क्या बदला है? गोल्ड लोन का इस्तेमाल कहां-कहां हो रहा है? कितनी तेजी से बढ़ा है सोना गिरवी रखकर उधार लेने का चलन? गोल्ड लोन की मांग क्यों बढ़ रही है? भारत के पास कितना सोना है? गोल्ड लोन का बाजार भारत में कैसे-कैसे बढ़ा? नियमों में क्या बदलाव हुए? विशेषज्ञों की इस पर क्या राय है? इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

विशेषज्ञों का कहना है कि अब लोग गोल्ड लोन को केवल इमरजेंसी के विकल्प के रूप में नहीं देखते। पहले इसे मजबूरी में लिया जाने वाला लोन माना जाता था, लेकिन अब इसे एक सामान्य वित्तीय साधन की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। बेहतर क्रेडिट प्रोफाइल वाले ग्राहकों की हिस्सेदारी 43 प्रतिशत से बढ़कर 52 प्रतिशत हो गई है। यानी अब अच्छी आर्थिक स्थिति वाले लोग भी गोल्ड लोन लेने लगे हैं। अब गोल्ड लोन का इस्तेमाल सिर्फ घरेलू जरूरतों के लिए नहीं हो रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक लोग इसका उपयोग कारोबार बढ़ाने, यात्रा और उच्च शिक्षा के खर्च के लिए कर रहे हैं। वहीं, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के मुताबिक, कई पुराने ग्राहकों ने सोने की बढ़ी कीमतों का फायदा उठाकर पहले से बड़ा लोन लिया और अपने पुराने लोन की अवधि भी बढ़ाई।

कितनी तेजी से बढ़ा है गोल्ड लोन?

आरबीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मई 2026 तक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा सोने के बदले दिए गए लोन में सालाना आधार पर लगभग 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह सबसे तेजी से बढ़ने वाला लोन वर्ग रहा। मई 2026 तक एनबीएफसी का गोल्ड लोन लगभग 3.3 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। जबकि मई 2024 में कुल लोन में गोल्ड लोन की हिस्सेदारी करीब तीन प्रतिशत थी, जो अब लगभग छह प्रतिशत हो गई है।

क्या है पूरे उद्योग की तस्वीर?

मार्च 2023 में बैंकों और एनबीएफसी का कुल गोल्ड लोन 6.3 लाख करोड़ रुपये था, जो मार्च 2026 तक बढ़कर 19.4 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। यह बताता है कि इस क्षेत्र में लगातार तेज वृद्धि बनी हुई है। एनबीएफसी के कुल कर्ज में खुदरा कर्ज की हिस्सेदारी 43 प्रतिशत रही, जिसमें गोल्ड लोन का हिस्सा 5.6 प्रतिशत था। उद्योग क्षेत्र को दिए गए कर्ज की हिस्सेदारी 37.4 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी 13 प्रतिशत रही। आईसीआरए का अनुमान है कि देश का संगठित गोल्ड लोन बाजार मार्च 2027 तक बढ़कर करीब 15 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

किन राज्यों में सबसे ज्यादा बढ़ी मांग?

एक्सपेरियन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में गोल्ड लोन की सबसे तेज वृद्धि इन राज्यों में दर्ज की गई।

उत्तर प्रदेश - 138 प्रतिशत
पश्चिम बंगाल - 112 प्रतिशत
राजस्थान - 105 प्रतिशत
महाराष्ट्र - 102 प्रतिशत

हालांकि, दक्षिण भारत अब भी गोल्ड लोन का सबसे बड़ा बाजार है, लेकिन इसकी पहुंच अब पूरे देश में तेजी से बढ़ रही है।

गोल्ड लोन की मांग क्यों बढ़ रही है?

विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की कीमतों में भारी बढ़ोतरी, कर्ज की मुख्य वजह हो सकती है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के अनुसार, इस साल दोनों कीमती धातुओं में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना करीब 1.33 लाख रुपये था, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.79 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद कीमतों में गिरावट आई और अब तक सोना 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच चुका है।

भारत के पास कितना सोना है?

विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, भारत के आधिकारिक स्वर्ण भंडार 880.3 टन है। इस आधार पर भारत दुनिया में आठवें स्थान पर है। हालांकि यह अमेरिका के 8,133.5 टन स्वर्ण भंडार का लगभग दसवां हिस्सा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत सरकार के पास रखा सोना नहीं, बल्कि घरों और मंदिरों में रखा सोना है। अलग-अलग संस्थानों का अनुमान है कि भारतीय परिवारों और मंदिरों के पास मौजूद सोने का भंडार दुनिया के किसी भी देश के आधिकारिक स्वर्ण भंडार से कहीं अधिक है।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के अनुसार, जनवरी 2026 तक भारतीय परिवारों के पास मौजूद सोने की कीमत पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। यह भारत की जीडीपी के लगभग 125 प्रतिशत के बराबर है। परिवारों की गैर-रियल एस्टेट संपत्ति में सोने की हिस्सेदारी करीब 65 प्रतिशत है। वहीं, इसकी कीमत लोगों की बैंक जमा और शेयर बाजार में किए गए निवेश के कुल मूल्य से भी लगभग 175 प्रतिशत अधिक है।

एसोचैम की रिपोर्ट गोल्ड्स न्यू होराइजन के मुताबिक, भारतीय परिवारों और मंदिरों के पास मिलाकर करीब 50 हजार टन सोना है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख करोड़ रुपये है। रिपोर्ट के अनुसार, इस सोने का बड़ा हिस्सा अभी भी औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से बाहर है।

विश्व स्वर्ण परिषद का अनुमान है कि भारतीय परिवारों और मंदिरों के पास करीब 25 हजार टन सोना है। इसकी अनुमानित कीमत 2.4 लाख करोड़ रुपये है, जो वर्ष 2026 में भारत की अनुमानित जीडीपी के लगभग 56 प्रतिशत के बराबर है।

आरबीआई ने गोल्ड लोन पर मिलने वाले कुछ नियामकीय लाभ वापस ले लिए, जिससे कंपनियों के लिए फंड जुटाना महंगा हो गया। सोने की कीमतों में गिरावट आने से लोन-टू-वैल्यू अनुपात प्रभावित हुआ। कई मामलों में लोन की राशि गिरवी रखे गए सोने की कीमत से ज्यादा हो गई, जिससे खराब ऋण (एनपीए) बढ़ने लगे।

कितनी भाषाएं आनी चाहिए किसी भी भारतीय को?

मुझे लगता है हर भारतीय को पूर्व प्रधानमंत्री स्व पीवी नरसिम्हा राव की तरह चौदह से सत्रह भाषाएं आनी चाहिए तभी जाकर वह किसी भी प्रांत में जीविका चलाते हुए जीवन यापन करने में सक्षम हो सकता है।

आंध्र का अन्ना बनने के लिए तेलुगु सीखनी होगी। तमिल तंबी होने को तमिल सीखना मांगता है। कर्नाटक के लिए कन्नड़, कोच्चि के लिए मलयालम, तेलंगाना रहने के लिए दक्खिनी हिंदी मिश्रित तेलुगु सीखनी होगी। इसी तरह मुंबई महाराष्ट्र के लिए मराठी, गांधी के राज्य के लिए गुजराती का ज्ञान होना अनिवार्य है।

अगर आदमी इतनी भाषाएं सीख जाए तो वह भारत जैसे बहु भाषीय राष्ट्र का प्रधानमंत्री न बन जाए, जैसे हमारे पूर्व प्रधानमंत्री स्व पीवी नरसिम्हा राव थे, जिन्हें सत्रह भाषाएं आती थीं। आपने सही पूछा है अभी वाले को तो गुजराती और हिंदी के सिवा कुछ नहीं आती। अरे भाई अपवाद तो हर जगह होते हैं, होना भी चाहिए। वर्तमान के प्रधान सेवक जहां भाषण देने जाते हैं वहां की भाषा में लिखे अभिवादन रटते हैं, फिर बोलते हैं। वैसे भाषण टेलीप्रॉम्प्टर पर देखकर बोलने की आदत जो पड़ी हुई है।

अच्छा यह भाषा पर बवाल क्यों? वह इसलिए कि जब लंबे समय तक लोगों का ध्यान मुख्य मुद्दों से हटाना है तो ऐसे विवादास्पद शगूफे छोड़ देते हैं जैसा सपेरा पैसों के लिए पिटारे से सांप को छोड़कर दर्शकों को डराता है। अब महंगाई, बेरोजगारी, खाली खजाना, उधार का बढ़ जाना, माध्यम वर्ग पर करों की मार और अब क्या हो जो हो रहे पचहत्तर पार जैसे गंभीर मुद्दों से भटकाव के लिए भाषाई सुरसुरी छोड़ दी गई। अब विरोध करते रहो।

उधर भाऊ लोग भी एक होकर मराठी चा ड्रम बजा रहे हैं। जहां डेढ़ इंजन की सरकार है वहां न उगलते बने न निगलते बनें। वैसे जिन चार पांच दक्षिण के प्रांत हैं, वहां हिंदी के जानकार बहुत हैं। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा से प्रति वर्ष हिंदी की परीक्षाओं में उत्तीर्ण लोगों के आंकड़े देखेंगे तो आपकी आँखें फटी की फटी रह जाएंगी।

सारा गद्दी का खेल ही है। चाहे देश की राजधानी में हो या राज्य के कैपिटल में, कुर्सियों पर फेवीकोल लगाए बैठे रहने को उनका स्वार्थ विवश करता है, जिससे आम मतदाता मरता है।

जब भाषा पर हर जगह इतना विवाद हो रहा है, इसे रोकने का कोई तो उपाय होगा न?क्यों नहीं। उसका एक ही उपाय है कि सभी लोग एक ही भाषा सीखें और इस्तेमाल करें।

कौन सी भाषा अंग्रेजी? अंग्रेजों से हमने आजादी छीनी है, उनकी भाषा नहीं। लेकिन समाधान अंग्रेजी नहीं है। समाधान है कि पहले दूर दर्शन पर हर रविवार को दोपहर जिस भाष में समाचार सुनाए, दिखाए और बताए जाते थे, वही भाषा। मतलब है हाथों और इशारों की भाषा।बिल्कुल सही पकड़े हैं। सारी जनता मूक बधिर जब हो ही गई है तो सारी भाषाई समस्याओं का समाधान वही मूक बधिरों की इशारों वाली भाषा ही होगी।

क्या तेज जवाब मिलना हमेशा फायदेमंद होता है?

अपनी सोच एआई के हवाले न करें, नहीं तो खोजें कैसे जन्म लेंगी?

कल्पना कीजिए कि आपने गूगल या किसी एआई टूल पर एक सवाल पूछा। कुछ ही सेकंड में पूरा जवाब सामने आ गया। न किसी लिंक पर क्लिक करने की जरूरत, न अलग-अलग वेबसाइटों पर भटकने की। काम आसान हो गया, समय बच गया। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि इस सुविधा की कीमत पर हम कुछ खोते भी जा रहे हैं? वर्तमान में अधिकतर गूगल सर्च में उपयोगकर्ता किसी भी वेबसाइट पर क्लिक ही नहीं करता। बस सवाल टाइप करता है, एआई से तैयार सारांश पढ़ता है और आगे बढ़ जाता है। यही तरीका कई अन्य एआई टूल्स भी अपना रहे हैं। पहले लोग जानकारी पाने के लिए अलग-अलग स्रोतों से पढ़ते थे। इस दौरान उन्हें कई नई और दिलचस्प बातें भी पता चल जाती थीं। अब यह खोजबीन धीरे-धीरे कम होती जा रही है। पर, क्या तेज जवाब मिलना हमेशा फायदेमंद होता है? जवाब है-नहीं। एआई टूल्स अब हर सवाल का जवाब तुरंत दे देते हैं। इससे नई बातें खोजने और जानने की हमारी जिज्ञासा धीरे-धीरे कम होती जा रही है।

करीब दस साल पहले कंटेंट की उपयोगिता का आकलन इस आधार पर करते थे कि लोग उस पर कितना समय बिताते हैं, कितने लिंक खोलते हैं और कितनी गहराई तक पढ़ते हैं। तब गूगल लोगों को ज्यादा खोजबीन करने के लिए प्रोत्साहित करता था। लेकिन, अब उसके एआई उत्पाद उसी खोजबीन की जरूरत को कम करने के लिए बनाए जा रहे हैं। शोध बताते हैं कि जब किसी रोचक सवाल का जवाब मिलने में थोड़ा समय लगता है, तो उस दौरान मिली दूसरी जानकारी, उससे जुड़ी न होने वाली बातें भी हमें ज्यादा अच्छी तरह याद रहती हैं। दरअसल, जवाब का इंतजार करते समय दिमाग का रिवॉर्ड सिस्टम सक्रिय हो जाता है और हिप्पोकैंपस नई यादें बनाने के लिए अधिक तैयार रहता है। यानी, जिज्ञासा हमारे पूरे दिमाग को सीखने के लिए तैयार कर देती है। यह केवल उस सवाल का जवाब समझने में मदद नहीं करती, जिसे हम जानना चाहते हैं, बल्कि उससे जुड़ी दूसरी जानकारियों को भी बेहतर ढंग से ग्रहण करने में मदद करती है।

जिज्ञासा एक खुली खिड़की की तरह काम करती है। जब तक यह खिड़की खुली रहती है, सीखने की प्रक्रिया गहरी व व्यापक होती जाती है। पर, यदि एआई कुछ ही सेकंड में जवाब दे दे, तो यह खिड़की समय से पहले ही बंद हो जाती है। आपको जवाब तो मिल जाता है, पर वह अवसर खो जाता है, जब कोई दूसरा लेख, नया विचार या दो अवधारणाओं के बीच अप्रत्याशित संबंध सामने आ सकता था। शोधकर्ता इसे इंसीडेंटल लर्निंग, यानी अनजाने में होने वाली सीख कहते हैं। इतिहास की कई बड़ी खोजें इसी प्रक्रिया का परिणाम रही हैं। जब लोग किसी सवाल के पीछे अधिक समय तक लगे रहते हैं, तब उन्हें ऐसी बातें भी पता चलती हैं, जिनकी उन्होंने कल्पना तक नहीं की होती। इसका एक प्रसिद्ध उदाहरण 1964 का है। भौतिक वैज्ञानिक अर्नो पेन्जियास और रॉबर्ट विल्सन ने अपने रेडियो एंटीना में एक अजीब-सी आवाज सुनी। वे उसे अनदेखा कर सकते थे, पर उन्होंने उसकी वजह तलाश की। इसी जिज्ञासा ने उन्हें बिग बैंग के बाद बची हुई कॉस्मिक माइक्रोवेव बैकग्राउंड रेडिएशन की ऐतिहासिक खोज तक पहुंचा दिया।

आज की तकनीक सवाल-जवाब के बीच के समय को बेकार मानकर खत्म करना चाहती है, जबकि सीखने की प्रक्रिया इसी दौरान सबसे गहरी होती है। जब लोग कम खोजबीन करेंगे, तो धीरे-धीरे वे अपने दम पर नई खोज व नए विचार बनाने के बजाय तैयार जवाबों पर अधिक निर्भर हो जाएंगे। आज भी लोग इंटरनेट पर अलग-अलग वेबसाइट देख सकते हैं, लिंक से लिंक तक पहुंच सकते हैं और खोजते-खोजते नई जगहों और विचारों तक पहुंच सकते हैं। पर, एआई टूल्स का मौजूदा डिजाइन कुछ इस तरह है कि अब ऐसा होने की संभावना कम होती जा रही है। हालांकि, जो एआई कंपनियां अपने उपयोगकर्ताओं के हित को महत्व देती हैं, वे ऐसे सर्च इंजन विकसित कर सकती हैं, जिनका उद्देश्य केवल तेज जवाब देना नहीं, बल्कि नई जानकारियां खोजने और गहराई से समझने के लिए लोगों को प्रेरित करना हो। सवाल और जवाब के बीच का समय मूल्यवान होता है और डिजाइन के नाम पर उसे खत्म नहीं किया जाना चाहिए। यदि हम ऐसी दुनिया बना देंगे, जहां हमें केवल वही मिले, जो हमने पूछा है, तो हम उन खोजों तक पहुंचने की क्षमता खो देंगे, जिनके बारे में हमें यह भी नहीं पता था कि उनसे जुड़े सवाल कभी पूछे जा सकते हैं।

भारत की सबसे बड़ी चुनौती और अवसर

140 करोड़ सपनों का भारत: संसाधनों का संकट या विकास का स्वर्णिम अवसर?

11 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व जनसंख्या दिवस केवल आंकड़ों का उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर भी है। दुनिया की आबादी 8 अरब से अधिक हो चुकी है और भारत लगभग 143 करोड़ लोगों के साथ विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन चुका है। लेकिन आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि भारत की जनसंख्या कितनी है, बल्कि यह है कि क्या यह विशाल जनसमूह देश की सबसे बड़ी ताकत बनेगा या सीमित संसाधनों पर बढ़ता बोझ? किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल लोगों की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, उत्पादकता और अवसरों से तय होता है।

भारत आज एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर तेजी से बढ़ते शहर, जल संकट, प्रदूषण, घटती कृषि भूमि, बढ़ता कचरा, महंगे आवास और सीमित प्राकृतिक संसाधन गंभीर चिंता पैदा कर रहे हैं। दूसरी ओर दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी, तेज़ी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप संस्कृति, तकनीकी नवाचार और वैश्विक निवेश का केंद्र बनता भारत अभूतपूर्व संभावनाओं का संकेत देता है। यही विरोधाभास तय करेगा कि आने वाले दशकों में भारत विश्व का नेतृत्व करेगा या संसाधनों के दबाव से जूझता रहेगा।

जनसंख्या वृद्धि को अक्सर हर समस्या की जड़ मान लिया जाता है, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक व्यापक है। भारत की चुनौतियां केवल लोगों की संख्या नहीं हैं, बल्कि संसाधनों का असमान वितरण, कमजोर शहरी नियोजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, कृषि पर अत्यधिक निर्भरता तथा पर्याप्त रोजगार का अभाव भी हैं। यदि शासन व्यवस्था प्रभावी हो, संसाधनों का न्यायपूर्ण उपयोग हो और मानव पूंजी पर निवेश बढ़े, तो यही बड़ी आबादी विकास की सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है। दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और चीन जैसे देशों ने यही साबित किया है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है। देश की लगभग दो-तिहाई आबादी कार्यशील आयु वर्ग में है, जिसे जनसांख्यिकीय लाभांश कहा जाता है। लेकिन यह अवसर हमेशा नहीं रहेगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के अनुसार आने वाले दशकों में भारत भी धीरे-धीरे वृद्ध समाज की ओर बढ़ेगा। आज जापान, चीन और कई यूरोपीय देश कम जन्मदर और बढ़ती बुजुर्ग आबादी के कारण श्रमिकों की कमी और आर्थिक दबाव झेल रहे हैं। भारत के पास अभी वह अवसर है, जो इन देशों के पास कभी था। यदि इस समय युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और सम्मानजनक रोजगार नहीं मिला, तो यही लाभांश भविष्य में बोझ बन सकता है।

एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि भारत की कुल प्रजनन दर अब लगभग 2.0 के आसपास पहुंच चुकी है, जो प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से भी कम है। इसका अर्थ है कि भारत की चुनौती अब केवल जनसंख्या नियंत्रण नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन निर्माण है। इसलिए नीति का केंद्र कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं का सशक्तिकरण और परिवार नियोजन होना चाहिए।

रोजगार इस पूरे विमर्श का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। हर वर्ष लाखों युवा रोजगार बाजार में प्रवेश करते हैं, लेकिन पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध नहीं हो पाते। केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहकर इस चुनौती का समाधान संभव नहीं है। विनिर्माण, कृषि आधारित उद्योग, हरित ऊर्जा, पर्यटन, रक्षा उत्पादन, सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य सेवाएं, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करना होगा। साथ ही युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि उद्यमी और रोजगार सृजक बनाने पर भी बल देना होगा।

आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), ऑटोमेशन और रोबोटिक्स कार्यस्थलों की प्रकृति बदल देंगे। ऐसे समय में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं होगी। डिजिटल साक्षरता, तकनीकी दक्षता, नवाचार, अनुसंधान और समस्या समाधान की क्षमता ही युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे रखेगी। भारत यदि अपने युवाओं को भविष्य की तकनीकों के अनुरूप तैयार कर देता है, तो वह वैश्विक प्रतिभा का सबसे बड़ा केंद्र बन सकता है।

महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाना भी उतना ही आवश्यक है। आधी आबादी यदि शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व में पीछे रह जाएगी, तो देश अपनी आधी क्षमता खो देगा। सुरक्षित कार्यस्थल, समान अवसर, कौशल विकास, मातृत्व सुविधाएं और वित्तीय समावेशन महिलाओं को आर्थिक शक्ति में बदल सकते हैं। विकसित भारत का सपना महिलाओं की बराबर भागीदारी के बिना अधूरा रहेगा।

बढ़ती आबादी के साथ प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी लगातार बढ़ रहा है। जल संकट, भूजल का अत्यधिक दोहन, जंगलों की कटाई, जैव विविधता का क्षरण और बढ़ता प्रदूषण भविष्य की गंभीर चुनौतियां हैं। इसके साथ जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक गर्मी, अनियमित वर्षा, बाढ़ और सूखे जैसी घटनाएं खाद्य सुरक्षा, कृषि उत्पादन और आर्थिक विकास को प्रभावित कर रही हैं। इसलिए विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। वर्षा जल संचयन, स्वच्छ ऊर्जा, टिकाऊ शहरी विकास, सार्वजनिक परिवहन और कचरा प्रबंधन जैसी नीतियों को व्यापक स्तर पर लागू करना होगा।

ग्रामीण भारत को मजबूत किए बिना जनसंख्या का लाभ नहीं उठाया जा सकता। यदि गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, डिजिटल कनेक्टिविटी, स्थानीय उद्योग और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, तो महानगरों पर बढ़ता दबाव भी स्वतः कम होगा। संतुलित क्षेत्रीय विकास ही संसाधनों के न्यायपूर्ण उपयोग का आधार बनेगा।

आज आवश्यकता किसी भय या भ्रम की नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीतियों की है। भारत को अपनी विशाल आबादी को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक, नवाचारी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य मानव संसाधन में बदलना होगा। विकसित भारत-2047 का सपना तभी साकार होगा, जब हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, हर युवा को कौशल और अवसर, हर महिला को समान भागीदारी तथा हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध होगा।

भारत की सबसे बड़ी चुनौती उसकी जनसंख्या नहीं, बल्कि उस जनसंख्या की क्षमता का पूर्ण उपयोग करना है। संख्या अपने आप में न वरदान होती है और न अभिशाप; उसे अवसर या संकट हमारी नीतियां, हमारी दूरदृष्टि और हमारी विकास की प्राथमिकताएं बनाती हैं। यदि भारत अपने 140 करोड़ नागरिकों को ज्ञान, कौशल, नवाचार और उत्पादकता की शक्ति में बदलने में सफल होता है, तो 21वीं सदी केवल भारत की सदी नहीं होगी, बल्कि यह 140 करोड़ सपनों, 140 करोड़ अवसरों और 140 करोड़ समाधानों की सदी भी होगी।

पश्चिम की ओर बहने वाली वह नदी, जिसने प्यार में मिले धोखे से बदला था रास्ता

नई दिल्लीः भारत की एक बड़ी नदी है, जो दरार वाली घाटियों से होकर गुजरती है। यह नदी ऐसी है, जो भारत के मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से होकर बहती है। खास बात यह है कि यह नदी जिन इलाकों से होकर गुजरती है, वहां घने जंगल और पहाड़ हैं। यह नदी है नर्मदा, जिसे पौराणिक काल से ही भारत की सात पवित्र नदियों में से एक माना जाता है। गुजरात में इसी नदी के किनारे पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी यानी सरदार वल्लभभाई पटेल की आदमकद विशालकाय प्रतिमा लगाई गई है।

नर्मदा नदी मध्य प्रदेश में अमरकंटक की पहाड़ियों से निकलती है। इसकी खूबी ये है कि गंगा-यमुना जैसी भारत की बड़ी नदियों की तरह पूर्व से पश्चिम बहने के बजाय पश्चिम से पूर्व की ओर बहती है। इस नदी बेसिन का दायरा करीब 98,796 वर्ग किलोमीटर है। यह गुजरात और मध्य प्रदेश की लाइफलाइन भी कही जाती है। नर्मदा की तरह ये छोटी नदियां जैसे तापी, माही, साबरमती, लूनी वगैरह भी पश्चिम की तरफ ही बहती हैं। मगर, नर्मदा इकलौती बड़ी नदी है, जो पश्चिम से पूर्व की ओर बहते हुए अरब सागर में समा जाती है। यह अरब सागर में खंभात की खाड़ी के पास

मिलती है और डेल्टा भी बनाती है। दक्षिण में कर्नाटक में शरवती नदी और केरल में पेरियार नदी भी पूर्व से पश्चिम की ओर ही बहती है। नर्मदा नदी का नाम संस्कृत से आया है। इसका अर्थ है, जो दूसरों को खुशी महसूस कराए। ऐतिहासिक रूप से नर्मदा को कई नामों से जाना जाता है। इसे ग्रीक इतिहासकर नमेडस बुलाते थे तो वहीं फारसी साहित्य में इसे नर्मदा या नर्मद ही कहा गया है। नर्मदा को रेवा भी कहा जाता है और शिव के पसीने से पैदा होने के नाते नर्मदा को शिव की बेटी भी कहा जाता है। नर्मदा नदी सतपुड़ा और विंध्य क्षेत्र के पहाड़ों के बीच से दरार वाली घाटियों से होकर गुजरती है। पौराणिक मान्यता है कि नर्मदा ने कभी शादी नहीं की। नर्मदा को आसमान की बेटी कहा जाता है। इस नदी की कहानी प्यार और विश्वासघात की कहानी है। जनश्रुतियों में कहा गया है कि नर्मदा को सोनभद्र से प्यार हो गया था, जो कि पुरुष नदी थी। यह खूबसूरत राजकुमार था।

मगर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। सोनभद्र को कुछ समय बाद ही अपनी नौकरानी ज्वाहिला से प्यार हो गय। इससे नर्मदा और सोनभद्र के बीच खाई बढ़ती गई। नर्मदा का दिल टूट गया। रूठकर उन्होंने अपना रास्ता बदल लिया और पश्चिम की ओर बहने लग गईं। कहा जाता है कि तभी से नर्मदा पूर्व से पश्चिम की ओर बहने लग गईं।

दिल्ली से यूपी-बिहार तक कैसा रहेगा मौसम ?

आईएमडी ने जारी किया 15 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में इन दिनों मानसून का कहर है। महाराष्ट्र, गुजरात और हिमाचल से लेकर बिहार तक बारिश के साथ-साथ आंधी-तूफान का भी दौर जारी है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 15 राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में आज अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री रहेगा हालांकि बारिश की संभावना बनी रहेगी। रविवार को आसमान में बादल छाए रहेंगे।

13 और 14 जुलाई को अधिकतम तापमान 37 डिग्री रहने और बादल छाए रहने की संभावना है। 15 जुलाई को राजधानी का तापमान 35 डिग्री के आस-पास रहने का अनुमान है। आईएमडी ने जिन 15 राज्यों में अलर्ट जारी किया है उनमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, असम, आंध्र प्रदेश और केरल शामिल हैं।

यूपी में बारिश का हाल

आईएमडी के मुताबिक यूपी में शनिवार से

सक्रिय मानसून का प्रभाव और बढ़ेगा। आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी, सुल्तानपुर और अयोध्या के आस-पास के क्षेत्रों में बहुत भारी बारिश का अनुमान है। इसके अलावा प्रतापगढ़, वाराणसी, संत रविदास नगर, जौनपुर, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, शामली, बागपत, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, औरैया और अमरोहा में भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

बिहार में भारी बारिश

बिहार की बात करें तो पटना सहित खगड़िया, किशनगंज, अररिया, कटिहार, पूर्णिया, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सिवान, भोजपुर, नवादा, रोहतास, अरवल, गया, लखीसराय, नालंदा और औरंगाबाद में भारी बारिश के साथ-साथ आंधी और तूफान को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

हिमाचल- उत्तराखंड का मौसम

पहाड़ी राज्यों की बात करें तो कांगड़ा, कुल्लू, शिमला, सिरमौर, मंडी, बिलासपुर और सोलन में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की गई है। मनाली में आज यानी 11 जुलाई को अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस तो न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहेगा। उत्तराखंड के ऋषिकेश, हरिद्वार, नैनीताल, बागेश्वर, अल्मोड़ा, रुद्रप्रयाग, उधम सिंह नगर और पिथौरागढ़ में आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

तीन नन्हे शेरों की दहाड़ से संरक्षण की बड़ी जीत

दिल्ली चिड़ियाघर में खुशी का माहौल, अब शेरों की संख्या 6 हुई

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल जूलॉजिकल पार्क (एनजेडपी) में तीन नन्हे शेरों की दहाड़ गूंजी है, जिससे दिल्ली चिड़ियाघर की संरक्षण कहानी में एक सुखद नया अध्याय शुरू हुआ है। एशियाई शेरनी महागौरी ने तीन स्वस्थ शावकों (बच्चों) को जन्म दिया है, जिससे वन्यजीव प्रेमी खुश हैं। एनजेडपी ने घोषणा की कि 7 जुलाई को महागौरी और ब्रीडिंग मेल (नर) महेश्वर से तीन एशियाई शेर (पैंथेरा लियो लियो) के शावकों का जन्म हुआ। यह जन्म इस जोड़े की पिछले साल मिली सफलता के बाद हुआ है, जब महागौरी ने 27 अप्रैल को दो शावकों एक नर, कार्तिक और एक मादा, कर्णी को जन्म दिया था।

दोनों बच्चे चिड़ियाघर में अच्छी तरह से पल-बढ़ रहे हैं, और नए शावकों का आना लुप्तप्राय एशियाई शेर के संरक्षण के पार्क के मिशन में एक और उत्साहजनक कदम है। फिलहाल, तीनों नवजात शावकों को एक सुरक्षित मेटरनिटी बाड़े में रखा गया है, जहाँ उन्हें शांत और बिना किसी बाधा वाले माहौल में पाला जा रहा है, ताकि उन्हें जीवन की सबसे अच्छी शुरुआत मिल सके। अपनी माँ की देखरेख में, इन शुरुआती हफ्तों में उनकी सेहत सुनिश्चित करने के लिए चिड़ियाघर की वेटेरिनरी (पशु चिकित्सा) और एनिमल केयर टीमें सीसीटीवी के ज़रिए उन पर कड़ी नज़र रख रही हैं।

इन नए सदस्यों के साथ, एनजेडपी अब छह एशियाई शेरों का घर बन गया है तीन नर (सुंदरम, महेश्वर और कार्तिक) और तीन मादा (महागौरी, शैलजा और कर्णी)। अब यह नया तिकड़ी पार्क के सबसे युवा निवासियों के तौर पर अपना सफर शुरू कर रहा है। इन शावकों के छोटे-छोटे पंजों पर एक संकटग्रस्त प्रजाति का भविष्य टिका है; उनकी हर छोटी दहाड़ उम्मीद की दहाड़ है।

लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी, मुंबई तक मचा हड़कंप

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। इस वक्त की बड़ी खबर राजधानी दिल्ली से आ रही है। यहां एक बार फिर लाल किले को शनिवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। कॉलर ने मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को यह धमकी दी। इसके बाद मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम ने यह जानकारी दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को दी और फिर दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम ने नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट पुलिस को इसकी सूचना दी।

हालांकि, जांच के बाद नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने इस कॉल को झूठा करार दिया। इससे पहले दिन में, लाल किले और दिल्ली सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान शुरू किया। दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, दिल्ली सचिवालय को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। अधिकारियों ने बताया, ₹फायर डिपार्टमेंट को दोपहर 12 बजे कॉल मिली, जिसके बाद टीमों को मौके पर भेजा गया। अभी तक कुछ भी नहीं मिला है। इससे पहले भी राजधानी के दो स्कूलों को भी बम की धमकी वाले ईमेल मिले थे, जिसके बाद तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया गया। दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि पुलिस और बम निरोधक दस्ते (बॉम डिस्पोजल स्क्वाड) सहित सुरक्षा एजेंसियां दोनों स्कूलों के परिसर में गहन तलाशी ले रही हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि तलाशी अभियान के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

एक अन्य घटनाक्रम में, कोर्ट के सूत्रों ने पीटीआई को बताया कि नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने इस हफ़्ते की शुरुआत में पिछले साल लाल किले के इलाके में कार बम धमाके में मारे गए 11 लोगों के मामले में फोरेंसिक रिपोर्ट दाखिल की। सूत्रों ने बताया कि यह रिपोर्ट स्पेशल जज पीतांबर दत्त के सामने दाखिल की गई, जो अब रिपोर्ट की जांच करेंगे और इस पर आगे के आदेश देंगे। उन्होंने कहा कि इस बीच, कोर्ट ने नौ आरोपियों की न्यायिक हिरासत 13 जुलाई तक बढ़ा दी। एनआईए ने 14 मई को पिछले साल 10 नवंबर को राजधानी को दहलाने वाले जबरदस्त आईईडी धमाके (जो गाड़ी में रखे बम से हुआ था) के सिलसिले में 7,500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी।

पिछले महीने, एनआईए ने गाड़ी में रखे बम धमाके में शामिल होने के आरोप में तीन और लोगों के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की। इनमें एक फरार पीडियाट्रिशियन (बच्चों का डॉक्टर) भी शामिल है, जिसकी पहचान एक टेरर मॉड्यूल के संस्थापक सदस्य के तौर पर हुई है। इसके साथ ही इस मामले में चार्जशीट किए गए लोगों की संख्या 13 हो गई है, जिसमें मुख्य आरोपी डॉ। उमर उन नबी भी शामिल हैं,

जूनागढ़ में हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराई कार, चार लोगों की मौके पर ही मौत; 4 की हालत गंभीर

अहमदाबाद, 11 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के जूनागढ़ में मजेवड़ी गांव के पास फोर-ट्रैक हाईवे पर सड़क पर खड़े एक ट्रक के पीछे तेज रफ्तार अर्टिगा कार के घुस जाने से घटनास्थल पर ही 4 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 4 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि एक बच्चा का चमत्कारिक रूप से बचा गया है। जानकारी के अनुसार, बनासकांठा जिले का एक परिवार अपनी अर्टिगा कार में सवार होकर सोमनाथ में अस्थि विसर्जन की विधि के लिए जा रहा था। जब उनकी कार मजेवड़ी गांव के पास पहुंची, तो वहां हाईवे पर एक ट्रक बंद हालत में खड़ा था।

कार चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया और कार जोरदार धमाके के साथ ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। इस गोझारी घटना में कार सवार 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार 4 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिनमें से दो की हालत अत्यंत नाजुक होने के कारण उन्हें तत्काल आईसीयू (आईसीयू) में भर्ती कराया गया है।

नीट पेपर लीक मामला

दिल्ली की अदालत ने 24 जुलाई तक बढाई सभी 13 आरोपियों की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को नीट यूजी-2026 पेपर लीक मामले में गिरफ्तार सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत 24 जुलाई तक बढ़ाई। शनिवार को सभी 13 आरोपियों की न्यायिक हिरासत खत्म होने पर उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया।

इन आरोपियों में यश यादव, मांगी लाल बिवाल, विकास बिवाल, दिनेश बिवाल, धनंजय लोखंडे, शुभम खैरनार, मनीषा हवलदार, तेजस शाह, मनोज शिरूरे, मनीषा वाघमारे, प्रहलाद कुलकर्णी, शिवराज मोटेगांवकर और मनीषा मंधारे शामिल हैं। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की जांच अभी जारी है। अब तक सीबीआई ने मुख्य मास्टरमाइंड पीवी कुलकर्णी और अन्य कोचिंग संचालकों समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। अदालत में सुनवाई के दौरान सीबीआई ने बताया कि दो-तीन लोगों पर संदेह है, जिनकी जल्द गिरफ्तारी हो सकती है। सीबीआई के अनुसार, रसायन विज्ञान के पूर्व विशेषज्ञ पीवी कुलकर्णी पेपर लीक मामले का मास्टरमाइंड है। कुलकर्णी कई सालों तक नीट के प्रश्न-पत्र तैयार करने वाले पैनल का हिस्सा रहे। उन्होंने एनटीए की प्रक्रिया का दुरुपयोग करके पुणे में विशेष कोचिंग कक्षाओं के माध्यम से छात्रों को पेपर लीक किया।

शिवराज मोटेगांवकर लातूर में आरसीसी कोचिंग के संचालक थे। जांच एजेंसियों के अनुसार, परीक्षा से करीब 10 दिन पहले ही उनके पास प्रश्नपत्र और उनके उत्तर पहुंच गए थे। आरोप है कि उन्होंने एनटीए के पैनल में शामिल कुछ लोगों, पीवी कुलकर्णी और मनीषा मंदारे के माध्यम से यह पेपर हासिल किया था। इसके बाद उन्होंने कोचिंग संस्थानों और छात्रों को कथित तौर पर नीट यूजी पेपर देकर इस घटना को अंजाम दिया।

हिंसा से डरी डॉक्टर बेटी तो पिता को लगानी पडी सीएम फडणवीस से सुरक्षा की गुहार

मुंबई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। ठाणे के डोंबिवली स्थित केडीएमसी के शास्त्री नगर अस्पताल में 6 जुलाई को हुई हिंसा और डॉक्टरों पर हमले के मामले में पीड़ित महिला डॉक्टर के पिता ने गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि मामले के आरोपियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सभी डॉक्टरों, खासकर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। साथ ही कहा कि अब उन्हें न्यायपालिका से ही न्याय मिलने की उम्मीद है।

पीड़ित डॉक्टर डॉ सृष्टि बाविस्कर के पिता डॉ महेंद्र बाविस्कर ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ लोग पुलिस और पुलिस आयुक्त पर दबाव बनाकर आरोपियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा,'ऐसा नहीं होना चाहिए। अब हमें न्यायपालिका पर भरोसा है कि वही इस मामले में निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करेगी।' डॉ। महेंद्र बाविस्कर ने बताया कि उनकी बेटी अभी भी गंभीर मानसिक आघात से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि घटना के बाद वह बेहद डरी हुई है और अस्पताल लौटने से भी डर रही है। उन्होंने बताया, 'डॉ। सृष्टि की हालत अभी अच्छी नहीं है। वह मानसिक रूप से बेहद परेशान है और इस घटना के सदमे से बाहर नहीं निकल पाई है। वह कई बार घबराकर नींद से उठ जाती है और रोते हुए कहती है कि लोग उसे मारने आ रहे हैं। उसे डर है कि अस्पताल लौटने पर फिर से उस पर हमला हो सकता है।

इस भय से बाहर निकलने और खुद को सुरक्षित महसूस करने में उसे समय लगेगा।' डॉ। महेंद्र बाविस्कर ने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सभी डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकारी हो या निजी अस्पताल, हर डॉक्टर को सुरक्षित माहौल मिलना चाहिए, खासकर महिला डॉक्टरों को विशेष सुरक्षा दी जानी चाहिए।

बदरीनाथ चढ़ावा हेराफेरी

निलंबित कर्मचारी की याचिका पर हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब, 16 जुलाई को सुनवाई

नैनीताल, 11 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने विश्व प्रसिद्ध श्री बदरीनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई जाने वाली थाली भेंट की गणना के दौरान वित्तीय अनियमितता के आरोप में निलंबित कर्मचारी प्रमोद नौटियाल की ओर से अपने निलंबन आदेश व पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के बाद 16 जुलाई की तिथि नियत करते हुए सरकार को स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई।

मामले के अनुसार मंदिर समिति को 2 जुलाई 2026 को सूचना मिली थी कि श्री बदरीनाथ मंदिर में "थाली भेंट" की गिनती के दौरान वित्तीय गड़बड़ी की गई है। इस पर संज्ञान लेते हुए मंदिर समिति के अध्यक्ष के आदेशानुसार एक विभागीय जांच समिति का गठन किया गया था।

विभागीय जांच समिति की प्रारंभिक जांच आख्या में यह बात सामने आई कि मंदिर समिति के कार्मिक प्रमोद नौटियाल ने कथित तौर पर सुबह लगभग नौ बजे से साढ़े नौ बजे के बीच थाली भेंट गणना स्थल से अवैध रूप से धनराशि उठाई थी। इस पुष्टि के बाद मंदिर समिति द्वारा आरोपी कार्मिक प्रमोद नौटियाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। मंदिर समिति के आदेशों के क्रम में श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के प्रभारी मंदिर अधिकारी युद्धवीर पुष्पवान ने कोतवाली श्री बदरीनाथ में लिखित तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है।

इंजीनियर रशीद कल जेल में करेंगे सांकेतिक भूख हड़ताल

एआईपी बोली- 'इतिहास मिटाने की कोशिश नाकाम होगी'

श्रीनगर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। टेरर फंडिंग के आरोपित बारामुला से सांसद और अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के अध्यक्ष इंजीनियर रशीद 13 जुलाई के तिहाड़ जेल में सांकेतिक भूखहड़ताल करेंगे। एआइपी के प्रवक्ता ने बताया कि इंजीनियर रशीद की यह हड़ताल 13 जुलाई 1931 को मारे गए लोगों की याद में जम्मू कश्मीर में हर वर्ष 13 जुलाई को आयोजित किए जाने वाले सरकारी समारोह को समाप्त करने के विरोध में है। एआइपी की मांग हे कि 13 जुलाई को राजपत्रित अवकाश को फिर से बहाल किया जाए।

एआईपी के अनुसार, इस भूख हड़ताल का उद्देश्य यह संदेश देना है कि ऐतिहासिक घटनाओं और बलिदानों को प्रशासनिक फैसलों से मिटाया या बदला नहीं जा सकता। आपको बता दें कि शहीद दिवस हर साल 13

जुलाई को उन 22 नागरिकों की याद में मनाया जाता है, जो 1931 में डोगरा शासन के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान मारे गए थे। नबी ने आरोप लगाया कि 2015 में पीडीपी भाजपा गठबंधन सरकार के दौरान 13 जुलाई से जुड़े सरकारी आयोजनों को बंद कर दिया गया। इसके बाद पार्टी के अनुसार, इस दिन को लेकर आधिकारिक रवैया बदल गया। उन्होंने दावा किया कि तब से लोगों को शहीदों की कब्रगाह पर जाकर श्रद्धांजलि देने से भी रोका जा रहा है।

सेब पर मौसम की मार, इस बार उपज कमजोर होने से बागवान परेशान

शिमला, 11 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष सेब सीजन कमजोर रहने के संकेत हैं। राज्य बागवानी विभाग के प्रारंभिक आकलन के अनुसार इस वर्ष प्रदेश में सेब की करीब 2.18 करोड़ पेटियों (करीब 4.38 लाख मीट्रिक टन) का उत्पादन होने का अनुमान है। वर्ष 2025 में 3.04 करोड़ पेटियां (करीब 6.99 लाख मीट्रिक टन) पैदा हुई थीं। उत्पादन में इस बड़ी गिरावट के चलते बागवानों को 2500 करोड़ रुपये तक का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

राज्य बागवानी विभाग के अनुसार उत्पादन घटने का सबसे बड़ा कारण फ्रूट सेटिंग के दौरान मौसम अनुकूल नहीं रहना है, इसके चलते फल बनने की प्रक्रिया प्रभावित हुई। सर्दियों में पर्याप्त चिलिंग आवर्स नहीं मिलने से पौधों का विकास प्रभावित हुआ, जबकि कई क्षेत्रों में ओलावृष्टि और तेज हवाओं ने भी फसल को नुकसान पहुंचाया। हिमाचल की अर्थव्यवस्था में सेब की अहम हिस्सेदारी है और लाखों परिवार प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से इस पर निर्भर हैं। इस बार सेब उत्पादन घटने का असर बागवानों के साथ-साथ ही पैकेजिंग, परिवहन, मजदूरी, आढ़त और अन्य संबंधित कारोबार पर भी पड़ेगा। फल, फूल एवं सब्जी उत्पादक संघ हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष हरीश चौहान का कहना है कि विभाग का 2.18 करोड़ पेटियों का अनुमान शुरुआती है।

उनके अनुसार वास्तविक उत्पादन 1.50 से 1.80 करोड़ पेटियों के बीच सिमट सकता है। उन्होंने कहा कि निचले और मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में फसल सबसे अधिक प्रभावित हुई है, जबकि ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि मौसम में लगातार आ रहे बदलाव का असर सेब उत्पादन पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

थार से आए, एटीएम बांधा और उखाड़कर घसीटते हुए ले गए लुटेरे, सीसीटीवी फुटेज आया सामने

बालेश्वर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के बालेश्वर जिले में शनिवार तड़के एक हैरान कर देने वाली चोरी की घटना सामने आई है। खैरा थाना क्षेत्र के तुड़ीगड़िया बाजार में बदमाशों ने देर रात एक एटीएम मशीन को ही उखाड़ लिया और थार से घसीटते हुए ले गए। बाद में मशीन से कैश निकालने के बाद उसे सड़क पर छोड़कर फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक, यह घटना शनिवार तड़के करीब 2 बजे हुई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पांच से अधिक बदमाश एक काले रंग की थार में सवार होकर एटीएम कियोस्क पहुंचे।

वहां उन्होंने पहले एटीएम कियोस्क को थार गाड़ी से बांधा, गेट तोड़ा और फिर पूरी एटीएम मशीन को उखाड़ ले गए। इसके बाद बदमाशों ने एटीएम मशीन को सड़क पर घसीटते हुए वहां से ले गए। बताया जा रहा है कि वे मशीन को एक सुनसान जगह पर ले गए, जहां उसके अंदर रखी नकदी निकाल ली। इसके बाद क्षतिग्रस्त एटीएम मशीन को बीच सड़क पर छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना की पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद होने की बात सामने आई है। फुटेज में बदमाशों को एटीएम मशीन को थार से घसीटकर ले जाते हुए देखा गया है। पुलिस अब इन्हीं फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

समर्थकों के उपद्रव के बाद नरोत्तम मिश्रा ने कहा हिंसा न करें, हाईकमान से चर्चा करेंगे

दतिया, 11 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी ने नरोत्तम मिश्रा को टिकट नहीं दिया, जिससे नरोत्तम के समर्थक गुस्सा गए और सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने लगे। हालात ये हो गए कि नरोत्तम के समर्थकों ने पत्थरबाजी की और पुलिस की गाड़ी को भी पलटा दिया। इसके अलावा नरोत्तम समर्थकों ने बीजेपी ऑफिस पर कब्जा कर लिया। प्रदर्शनकारियों को काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। दतिया में हुए इस हंगामे के बाद पहली बार नरोत्तम मिश्रा का बयान सामने आया है।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे शांत रहें और किसी भी तरह के विरोध-प्रदर्शन से बचें, क्योंकि टिकट न देने का फैसला पार्टी का है। पार्टी फोरम में बात रखने का तरीका ये नहीं है। नरोत्तम मिश्रा ने कहा, मैं सभी कार्यकर्ताओं से निवेदन करूंगा कि मैंने जो विजुअल सोशल मीडिया पर देखे, जिसमें कार्यकर्ता पेट्रोल डाल रहे थे, मिट्टी का तेल डाल रहे थे, ऐसा कोई कार्य नहीं करें। जैसा मैंने कल कहा था कि रास्ता ब्लॉक नहीं करना है, पार्टी के फोरम पर अपने तरीके से अपनी बात कही जाती है, इस तरह से व्यक्त नहीं की जाती है। बीजेपी ने दतिया में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए नरोत्तम मिश्रा को टिकट नहीं दिया बल्कि आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बना दिया। बीजेपी के इस फैसले से नरोत्तम के समर्थक नाराज हो गए और सड़कों पर उतर आए।

नरोत्तम के समर्थकों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस पर पत्थरबाजी की। पुलिस को हालात को काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े। नरोत्तम के समर्थकों ने एनएच 44 झांसी दिल्ली हाईवे भी जाम कर दिया, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि नरोत्तम मिश्रा की गिनती मध्य प्रदेश में बीजेपी के प्रमुख नेताओं में होती है। दतिया में नरोत्तम के समर्थकों के इस व्यवहार की चर्चा पूरे राज्य की सियासत में हो रही है। अब देखना ये होगा कि बीजेपी का आलाकमान इस मामले का निपटारा किस तरह करता है और क्या फैसला लेता है।

गुजरात में सेक्स से जुड़ी दवाओं के नाम पर साइबर स्कैम रैकेट का पर्दाफ़ाश

अहमदाबाद, 11 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात सीआईडी के साइबर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस ने अहमदाबाद में एक कॉल सेंटर के ज़रिए चल रहे पूरे देश में फैले साइबर धोखाधड़ी रैकेट का पर्दाफ़ाश किया है। आरोप है कि इस रैकेट ने आयुर्वेदिक सेक्स वेलनेस दवाएं खरीदने का लालच देकर और बाद में खरीदारों पर फ़र्ज़ी पुलिस केस का डर दिखाकर लगभग 5,000 लोगों से करोड़ों रुपये ठगे। पुलिस ने सात लोगों को गिरफ़्तार किया है, जिनमें उत्तर प्रदेश के इटावा का रहने वाला मुख्य आरोपी देवेंद्रसिंह राजावत और एक महिला शामिल हैं। साथ ही, 5 करोड़ रुपये से ज़्यादा के संदिग्ध बैंकिंग लेन-देन का भी पता चला है।

साइबर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस ने 10 जुलाई को अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके में 15 सीटों वाले कॉल सेंटर पर छापा मारकर इस रैकेट का पर्दाफ़ाश किया। उत्तर प्रदेश में भी एक साथ छापे मारे गए और गिरफ़्तारियां हुईं; जांचकर्ताओं को शक है कि यह नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ था। जांचकर्ताओं के अनुसार, आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए 100% गारंटीड आयुर्वेदिक इलाज और सेक्स क्षमता बढ़ाने वाली दवाओं का प्रचार करते थे। कॉल सेंटर के कर्मचारी डॉक्टर या मेडिकल एक्सपर्ट बनकर इच्छुक ग्राहकों से संपर्क करते थे और उन्हें ऑनलाइन ऑर्डर देने के लिए मनाते थे, जिन्हें कूरियर सर्विस के ज़रिए डिलीवर किया जाता था।

गाजियाबाद की मोदी डिस्टिलरी में भीषण आग

दो स्प्रिट टैंक में धमाकों से मची अफरा-तफरी

गाजियाबाद, 11 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के मोदीनगर स्थित मोदी डिस्टिलरी में शनिवार दोपहर स्प्रिट भंडारण इकाई में अचानक भीषण आग लगने से फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के दौरान तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं और स्प्रिट से जुड़े दो कंटेनरों के फटने की सूचना सामने आई। हादसे के समय फैक्ट्री में करीब 1500 से 2000 कर्मचारी मौजूद थे। राहत की बात यह रही कि डिस्टिलरी के अत्याधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम, कर्मचारियों की सतर्कता और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई के चलते आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ा औद्योगिक हादसा टल गया। फिलहाल घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शनिवार दोपहर करीब 12 बजे स्प्रिट स्टोरेज टैंक से अचानक धुआं उठना शुरू हुआ। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया और तेज धमाकों की आवाजों से पूरा परिसर गूंज उठा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार स्प्रिट से जुड़े दो कंटेनर भी फट गए। आग की ऊंची लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने लगीं, जिससे आसपास के इलाके में भी दहशत फैल गई।

घटना के समय फैक्ट्री में बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद थे। आग लगते ही सुरक्षा प्रबंधन सक्रिय हो गया और कर्मचारियों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। समय पर निकासी होने से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई और सभी कर्मचारी सुरक्षित बाहर निकल आए।

आग की सूचना मिलते ही मोदीनगर फायर स्टेशन से दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। डिस्टिलरी में पहले से स्थापित आधुनिक अग्निशमन प्रणाली ने स्वतः सक्रिय होकर आग को अन्य स्प्रिट टैंकों और उत्पादन इकाइयों तक फैलने से रोक दिया। इसके बाद दमकल कर्मियों और फैक्ट्री कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से आग बुझाने का अभियान चलाया और कुछ समय बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले ही फायर ब्रिगेड विभाग ने डिस्टिलरी कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा और आपदा प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण दिया था। घटना के दौरान कर्मचारियों ने घबराने के बजाय तय सुरक्षा मानकों का पालन किया और शुरुआती स्तर पर आग को नियंत्रित करने के प्रयास किए। साथ ही पूरे परिसर से कर्मचारियों की सुरक्षित निकासी भी सुनिश्चित की गई। अधिकारियों का कहना है कि प्रशिक्षण का सकारात्मक असर इस घटना के दौरान साफ दिखाई दिया। फिलहाल हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग बुझने के बाद पूरे परिसर का निरीक्षण किया गया और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की गई। शुरुआती स्तर पर बॉयलर में तकनीकी खराबी को आग लगने की संभावित वजह माना जा रहा है, हालांकि अधिकारी किसी अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तकनीकी जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

पल भर की लापरवाही बनी जानलेवा

बाथरूम में बाल्टी के पानी में डूबने से 15 माह के विवान की मौत

गाजीपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। गाजीपुर से बेहद विचलित करने वाली घटना आई है। बाल्टी में डूबने से 15 माह के मासूम की मौत हो गई। घटना मुहम्मदाबाद नगर के यूसुफपुर गंज मोहल्ले की है। मृतक 2 भाइयों में छोटा था। मृतक विवान के पिता मुंबई में नौकरी करते हैं। इस घटना की सूचना के बाद वह गांव के लिए रवाना हो गए हैं। बताया जा रहा है कि घर में परिवार के लोगों ने विवान को काफी समय तक नहीं देखा तो उसकी खोजबीन शुरू की। खोजबीन के दौरान वह बाथरूम में बाल्टी के पानी में गिरा मिला। घर के लोग और पड़ोसी बिना देरी किए उसे एक प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गए। डॉक्टरों ने उसकी मेडिकल जांच की। जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। मुहम्मदाबाद नगर के यूसुफपुर गंज मोहल्ले के रहने वाले पवन जायसवाल के घर यह हादसा हुआ है। पवन का 15 माह का बेटा विवान शुक्रवार रात घर में खेल रहा था।

राम किसी दल के नहीं, पूरे देश की आस्था, सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में हो जांच

अभय दुबे ने की मांग

मेरठ, 11 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो. अभय दुबे ने शनिवार को मेरठ में मीडिया से राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण को लेकर केंद्र सरकार, भाजपा और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवान श्रीराम के नाम पर करोड़ों श्रद्धालुओं की ओर से वर्षों से अर्पित किए गए चंदे और मंदिर में चढ़ाए गए धन में कथित अनियमितताओं ने पूरे देश की धार्मिक आस्था को आहत किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसी धर्म या भगवान श्रीराम के विरुद्ध नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और जवाबदेही के पक्ष में खड़ी है। पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए।

प्रो. अभय दुबे ने शनिवार को कहा कि भगवान श्रीराम करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति, मर्यादा और नैतिक चेतना के प्रतीक हैं। राम मंदिर आंदोलन के दौरान देश के गरीब, किसान, मजदूर, महिलाओं और सामान्य श्रद्धालुओं ने अपनी मेहनत की कमाई, गहने, बचत और आस्था के साथ मंदिर निर्माण के लिए चंदा दिया। आरोप लगाया कि ट्रस्ट की शीर्ष नियुक्तियों और प्रशासनिक ढांचे में केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री कार्यालय की भूमिका रही है।

अभय दुबे ने कहा कि देश की जनता तीन प्रश्नों का उत्तर चाहती है-पहला, जब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार की देखरेख में हुआ, तो इस कथित घोटाले की जवाबदेही कौन लेगा?

दूसरा, अगर सब कुछ पारदर्शी और नियमों के अनुसार था तो ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय तथा ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे क्यों हुए?

अभय दुबे ने कहा कि तीसरा, अगर किसी प्रकार की कोई अनियमितता नहीं हुई, तो सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में स्वतंत्र जांच से सरकार और ट्रस्ट को डर किस बात का है? सरकार को इन सवालों का जवाब देश की जनता को देना चाहिए।

बोकारो-धनबाद सहित सभी जिलों में तेज बारिश

40 की स्पीड से चलेंगी हवाएं, अलर्ट जारी

रांची, 11 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में मानसून सक्रिय हो चुका है। शुक्रवार को रांची सहित कई जिलों में तेज बारिश हुई थी। इससे मौसम सुहाना हो गया था। इस बीच रांची स्थित मौसम केंद्र ने आज शनिवार को भी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। आज झारखंड के राज्य के सभी जिलों में हल्की से तेज बारिश होने की संभावना है। इस दौरान वज्रपात भी हो सकता है। रांची मौसम केंद्र ने इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम केंद्र की ओर से कहा गया है कि शनिवार से राज्य में फिर मानसून सक्रिय होगा और दो दिन पूरे राज्य में बारिश होगी। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है।

सूबे की राजधानी रांची स्थित मौसम केंद्र ने राज्य के सभी जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके मुताबिक, रांची, बोकारो, धनबाद, हजारीबाग, रामगढ़, गिरिडीह, कोडरमा, चतरा, पलामू, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, देवघर, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज और गोड्डा में बारिश होने की प्रबल संभावना है।

मौसम विभाग का कहना है कि मानसून की सक्रियता के कारण अगले कुछ दिनों तक झारखंड में रुक-रुक कर बारिश, मेघगर्जन और तेज हवाओं का दौर जारी रहने की संभावना है।

मौसम केंद्र के अनुसार, झारखंड में 1 जून से अब तक 179.1 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो इस अवधि के सामान्य 285.6 मिमी की तुलना में 37 प्रतिशत कम है।

कैमरे में कैद हुआ तेंदुआ, चीतल का किया शिकार

बरनवापारा अभयारण्य में मिले तीन शव

बलौदाबाजार, 11 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में बरनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में चीतल की मौत का मामला सामने आया है। दो घटनाओं में तीन चीतल मृत पाए गए हैं। वन अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों के अनुसार नियमित गश्त के दौरान बरनवापारा वन परिक्षेत्र के पकरीड बीट अंतर्गत दो नर चीतल मृत मिले थे। इसी क्षेत्र में एक अन्य चीतल का शव बरामद किया गया।

वन मंडल अधिकारी (डीएफओ) धम्मशील गनवीर ने बताया कि दोनों नर चीतलों का पोस्टमार्टम कसडोल स्थित सरकारी पशु चिकित्सालय में किया गया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में दोनों चीतलों की गर्दन पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे आशंका है कि उनकी मौत आपसी संघर्ष के दौरान हुई होगी।

गनवीर ने कहा, ''पोस्टमार्टम के दौरान उनके शरीर के अन्य हिस्सों पर किसी मांसाहारी जंगली जानवर के हमले के कोई निशान नहीं मिले। हालांकि गर्दन के आसपास खून के धब्बे पाए गए हैं, लेकिन मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही हो सकेगी।'' अधिकारियों ने कहा कि गश्त के दौरान उसी क्षेत्र में एक और चीतल मृत मिला है।

जंगल के चारागाह इलाके में एक और चीतल मृत अवस्था में मिला। वन विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण किया तो मृत चीतल के गले पर हिंसक वन्यप्राणी के हमले के निशान मिले। बारनवापारा अभयारण्य अधीक्षक कृषाणु चंद्राकर के अनुसार मृत चीतल के सभी अंग, सींग और खाल सुरक्षित मिले हैं। घटनास्थल पर किसी भी तरह की शिकार से जुड़ी मानव गतिविधि के प्रमाण नहीं मिले हैं। घटना के बाद वन विभाग ने इलाके में ट्रैप कैमरा लगाया था।

विभाग के अनुसार कैमरे में तेंदुए की तस्वीरें कैद हुई हैं। जिससे ये संकेत मिलता है कि तीसरे चीतल का शिकार तेंदुआ ने किया है। बारनवापारा अभयारण्य छत्तीसगढ़ के प्रमुख वन्यजीव क्षेत्रों में शामिल है। यहां बड़ी संख्या में चीतल, सांभर, नीलगाय और अन्य वन्यजीव पाए जाते हैं। फिलहाल वन विभाग की टीम तीसरे चीतल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

18 साल से कम उम्र में शादी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को लेकर भड़के मौलाना साजिद रशीदी

लखनऊ, 11 जुलाई (एजेंसियां)। ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की उस टिप्पणी पर असंतोष जाहिर क्या है जिसमें हाईकोर्ट ने मुस्लिम लड़कियों की शादी को लेकर टिप्पणी की है। कोर्ट ने न्यूनतम आयु से पहले लड़कियों की शादी को पॉक्सो एक्ट का उल्लंघन बताया। मौलाना साजिद रशीदी ने लिव इन रिलेशन के लिए आयु का जिक्र करते हुए हाईकोर्ट के कथन पर टिप्पणी की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस अचल सचदेव की खंडपीठ ने कहा कि शरिया या मुस्लिम पर्सनल लॉ से ऊपर पॉक्सो और बाल विवाह निषेध कानून है। शरिया या पर्सनल लॉ इसका उल्लंघन नहीं कर सकता। देश के प्रत्येक नागरिक के लिए शादी की न्यूनतम आयु समान है। शरिया कानून किसी लड़की की शादी के लिए किशोरावस्था को उपयुक्त मानता है पर यह बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 और पॉक्सो एक्ट का स्पष्ट उल्लंघन करता है। इस पर मौलाना साजिद रशीदी ने कहा कि, 'इलाहाबाद हाईकोर्ट का एक फैसला कि 18 साल से कम उम्र की लड़की की शादी पॉक्सो (POCSO) एक्ट में आएगी। बड़ी अजीब सी बात है। जिस देश में 16-17 साल की लड़की, 15 साल की लड़की रिलेशनशिप में रह सकती है, वहां 15-16 साल की लड़की जो बालिग है, वह अपनी शादी, अपना निकाह नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि, 'सवाल यह है कि संविधान में मुसलमानों को तीन चीजें मिली हैं, निकाह, तलाक और विरासत।

निकाह अपनी मर्जी से, अपने धर्म के एकार्डिंग कर सकते हैं। लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट का यह फैसला बड़ा अजीब है। जब शरीयत में बालिग होने पर लड़की की शादी जायज है तो इलाहाबाद कोर्ट को इस तरह का फैसला या पॉक्सो एक्ट के तहत इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए थीं। मैं समझता हूं यह संविधान के एकार्डिंग नहीं है।'

मौलाना साजिद रशीदी ने कहा कि, 'दूसरी बात है, बाल विवाह मुसलमानों में थोड़ी है, हिंदुओं में बहुत ज्यादा होता है।

सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में, बिहार में त्रिपुरा में, झारखंड में, असम में, राजस्थान, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना में और मध्यप्रदेश में, जाके देखिए आप।

फर्जी आधार और सिम के जरिए परोसी जा रही थी अश्लीलता

महराजगंज में गैंग का खुलासा, 4 गिरफ्तार

महराजगंज, 11 जुलाई (एजेंसियां)। महराजगंज की साइबर थाना और सिंदुरिया पुलिस ने नाबालिग बच्चों से जुड़ी आपत्तिजनक और अश्लील सामग्री को ऑनलाइन सौदा करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के चार युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

पुलिस के मुताबिक, सिंदुरिया थाना क्षेत्र के कसमरिया गांव में यह गिरोह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम और एक्स पर फर्जी आईडी बनाकार अश्लील वीडियो के लिंक बेचता था। पुलिस की छापेमारी के दौरान गिरोह के चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार युवक इंटरनेट के जरिए मासूमों के शोषण की सामग्री बेचकर पैसा कमाते थे। ग्राहकों को फंसाने के लिए पहले एक वीडियो का लिंक भेजते थे। इसके बाद पूरा सामग्री देने के नाम पर 290 से लेकर 499 रुपये तक वसूलते थे। आरोपियों ने खुद को बचाने के लिए फर्जी आधार कार्ड के जरिए फर्जी सिम खरीद रखे थे, जिससे की पुलिस इनको न पकड़ सके।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियो के पास से चार मोबाइल फोन, एक डेस्कटॉप, सीपीयू, डेटा केबल और एक्सटेंशन बोर्ड बरामद किया है।

इसके साथ आरोपियों को पास एक फर्जी आधार कार्ड और 12 आपत्तीजनक फोटो-वीडियो के स्क्रीनशॉट भी मिले हैं। आरोपियों की पहचान आकाश शर्मा(19), अरुण गौड़(20), अनुज पटेल(19) और दिनेश गौड़(20) कसमरिया गांव निवासी के रूप में हुई हैं। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज कर जेल भेज दिया है।

इस संबंध में सीओ साइबर क्राइम दीपशिखा वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि संदिग्ध गतिविधियों की लगातार निगरानी की जा रही थी। डिजिटल साक्ष्यों और साइबर सर्विलांस की मदद से इस पूरे नेटवर्क को ट्रैक किया गया। इसके बाद इस गिरोह का पर्दाफाश हुआ।

आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। सीओ दीपशिखा वर्मा ने लोगों से अपील की है कि ऐसी किसी भी सामग्री को न तो देखें और न ही दूसरों को शेयर करें।

राममंदिर : रिटायर आईएएस बनेगा सीईओ, 3 साल के लिए नियुक्ति

नृपेंद्र मिश्रा बोले- चढ़ावा चोरी कलंक, छोटापन महसूस कर रहा

अयोध्या, 11 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने शनिवार को कहा- यह एक तरह का कलंक है। इसका हम सभी को सिर्फ खेद ही नहीं है, बल्कि हम खुद को छोटा महसूस कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि व्यवस्था में सुधार होगा और इस तरह की घटनाएं दोबारा नहीं होंगी।

उन्होंने कहा-एक हाईलेवल समिति बनाई गई है। संभवतः जज उसके अध्यक्ष हैं। वे अपना निर्णय और संस्तुति ट्रस्ट को देंगे। ट्रस्ट उस पर विचार करेगा।

नृपेंद्र मिश्रा राम मंदिर निर्माण समिति की दूसरे दिन की बैठक में हिस्सा लेने शनिवार को रामकथा संग्रहालय पहुंचे। इससे पहले शुक्रवार को राम मंदिर परिसर में हुई बैठक में ट्रस्ट का कोई सदस्य नहीं पहुंचा था।

वहीं, श्रीराम मंदिर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति को लेकर बड़ी खबर है। चयन समिति की ओर से बताया गया है कि सीईओ ऐसा रिटायर्ड आईएएस या उसके समकक्ष अधिकारी होगा, जो कम से कम 20 साल सरकारी सेवा में रहा हो।

इसके अलावा उसे किसी मंदिर के संचालन का अनुभव रहा हो। ये नियुक्ति 3 साल के लिए होगी। बाद में ट्रस्ट बोर्ड कार्यकाल बढ़ा भी सकता है। सीईओ को अयोध्या में ही रहना होगा।

इधर, गोरखपुर में शुक्रवार रात सपा नेता अरविंद उपेंद्र दत्त शुक्ला ने पोस्टर लगवाए हैं। इसमें लिखा है- राम नाम जपना, श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया दान अपना।' 'रामचंद्र कह गए सिया से, ऐसा कलयुग आएगा, चोर करेगा मंदिर में चोरी, चौकीदार देखता रह जाएगा।'

नकटी कार्रवाई का विरोध करने पर बजरंग-दल पदाधिकारी हटाए गए

रायपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर के नकटी गांव में बेघर हुए परिवारों के समर्थन में बजरंग दल ने विरोध किया। 6 जुलाई को कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया और भाजपा नेताओं के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस प्रदर्शन के बाद VHP संगठन ने बजरंग दल के जिला संयोजक विजेंद्र वर्मा को पद से हटा दिया है। विजेंद्र वर्मा के मुताबिक, बुलडोजर कार्रवाई में 2 मंदिर तोड़े गए, रखरखाव की कमी से 2-3 गायों की मौत हो गई। कई बेघर परिवारों को 7 दिन बाद भी अच्छा खाना नहीं मिला। इन सभी मुद्दों को लेकर उन्होंने घेराव किया था। इसके बाद ही संगठन के प्रांत मंत्री पुरेंद्र सिन्हा ने इसे अनुशासनहीनता बताते हुए व्हाट्सऐप पर नोटिस भेजा।

वहीं, संगठन की इस कार्रवाई के बाद समर्थन में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने भी संगठन छोड़ दिया है और अलग संगठन बनाने की बात कही है। पूर्व रायपुर संयोजक विजेंद्र वर्मा ने कहा कि, जिला प्रशासन ने नकटी गांव में करीब 80 घरों को तोड़ दिया। जिन लोगों को जिस जगह विस्थापित किया गया, वहां खाने-पीने की सुविधा नहीं थी। वे जहां पर काम करते थे उससे करीब 20-30 किलोमीटर दूर बसा दिए गए। उनके पास कोई काम भी नहीं था। बेघर लोगों को जो फ्लैट दिए गए इतने छोटे हैं कि उनमें एक पूरे परिवार का रहना संभव नहीं था।

विस्थापितों के लिए बनाई गई जगह पर पानी और बिजली की सुविधा नहीं थी। नकटी गांव में कई गोवंश भी थे, जिन्हें हमने गौशाला में शिफ्ट कराया।

लोहे की चोरी में पकड़े गए भिलाई स्टील प्लांट के जीएम

इंजीनियर के साथ मिलकर 3 करोड़ से ज्यादा का कबाड़ चुराया

दुर्ग, 11 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले स्थित भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) की इकाई भिलाई इस्पात संयंत्र में बड़ी कार्रवाई हुई है। लोहे के कबाड़ की कथित चोरी के मामले में संयंत्र के दो अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दुर्ग जिले के पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि गिरफ्तार अधिकारियों की पहचान बीएसपी के महाप्रबंधक हिमांशु भूषण मलिक और एसोसिएट इंजीनियर मनोज कुमार देवांगन के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि भिलाई स्टील प्लांट में चोरी का मामला 26 मई को तब सामने आया, जब पुलिस को मिली सूचना के आधार पर भिलाई के हथखोज इलाके स्थित 'एके ट्रेडर्स' नाम की कंपनियों के परिसर में छापा मारा गया। अधिकारी ने बताया कि छापे के दौरान वहां ट्रकों और भारी वाहनों में लदी लोहे की प्लेटें, बीम, कटिंग सामग्री और अन्य सामान भी बरामद किया गया।

अग्रवाल ने बताया कि परिसर में बड़ी मात्रा में लोहे के कबाड़ का भंडार भी मिला था। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि आरोपी कथित तौर पर एक संगठित रैकेट चला रहे थे, जिसमें बीएसपी से लोहे का कबाड़ चोरी किया जाता था और उसे बेचने से पहले परिसर में अवैध रूप से जमा किया जाता था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मौके से लगभग 250 टन लोहे की प्लेटें, बीम की कटिंग और लोहे की अन्य सामग्री जब्त की। उन्होंने बताया कि चोरी किए गए कबाड़ के परिवहन और लोडिंग में इस्तेमाल किए गए वाहनों को भी जब्त किया गया। अग्रवाल ने बताया कि जब्त संपत्ति की कुल कीमत लगभग 3.22 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसमें करीब 90 लाख रुपये का लोहे का कबाड़ और वाहन एवं मशीनरी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जांच के शुरुआती चरण में 13 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और नए साक्ष्यों के आधार पर मलिक और देवांगन की इस रैकेट में कथित संलिप्तता सामने आई, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने बताया कि इन गिरफ्तारियों के साथ मामले में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या 15 हो गई है और फरार अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है।

बिहार में नाबालिग की जबरन भर दी थी मांग

अब मिली 20 साल कैद की सजा

औरंगाबाद, 11 जुलाई (एजेंसियां)। नाबालिग से जबरन शादी रचाना युवक को महंगा पड़ गया।अदालत ने आरोपी को दोषी मानते हुए शनिवार को 20 साल के सश्रम कारावास और 30 हजार रुपये जुर्माने की कड़ी सजा सुनाई है। यह मामला सिर्फ एक अपराध का नहीं, बल्कि एक नाबालिग की मासूम जिंदगी, उसके सपनों और उसके अधिकारों से खिलवाड़ का है। औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय के स्पेशल पोक्सो कोर्ट ने इस मामले में सख्त संदेश देते हुए जबरन शादी करने वाले दोषी को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत के इस फैसले को बालिकाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की दिशा में अहम माना जा रहा है।स्पेशल पोक्सो कोर्ट के न्यायाधीश लक्ष्मीकांत मिश्रा ने पोक्सो केस संख्या-79/25 और कासमा थाना कांड संख्या-87/25 में सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए एकमात्र दोषी गुंजन सिंह बंदेया को कठोर दंड सुनाया। पहले 6 जुलाई 2026 को अदालत ने आरोपी को भारतीय न्याय संहिता और पोक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी करार दिया था। दरअसल 28 जून 2025 को नाबालिग अल्ट्रासाउंड कराने के लिए रफीगंज गई थी। वहीं से आरोपी उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया। अगले दिन वह उसे हसपुरा प्रखंड स्थित देवकुंड मंदिर ले गया, जहां नाबालिग के इच्छा विरुद्ध जबरन मांग भर शादी कर ली। पीड़िता ने रोते हुए अपने पिता को फोन कर पूरी घटना की जानकारी दी, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा।

गर्भवती को 4 किमी खाट पर ढोया

सड़क नहीं होने से गांव तक नहीं पहुंच सकी एंबुलेंस, ग्रामीणों ने कहा-पहले भी हो चुका है ऐसा

गिरिडीह, 11 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के पीरटांड़ प्रखंड की मधुबन पंचायत के उत्तरी पारसनाथ टोला में बुनियादी सुविधाओं की कमी एक बार फिर सामने आई है। सड़क नहीं होने के कारण प्रसव पीड़ा से जूझ रही एक गर्भवती महिला को ग्रामीणों ने खाट पर लादकर लगभग चार किलोमीटर पैदल चलकर मुख्य सड़क तक पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, कुरुआतांड निवासी संतोष मुर्मू की पत्नी लोगो टुडू को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने एंबुलेंस सेवा से संपर्क किया, लेकिन गांव तक सड़क न होने के कारण एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी।

इसके बाद ग्रामीणों और परिजनों ने महिला को खाट पर लिटाकर दुर्गम पहाड़ी रास्तों से पिपराडीह मुख्य सड़क तक पहुंचाया। वहां से वाहन की व्यवस्था कर उसे अस्पताल भेजा गया, जहां पीरटांड़ के एक निजी अस्पताल में उसने एक बच्चे को जन्म दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है। लगभग एक माह पहले भी इसी तरह एक गर्भवती महिला को खाट पर लादकर अस्पताल पहुंचाना पड़ा था। उस घटना के बाद प्रशासन ने क्षेत्र का सर्वेक्षण भी कराया था, लेकिन सड़क निर्माण की दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। इससे पहले, शुक्रवार को कुरुआतांड, दालुवाडीह, डाहिया, ईटाबेड़ा, गाड़ापरोम, सहेरबेड़ा, जिरबेड़ा, सतकटिया और बोरवाबेड़ा सहित नौ गांवों के 100 से अधिक महिला-पुरुष समाहरणालय पहुंचे थे। उन्होंने गिरिडीह डीसी रामनिवास यादव को ज्ञापन सौंपकर सड़क, पुल-पुलिया, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग की थी। ग्रामीणों ने डीसी को बताया था कि प्रशासन द्वारा पूर्व में सर्वेक्षण किए जाने के बावजूद अब तक किसी भी विकास कार्य की शुरुआत नहीं हुई है, जिससे पूरे क्षेत्र का विकास प्रभावित हो रहा है।

सेंसेक्स में सबसे ज्यादा उछला रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर

मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 1.97अरब डालर की तेजी

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में सप्ताह के अंतिम दिन यानी शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही। सेंसेक्स के शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर सबसे ज्यादा 2.28% तेजी के साथ बंद हुआ। इससे कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 1.97 अरब डॉलर की तेजी आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अंबानी की नेटवर्थ अब 86.6 अरब डॉलर पहुंच गई है। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ में 21.1 अरब डॉलर की गिरावट आई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 23वें नंबर पर हैं। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस 17 जुलाई को पहली तिमाही के नतीजे घोषित करेगी। बीएसई पर शुक्रवार को कंपनी का शेयर 1,294.75 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 1,311 रुपये तक उछला और अंत में 2.28 फीसदी तेजी के साथ 1308.85 रुपये पर बंद हुआ। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,611.20 रुपये और न्यूनतम स्तर 1,253.65 रुपये है।

गौतम अडानी की नेटवर्थ

इस बीच भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की नेटवर्थ में शुक्रवार को 2.58 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 119 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर बने हुए हैं। देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के चेयरमैन की नेटवर्थ में इस साल 34.4 अरब डॉलर की तेजी आई है।

एलन मस्क 913 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस बने हुए हैं। शुक्रवार को उनकी नेटवर्थ में 34.6 अरब डॉलर की गिरावट आई। इस लिस्ट में गूगल को कोफाउंडर लैरी पेज (305 अरब डॉलर) दूसरे और सर्गेई ब्रिन (283 अरब डॉलर) तीसरे नंबर पर हैं। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 267 अरब डॉलर के साथ चौथे और फेसबुक के मार्क जकरबर्ग (237 अरब डॉलर) पांचवें नंबर पर हैं।

नहीं पड़ेगी इथेनॉल मिलाने की जरूरत

सस्ते में मिलेगा शुद्ध पेट्रोल, 40 डालर पर आ जाएगा कच्चा तेल

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। इथेनॉल मिले पेट्रोल यानी ई20 को लेकर इन दिनों पूरे देश में तेज बहस चल रही है। कुछ लोगों की शिकायत है कि इससे गाड़ियों का इंजन खराब हो रहा है और माइलेज में कमी आ रही है। पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने के तीन मुख्य कारण हैं। इससे महंगे कच्चे तेल के आयात में कटौती होती है, किसानों की आय बढ़ती है और ग्रीनहाउस गैस एवं पार्टिकुलेट एमिशन में कमी आती है। लेकिन ईरान युद्ध के कारण इसमें से एक समस्या का समाधान हो सकता है।

वह है कच्चे तेल की कीमत में गिरावट। इससे देश का क्रूड बिल कम हो सकता है। 2025-26 में भारत ने 123.10 अरब डॉलर का कच्चा तेल मंगाया था। इस साल ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई थी।

कई महीनों तक यह 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर रहा था और अभी 76 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। लेकिन ईरान युद्ध ने दुनिया के सबसे ताकतवर ऑयल कार्टेल ओपेक में चल रहे मतभेदों को सार्वजनिक कर दिया। यूएई इससे बाहर निकल चुका है और यह संगठन अब अपने वजूद को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

उत्पादन बढ़ाने की मांग

ओपेक के कुछ देश ईरान युद्ध के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए तेल उत्पादन बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। इससे उत्पादन कोटा को लेकर पुराने झगड़े फिर से शुरू हो गए हैं। इन्हीं झगड़ों की वजह से यूएई ने 70 साल पुराने इस संगठन को अप्रैल में छोड़ दिया था। इसे छोड़ने के साथ ही उसने अपना प्रोडक्शन काफी बढ़ा लिया है। ओपेक की दुविधा यह है कि अगर वह एकजुट रहता है तो तेल की कीमत काफी कम हो जाएगी और अगर मुनाफा बढ़ाता है तो फिर उसके बिखरने का जोखिम है ईरान युद्ध के कारण होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने से ईरान, इराक और कुवैत जैसे देशों के पास उत्पादन रोकने और इंतजार करने के अलावा कोई चारा नहीं था। अब उनमें उत्पादन कोटा के लिए खींचतान शुरू हो गई है। इस ग्रुप का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश इराक का कहना है कि अगर उत्पादन में बढ़ोतरी नहीं हुई तो वह ओपेक की मेंबरशिप की समीक्षा कर सकता है। युद्ध से इराक का उत्पादन सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ था।

भारत को मिलेगी राहत?

जानकारों का कहना है कि अगर ओपेक देश प्रोडक्शन बढ़ाते हैं तो तेल की कीमतें गिर सकती हैं। अगले साल तेल की कीमत $60 हो सकती है और 2028 में $50 या 40 डॉलर प्रति बैरल तक गिर सकती है। यह उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर होगी। इससे खासकर भारत को काफी फायदा होगा जो अपनी जरूरत का करीब 90 फीसदी तेल आयात करता है। कच्चे तेल का रेट कम होने से देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में भी गिरावट आ सकती है।

भारत की तिजोरी में आया डॉलर का सैलाब

विदेशी मुद्रा भंडार 674 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़े देखें तो 3 जुलाई 2026 को देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.26 अरब डॉलर बढ़कर 674.19 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। पिछले सप्ताह इसमें गिरावट दिखी थी, लेकिन इस बार मजबूत उछाल है। आइये विदेशी मुद्रा भंडार के बारे में और डिटेल में जानते हैं और समझते हैं कि पीएम मोदी की अपील से कितना फर्क पड़ा है।

विदेशी मुद्रा भंडार क्या है?

विदेशी मुद्रा भंडार वो पूंजी है जिसे आरबीआई डॉलर, यूरो, पाउंड, येन जैसी विदेशी मुद्राओं, सोने, आईएमएफ के स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स और आईएमएफ में रिजर्व पोजिशन के रूप में रखता है। यही भंडार जरूरत पड़ने पर रुपये को सहारा देती है और आयात का भुगतान करने और किसी आर्थिक संकट से निपटने में काम आती है। किसी भी देश के लिए मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार उसकी आर्थिक ताकत मानी जाती है।

674 अरब डॉलर कैसे पहुंचा आंकड़ा?

इस बार विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने के पीछे कई कारण रहे। सबसे बड़ा योगदान फॉरेन करेंसी एसेट्स का रहा, जो 4.51 अरब डॉलर बढ़कर 545.58 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसके अलावा सोने का भंडार भी 2.67 अरब डॉलर बढ़कर 105.21 अरब डॉलर हो गया। वहीं, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के एसडीआर और रिजर्व पोजिशन में भी हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे कुल विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत हुआ। इसके अलावा एफसीएनआर जमा और एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग्स के जरिए भी डॉलर का फ्लो बढ़ा है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूती मिली है।

पीएम मोदी ने क्या अपील की?

कुछ महीने पहले जब मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर की मांग में तेजी आई थी, तब पीएम नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से विदेशी मुद्रा बचाने की अपील की थी। उन्होंने लोगों से कहा था कि जितना हो सके विदेशी यात्राएं टालें, ईंधन बचाएं, पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें और कम से कम एक साल तक सोने की खरीदारी से बचें। असल में भारत बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और सोना आयात करता है, जिसके लिए बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है।

अमेरिका के 12.5% टैरिफ पर भारत का पलटवार! बोला- एकतरफा फैसला मंजूर नहीं

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 12.5 फीसदी अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) पर कड़ी आपत्ति जताई है। भारत का कहना है कि दोनों देशों के बीच व्यापार से जुड़े किसी भी विवाद का समाधान एकतरफा फैसलों से नहीं, बल्कि द्विपक्षीय बातचीत के जरिए होना चाहिए। इसी के तहत भारत ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि से प्रस्तावित शुल्क पर दोबारा विचार करने की अपील की है।

'धारा 301' की जांच पर उठाए सवाल

भारत ने यूएसटीआर की 'धारा 301' के तहत की गई जांच पर भी सवाल खड़े किए हैं। इस जांच में कुछ देशों पर बंधुआ मजदूरी से बने उत्पादों के आयात को लेकर कार्रवाई की बात कही गई है। भारत का कहना है कि इस जांच में कई तथ्यात्मक और कानूनी खामियां हैं और रिपोर्ट पर्याप्त सबूतों पर आधारित नहीं है।वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव बृज मोहन मिश्रा ने 8 जुलाई को हुई सार्वजनिक सुनवाई में भारत का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि भारत बंधुआ मजदूरी को खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह न सिर्फ देश का संवैधानिक दायित्व है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत भी भारत इस मुद्दे को गंभीरता से लेता है।उन्होंने कहा कि किसी देश पर व्यापक टैरिफ लगाने से पहले ठोस और विश्वसनीय सबूत होने चाहिए, लेकिन यूएसटीआर की रिपोर्ट इस कसौटी पर खरी नहीं उतरती।

46 देशों को एक साथ रखना गलत

भारत ने यह भी कहा कि यूएसटीआर ने अपनी रिपोर्ट में भारत समेत 46 देशों को एक ही श्रेणी में रख दिया है, जबकि हर देश की परिस्थितियां अलग हैं। भारत का कहना है कि रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि पूरे देश पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की जरूरत क्यों है।इसके अलावा, जांच में कुछ चुनिंदा मामलों और सामान्य व्यापार रुझानों के आधार पर निष्कर्ष निकाले गए हैं। भारत का दावा है कि देश-विशिष्ट या उद्योग-विशिष्ट सबूत पेश नहीं किए गए हैं।भारत ने यह भी कहा कि यूएसटीआर यह साबित नहीं कर पाया है कि भारत में आयात प्रतिबंधों की कथित कमी की वजह से अमेरिकी उद्योग को कोई अनुचित प्रतिस्पर्धात्मक नुकसान हुआ है। ऐसे में अतिरिक्त शुल्क लगाने का कोई मजबूत आधार नहीं बनता।बृज मोहन मिश्रा ने कहा कि भारत इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ लगातार संवाद और परामर्श के लिए तैयार है, ताकि दोनों देशों के हितों को ध्यान में रखते हुए समाधान निकाला जा सके।सुनवाई के दौरान कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने भी भारत का पक्ष रखा।

ईडी का अनिल अंबानी समूह की कंपनियों पर एजेंसी का शिकंजा

1021 करोड़ रुपये की नई संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह के खिलाफ धन शोधन जांच में बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार को ईडी ने 1,021 करोड़ रुपये की नई संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी किया। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई है। ईडी ने एक बयान में बताया कि इस अंतरिम आदेश में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के पास मौजूद रिलायंस पावर के इक्विटी शेयर शामिल हैं। इसके साथ ही, सासन पावर और रिलायंस पावर से प्राप्त होने वाली कुछ ऋण राशि भी कुर्क की गई है। यह जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से शुरू हुई थी।

क्या है पूरा मामला?

ईडी की जांच में पता चला है कि आरएचएफएल और आरसीएफएल द्वारा जुटाए गए 15,548 करोड़ रुपये के सार्वजनिक धन का दुरुपयोग किया गया। इन निधियों को रिलायंस अनिल अंबानी समूह द्वारा नियंत्रित और प्रबंधित शेल (फर्जी) और समूह कंपनियों के एक जाल के माध्यम से व्यवस्थित रूप से अन्यत्र भेजा गया। ईडी समूह के खिलाफ कई मामलों की जांच कर रहा है। इनमें धन शोधन विरोधी कानून के तहत चार प्राथमिकी और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत तीन मामले शामिल हैं। इस नवीनतम आदेश के साथ, इस मामले में कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 20,367 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। ईडी ने अब तक चार आरोप पत्र दाखिल किए हैं और आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके अतिरिक्त, फेमा के तहत 77.86 करोड़ रुपये की संपत्ति भी कुर्क की गई है। यह कार्रवाई समूह के खिलाफ चल रही जांच में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आगे क्या हो सकता है?

ईडी की यह कार्रवाई अनिल अंबानी समूह के लिए मुश्किलें बढ़ा सकती है।

जांच एजेंसियां लगातार समूह की वित्तीय गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। आने वाले समय में इस मामले में और भी खुलासे हो सकते हैं। ईडी की जांच से समूह की अन्य कंपनियों पर भी असर पड़ सकता है।

ओला इलेक्ट्रिक की बढ़ीं मुश्किलें, एनसीएलटी ने भेजा तीसरा दिवालियापन का नोटिस

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बाजार की दिग्गज कंपनी ओला इलेक्ट्रिक की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अभी कुछ ही दिन पहले यह खबर सामने आई थी कि स्टर्लिंग ई-मोबिलिटी सॉल्यूशंस और एनीवॉल्व मैंडो ई-मोबिलिटी ने कंपनी के खिलाफ दिवालियापन की कार्रवाई शुरू की है। अब इस शेयर बाजार में लिस्टेड ईवी निर्माता को एक और बड़े झटके का सामना करना पड़ा है। क्योंकि कंपनी के खिलाफ तीसरी दिवालियापन याचिका दायर की गई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की बंगलूरू बेंच ने ओला इलेक्ट्रिक के वेंडर सियोन ई-ह्वा समिट मोबिलिटी कृष्णागिरी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर याचिका पर ओला इलेक्ट्रिक को नोटिस जारी किया है। वेंडर ने कथित तौर पर 9.57 करोड़ रुपये के भुगतान में बकाया न चुकाने को लेकर ओला को अदालत में घसीटा है।ज्यूडिशियल मेंबर सुनील कुमार अग्रवाल और टेक्निकल मेंबर बनवारी लाल मीणा की पीठ ने कहा कि वेंडर द्वारा 11 मार्च 2026 के बोर्ड रेजोल्यूशन की मूल हस्ताक्षरित कॉपी और हस्ताक्षरकर्ता के पहचान दस्तावेज जमा करने के बाद, प्रतिवादी (ओला इलेक्ट्रिक) को नोटिस भेज दिया जाए। ट्रिब्यूनल ने अब इस मामले की अगली सुनवाई 31 अगस्त तय की है।

सियोन ई-ह्वा समिट मोबिलिटी के वकील ध्यान चिन्नप्पा ने ट्रिब्यूनल के सामने इस पूरे विवाद का लेखा-जोखा रखा। जिसकी अहम बाते ये हैं:ऑटो पार्ट्स की सप्लाई और मूल बकायाः वेंडर कंपनी ओला इलेक्ट्रिक को ऑटोमोबाइल पार्ट्स की सप्लाई करती थी। जब वेंडर ने 2 अप्रैल को ओला को डिमांड नोटिस भेजा था, तब ईवी निर्माता पर कुल 21.19 करोड़ रुपये का बकाया था। देनदारी पर विवादः डिमांड नोटिस मिलने के बाद, ओला इलेक्ट्रिक ने वारंटी और स्पेयर पार्ट्स की सप्लाई से जुड़ी समस्याओं का हवाला देते हुए इस देनदारी पर आपत्ति जताई थी।आंशिक भुगतान और मौजूदा बकायाः हालांकि, बाद में ओला इलेक्ट्रिक ने 21.19 करोड़ रुपये में से 10.62 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया। लेकिन इसके बाद भी 9.57 करोड़ रुपये की राशि बकाया रह गई, जिसे न चुकाने पर वेंडर ने एनसीएलटी का दरवाजा खटखटाया।

अगले हफ्ते आ रहे है तीन आईपीओ

100% तक चल रहा जीएमपी

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। आईपीओ मार्केट में पैसा लगाने वाले निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। अगले हफ्ते देश के प्राइमरी मार्केट में लगभग 11,980 करोड़ रुपये के आईपीओ खुल रहे हैं। इसमें मेनबोर्ड के दो इश्यू एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट और अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड शामिल हैं। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट की ओएफएस के जरिए 11,693 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड फ्रेश इश्यू के जरिए 126.25 करोड़ रुपये जुटाएगी जबकि एसएमई सेगमेंट में मिलवर्क्स टेक्नोलॉजीज 160.34 करोड़ रुपये का इश्यू ला रही है। तीनों इश्यू 14 जुलाई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट आईपीओ

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट हफ्ते का सबसे बड़ा इश्यू होगा। यह 14 जुलाई को खुलेगा और 16 जुलाई तक इस पर बोली लगाई जा सकेगी। कंपनी ने प्रति शेयर 545-574 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। लॉट साइज़ 26 शेयरों का है। अपर बैंड के हिसाब से रिटेल निवेशकों को एक लॉट के लिए 14,924 रुपये निवेश करने होंगे। इश्यू प्राइस के मुकाबले कंपनी का जीएमपी 20% चल रहा है।

दूसरा मेनबोर्ड इश्यू अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड है। इस टेक्सटाइल प्रोसेसिंग कंपनी का आईपीओ भी 14 जुलाई को खुलेगा और 16 जुलाई को बंद होगा। कंपनी ने 100-105 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है, जिसमें लॉट साइज 142 शेयरों का है। रिटेल निवेशकों को ऊपरी कीमत पर एक लॉट के लिए 14,910 की जरूरत होगी। कंपनी का 126.25 करोड़ का आईपीओ पूरी तरह से 1.20 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू है। शेयरों के 21 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होने की उम्मीद है।

सस्ती होंगी कई जरूरी दवाएं: सरकार ने 39 दवाओं के दाम तय किए

ज्यादा वसूली पर क्या कार्रवाई होगी?

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश (डीपीसीओ), 2013 के तहत 39 नई दवा फॉर्मूलेशन के खुदरा मूल्य निर्धारित किए हैं।

इसका उद्देश्य क्या है?

इन फॉर्मूलेशन में दवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिनमें उच्च रक्तचाप, मधुमेह, एचआईवी, हृदय रोग और आंखों के संक्रमण के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं शामिल हैं, जिनका उद्देश्य उन्हें रोगियों के लिए अधिक किफायती बनाना है। यह अधिसूचना 8 जुलाई को जारी की गई थी। यह डीपीसीओ, 2013 के तहत नई दवा निर्माणों के लिए खुदरा मूल्य निर्धारण आदेश है, न कि मूल्य कटौती आदेश। एमलोडिपाइन + बिसोप्रोलोल + टेल्मिसार्टन टैबलेट की कीमत 14.74 रुपये प्रति टैबलेट तय की गई है। आई ड्रॉप, नेपाफेनाक + मोक्सीफ्लोक्सासिन ऑप्थेल्मिक सॉल्यूशन का खुदरा मूल्य 68.64 रुपये प्रति मिलीलीटर तय किया गया है। क्लोपिडोग्रेल + एस्पिरिन + एटोरवास्टेटिन कैप्सूल, की कीमत 6.37 रुपये प्रति कैप्सूल रखी गई है। एनपीपीए ने यह भी दोहराया कि खुदरा विक्रेताओं और डीलरों को निर्माताओं द्वारा प्रदान की गई मूल्य सूचियों को प्रमुखता से प्रदर्शित करना आवश्यक है। डीपीसीओ, 2013 का हवाला देते हुए प्राधिकरण ने कहा, 'डीपीसीओ, 2013 के पैरा 24(4) के अनुसार, प्रत्येक खुदरा विक्रेता और डीलर निर्माता द्वारा प्रदान की गई मूल्य सूची और पूरक मूल्य सूची, अगर कोई हो उसको अपने व्यवसाय स्थल के एक प्रमुख हिस्से पर इस प्रकार प्रदर्शित करेगा कि इसे देखने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए यह आसानी से सुलभ हो।'

नियम ना पालन करने में क्या होगा?

अधिसूचना में आगे कहा गया है कि अगर कोई निर्माता या विपणन कंपनी अधिसूचित खुदरा कीमतों का पालन करने में विफल रहती है, तो वह अधिक वसूल की गई राशि को लागू ब्याज सहित जमा करने के लिए उत्तरदायी होगी। अधिसूचना में कहा गया है, 'अगर उपर्युक्त किसी भी उत्पाद का खुदरा मूल्य, इस मूल्य अधिसूचना और ऊपर निर्दिष्ट निर्देशों के अनुसार निर्धारित नहीं किया जाता है, तो संबंधित निर्माता/विपणन कंपनी, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के साथ पढ़े गए डीपीसीओ, 2013 के प्रावधानों के तहत, अधिक वसूल की गई राशि और उस पर लगने वाले ब्याज को जमा करने के लिए उत्तरदायी होगी।'

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सूर्य	मिथुन	मे
चंद्र	वृष	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	सिंह	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय

मिथुन	04-00	बजे
कर्क	06-12	बजे
सिंह	08-25	बजे
कन्या	10-32	बजे
तुला	12-37	बजे
वृश्चिक	14-46	बजे
धनु	17-00	बजे
मकर	19-06	बजे
कुंभ	20-57	बजे
मीन	22-36	बजे
मेष	00-12	बजे
वृष	01-56	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा**
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ रविवार कृष्ण पक्ष **12 July 2026**
तिथि - त्रयोदशी **22-30** तक उपरान्त चतुर्दशी
नक्षत्र - रोहिणी **08-29** तक उप मृगशिरा
योग - वृद्धि **20-05** रात्रि तक उप ध्रुव
करण - गर **12-18** तक उप वणिज

विशेष: प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 17-16 से 18-53 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	05-52 - 07-28 अशुभ	शुभ।	18-50 - 20-16 शुभ
चंचल	07-28 - 09-06 शुभ	अमृत	20-16 - 21-38 शुभ
लाभ	09-06 - 10-44 शुभ	चंचल	21-38 - 22-59 शुभ
अमृत	10-44 - 12-22 शुभ	रोग	22-59 - 00-22 अशुभ
काल	12-22 - 13-59 अशुभ	काल	00-22 - 01-44 अशुभ
शुभ	13-59 - 15-38 शुभ	लाभ	01-44 - 03-06 शुभ
रोग	15-38 - 17-16 अशुभ	उत्पात	03-06 - 04-28 अशुभ
उत्पात	17-16 - 18-50 अशुभ	शुभ	04-28 - 05-52- शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है। नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे ।आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें । आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — अपने वादों का सम्मान करें । आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी । आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा । ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें । आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है । आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे । इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे । आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

'करोड़ों रुपए से संवारे स्कूल, इनाम में मिला तबादला'
गंभीर बीमारियों से जूझ रहे शिक्षक विरोध तेज हो गया

सीकर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। शिक्षा विभाग में हुए वरिष्ठ अध्यापकों के तबादलों में सरकार राजनीति के साथ अमानवीयता के आरोपों से भी घिर गई है। दरअसल तबादला सूची में असाध्य रोगों से पीड़ित और करोड़ों की राशि से स्कूलों का कायाकल्प करने वाले शिक्षकों को भी प्रशासनिक आधार पर दूरदराज के स्कूलों में स्थानांतरित कर दिया गया है। मामले में कई गांवों में इन तबादलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी शुरू हो गए हैं।

केसः1-शहीद नेमीचंद राबाउमावि खुड़ी के वरिष्ठ अध्यापक उपेंद्र शर्मा ने भामाशाहों के सहयोग से करीब डेढ़ करोड़ की राशि से स्कूल को तीन मंजिल में त्रिस्तरीय ग्रीन वाटिका, बांस की हट और इलेक्ट्रिक साइन बोर्ड आदि के साथ आकर्षक रूप दिया। निजी स्कूलों की तर्ज पर स्कूल यूनिफॉर्म, स्पोकन इंग्लिश, और वाहन सरीखी सुविधा से नामांकन 95 से 308 तक पहुंचाया। ग्रीष्मकालीन अवकाश में भी कार्य करने के साथ अपनी जेब से करीब छह लाख रुपए भी स्कूल विकास में खर्च किए। पर इस काम का ईनाम भी उन्हें चूरू ट्रांसफर के रूप में दिया गया। जिसे लेकर ग्रामीणों में खासा आक्रोश भी है।

केसः2-धोद की राउप्रावि मोल्यासी की संस्था प्रधान अंजना कालेर भामाशाहों के सहयोग से स्कूल में 12 लाख रुपए से ज्यादा का विकास कार्य करवा चुकी है। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के आयोजन के साथ उनके काल में ही चार बच्चों का राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता और पांच बच्चों का एनएमएमएस में चयन हुआ। एक बंजर भूमि में खेल मैदान के विकास के साथ उन्होंने सघन वृक्षारोपण भी करवाया। उनका तबादला भी चूरू किया गया है। आक्रोशित ग्रामीण यहां स्कूल की तालाबंदी कर विरोध जता चुके हैं।

लोसल निवासी महावीर भामू का हार्ट का दो बार ऑपरेशन हो चुका है। उन पर निर्भर मां भी लकवे की शिकार है। उनका भी तबादला जैतपुरा से करीब 200 किमी दूर बिल्लुका बास रामपुरा किया गया है। इसी तरह शहर की हरदयाल स्कूल की शिक्षिका सुमन भानुका की एक किडनी खराब है। दूसरी का भी उपचार चल रहा है। इस हालत में भी उन्हें सीकर से 60 किमी दूर ताजसर में स्थानांतरित किया गया है। शिक्षा विभाग की तबादला सूची को लेकर खिलाड़ियों में भी विरोध है। खिलाड़ियों ने बताया कि पीएम श्री गोकुलपुरा स्कूल में कार्यरत सीनियर फिजिकल एजुकेशन शिक्षक कौशल्या चौधरी ने विभिन्न खेलों के 150 से ज्यादा खिलाड़ी तैयार किए। कौशल्या चौधरी का तबादला चूरू जिले में कर दिया है। जबकि उनका चयन साक्षात्कार के जरिए हुआ है।

तबादलों के विरोध में राजस्थान शिक्षक संघ ने आंदोलन की घोषणा की है। जिलाध्यक्ष विनोद पूनिया और जिलामंत्री फारूक अली खान ने आरोप लगाया कि स्थानांतरण प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई और कई शिक्षकों को प्रताड़ित किया गया। संघ का कहना है कि तबादलों से कई स्कूल शिक्षकविहीन हो गए हैं। जिला संघर्ष समिति संयोजक सुभाष ढाका ने बताया कि 13 जुलाई को ब्लॉक मुख्यालयों पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन, 14 जुलाई को शिक्षा निदेशक को ज्ञापन, 15 जुलाई को जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन व पुतला दहन तथा 17 जुलाई को संभाग मुख्यालयों पर जेडी कार्यालयों का घेराव किया जाएगा।

पंचायत और निकाय चुनाव को लेकर मदन दिलावर का बड़ा बयान
हमारी सरकार भी चुनाव कराने के पक्ष में है

अलवर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर दौरे पर पहुंचे शिक्षा और पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने पंचायत-नगर निकाय चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ कहा कि हमारी सरकार भी चुनाव कराने के पक्ष में है। लेकिन, अभी ओबीसी आयोग की रिपोर्ट का इंतजार है। ओबीसी आयोग की रिपोर्ट मिलते ही राजस्थान में पंचायत और नगर निकाय चुनाव कराए जांएगे।

शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ट्रेन से अलवर पहुंचे। यहां सर्किट हाउस में उनका स्वागत भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता व पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल ने किया। मंत्री मदन दिलावर लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के चिमरावली सिख गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में मां सरस्वती की प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

इससे पहले सर्किट हाउस में मीडिया बातचीत के दौरान मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि उन्होंने कहा कि राजस्थान में पंचायत-नगर निकाय चुनाव कराना भजनलाल सरकार की प्राथमिकता है, लेकिन पंचायत व निकायों में ओबीसी आरक्षण लागू करने की सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन है, उसकी भी पालन जरूरी है।

ओबीसी आयोग की रिपोर्ट मिलने के बाद मंत्रिमंडल में विचार-विमर्श करके इसे लागू किया जाएगा। इसके बाद भजनलाल सरकार प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव कराएगी। मदन दिलावर ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वे लोग ही चुनाव की चर्चा कर रहे हैं, जिन्होंने लोकतंत्र की हत्या की है। कांग्रेस ने 1975 में इमरजेंसी लगाकर कांग्रेस ने संविधान का गला घोंटा था। वे लोग आज चर्चा कर रहे है कि भाजपा चुनाव नहीं करना चाहती है। लेकिन, भाजपा सरकार चुनाव कराने के पक्ष में है और सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार ओबीसी आयोग की रिपोर्ट आते ही इस पर विचार करेगी। हमारी सरकार जल्द ही राजस्थान में चुनाव कराएगी।

बता दें कि राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से 31 जुलाई तक चुनाव कराने की समय सीमा में अब सिर्फ 15 दिन बाकी है, लेकिन निर्वाचन आयोग ने राजस्थान सरकार को साफ बता दिया है कि आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी चुनाव कराने के लिए कम से कम 90 दिन चाहिए। पहले राजस्थान हाईकोर्ट के 15 अप्रेल तक चुनाव कराने के आदेश दिए थे। जिसकी पालन नहीं हो पाई थी। अब दूसरी बार भी कोर्ट की तय समय सीमा पर संकट खड़ा होता दिख रहा है।

स्कूल के लिए निकले छात्र की संदिग्ध मौत, माही नदी में मिला शव
परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

बांसवाड़ा, 11 जुलाई (एजेंसियां)। शहर के तिरुपति नगर से गुरुवार सुबह स्कूल के लिए निकला 12वीं कक्षा का छात्र प्रतापगढ़ जिले के पीपलखूंट क्षेत्र स्थित माही नदी में मृत मिला। छात्र के लापता होने के बाद पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की थी। शव मिलने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पुलिस के अनुसार तिरुपति नगर निवासी तुलसी राठौड़ ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका पुत्र देवराज सिंह राठौड़ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नूतन में कक्षा 12वीं का छात्र था। गुरुवार सुबह वह स्कूल ड्रेस पहनकर बैग के साथ घर से स्कूल के लिए निकला था लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने अपने स्तर पर तलाश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस ने छात्र के दोस्तों से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार दो दोस्तों ने बताया कि स्कूल से निकलने के बाद वे माही नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान देवराज नदी में डूब गया। दोस्तों के बताए स्थान पर एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीम ने प्रतापगढ़ जिले के पीपलखूंट क्षेत्र में माही नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। कई घंटों की तलाश के बाद शाम को छात्र का शव बरामद कर लिया गया। इसके बाद पीपलखूंट थाना पुलिस के सहयोग से शव को बांसवाड़ा जिला अस्पताल की मोर्चरी में लाया गया।

शव मिलने के बाद परिजनों ने छात्र की हत्या की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। डीएसपी मनीष चारण ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि छात्र की मौत केवल डूबने से हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। उन्होंने कहा कि जांच में यदि किसी की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की बड़ी कामयाबी : बीहड़ से दबोचे राजाखेड़ा फायरिंग के आरोपी

पुलिस ने अपराधियों को गिरफ़्तार किया

धौलपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। राजाखेड़ा कस्बे में 6 जुलाई को दिनदहाड़े तीन अलग-अलग स्थानों पर फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो इनामी बदमाशों को धौलपुर पुलिस ने महज 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों पर एसपी विकास सांगवान द्वारा 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। आरोपियों की पहचान अभिषेक (राजाखेड़ा) और सचिन (आगरा) के रूप में हुई है।

पुलिस, डीएसटी और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने अंधियारी के बीहड़ों में दबिश देकर दोनों को दबोचा। इस दौरान मिट्टी के टीले से कूदने के कारण दोनों आरोपी घायल हो गए, जिनका पुलिस अभिरक्षा में इलाज जारी है। पुलिस ने इनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त अपाचे बाइक, एक देसी कट्टा और पांच कारतूस बरामद किए हैं। आरोपियों ने प्रवीण जैन, कौशल जैन और राज मोहम्मद पर जानलेवा फायरिंग की थी। फिलहाल पुलिस तीसरे फरार आरोपी लुक्का की तलाश कर रही है।

6 दिन में 5 प्रसूताओं की मौत, अशोक गहलोत और हनुमान बेनीवाल ने भजनलाल सरकार पर बोला जुबानी हमला

भीलवाड़ा, 11 जुलाई (एजेंसियां)। कोटा-बीकानेर के बाद अब भीलवाड़ा और बांसवाड़ा में प्रसूताओं की मौत के मामले सामने आए है। प्रसूताओं की मौत के मामलों को लेकर राजस्थान में सियासत तेज हो गई है। भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में 6 दिन में पांच प्रसूताओं की मौत हो चुकी है। वहीं, बांसवाड़ा के सरकारी अस्पताल में भी दो प्रसूताओं की मौत हो गई। सरकारी अस्पतालो में लगातार हो रही प्रसूताओं की मौत ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या राजस्थान को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। गहलोत ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और मौतों की निष्पक्ष जांच की मांग भी उठाई। वहीं, नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि राजस्थान की बदहाल सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था लगातार माताओं की जान ले रही है।

भीलवाड़ा के मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में 6 दिन में 5 प्रसूताओं की मौत हो चुकी है। जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा के अस्पताल में 5 जुलाई को शिमला गुर्जर की मौत हुई थी। इसके बाद 7 जुलाई को फोरी देवी, 8 जुलाई को ईशा पांडे, 9 जुलाई को दिव्या और 10 जुलाई को सगीता जानगर की जान चली गई थी। इन सभी महिलाओं की सिजेरियन डिलीवरी हुई थी। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें मेडिकल आईसीयू भेजा गया था, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया था। हैरान कर देने वाली बात ये है कि ऑपरेशन थिएटर की संक्रमण जांच रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। एमजीएच अधीक्षक भीलवाड़ा डॉ. अरुण गोड़ ने मौतों का कारण गंभीर प्रसूति जटिलताओं को बताया है। साथ ही डॉक्टरों की लापरवाही से मौत होने के आरोपों से इनकार किया है।

हनुमान बेनीवाल, पूर्व सीएम अशोक गहलोत

मामला सामने आने के बाद राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा कि भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में मात्र 6 दिनों में 5 प्रसूताओं की मृत्यु और बांसवाड़ा में भी हुई मौतें हृदयविदारक एवं बेहद चिंताजनक हैं। शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ऑपरेशन थिएटर में संक्रमण की रिपोर्ट पॉजिटिव होने के बावजूद लगातार सीजेरियन करते रहना और 30-40 ऑपरेशनों के बीच महज 5 सर्जिकल सेट होना सीधे तौर पर घोर लापरवाही और बदहाल चिकित्सा व्यवस्था को दर्शाता है। कोटा और बीकानेर, जोधपुर के बाद अब भीलवाड़ा की यह स्थिति विचलित करने वाली है।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सरकार पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या राजस्थान को भाजपा सरकार ने भगवान भरोसे छोड़ दिया है? एक के बाद एक ऐसी घटनाएं जैसे सामने आ रही हैं वह दिखाता है कि सरकार का इस सबसे कोई मतलब नहीं है। राजस्थान के अलग-अलग अस्पतालों में बनी ऐसी स्थिति के सही मूल्यांकन एवं निदान के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय को एक्सपर्ट की टीम भेजकर जांच करवानी चाहिए, जिससे प्रसूताओं की जान बचाई जा सके।

साइबर ठगों की करतूत, मंत्री संजय शर्मा के नाम से बनाया फर्जी अकाउंट, निवेश के नाम पर ठगी की कोशिश

जयपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। साइबर ठगों ने राजस्थान सरकार के वन राज्य मंत्री संजय शर्मा के नाम और फोटो का इस्तेमाल कर सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बना लिया है। इस फर्जी प्रोफाइल के जरिए लोगों को मैसेज भेजकर विभिन्न ग्रुपों में जोड़ने, निवेश योजनाओं का लालच देने और आर्थिक लाभ का झांसा देकर ठगी करने की कोशिश की जा रही है। मामला सामने आने के बाद मंत्री ने स्वयं अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट साझा कर आमजन को सतर्क रहने की अपील की है।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा

मंत्री संजय शर्मा ने अपनी पोस्ट में कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि सोशल मीडिया पर उनके नाम और तस्वीर का दुरुपयोग कर एक फर्जी अकाउंट संचालित किया जा रहा है। यह अकाउंट लोगों को अलग-अलग ग्रुपों, निवेश योजनाओं और अन्य गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अकाउंट का उनसे किसी भी प्रकार का कोई संबंध नहीं है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसे किसी भी संदेश, लिंक या निवेश संबंधी प्रस्ताव पर बिल्कुल भरोसा न करें। साथ ही किसी भी व्यक्ति या अकाउंट के साथ अपनी व्यक्तिगत जानकारी, बैंक खाते का विवरण, ओटीपी, पासवर्ड या अन्य वित्तीय जानकारी साझा न करें। साइबर ठग अक्सर प्रभावशाली व्यक्तियों के नाम और फोटो का दुरुपयोग कर लोगों का विश्वास जीतने की कोशिश करते हैं और फिर उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं।

मंत्री संजय शर्मा ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित रहने की अपील करते हुए कहा कि जागरूकता ही साइबर ठगी से बचाव का सबसे मजबूत हथियार है। मंत्री ने सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से फर्जी प्रोफाइल के खिलाफ सहयोग करने की भी अपील की है। उन्होंने कहा कि इस फर्जी अकाउंट को तुरंत रिपोर्ट और ब्लॉक करें ताकि इस तरह की धोखाधड़ी पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। उनका कहना है कि जनता की सतर्कता और सहयोग ही साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी जनप्रतिनिधि, सरकारी अधिकारी या प्रसिद्ध व्यक्ति के नाम से आने वाले निवेश संबंधी संदेशों की पहले आधिकारिक स्रोतों से पुष्टि करनी चाहिए। यदि कोई संदिग्ध संदेश प्राप्त हो तो उसकी शिकायत संबंधित सोशल

पांचना बांध प्रकरण पर पुलिस सख्त
146 फेसबुक अकाउंट कर दिए बंद, भड़काऊ पोस्ट करने वाले 48 लोग नामजद

करौली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। करौली-सवाईमाधोपुर में पांचना बांध के पानी को लेकर सोशल मीडिया पर की जा रही भड़काऊ और अभद्र टिप्पणियों के मामले में जिला पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने मामले में अलग-अलग थानों में 3 FIR दर्ज की हैं। साथ ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री साझा करने वाले 146 फेसबुक अकाउंट बंद करने की कार्रवाई की है।

पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने बताया कि सोशल मीडिया पर दो पक्षों के बीच विवाद बढ़ाने वाली पोस्ट और टिप्पणियों को गंभीरता से लिया गया है। मामले में करौली और सवाईमाधोपुर जिलों में 24-24 लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर की गई कुछ टिप्पणियों से क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द और कानून व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बनी थी। इसी को देखते हुए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई शुरू की है। पुलिस अब संबंधित अकाउंट्स, पोस्ट, वीडियो और अन्य डिजिटल सामग्री की जांच कर रही है।

पांचना बांध प्रकरण से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट और वायरल वीडियो की जांच अब करौली और सवाईमाधोपुर के अलावा अन्य जिलों तक भी बढ़ा दी गई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आपत्तिजनक पोस्ट कहां से अपलोड की गई और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं। इसके लिए साइबर टीम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय अकाउंट्स और साझा की गई सामग्री की गहन जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान यदि कोई व्यक्ति आपराधिक गतिविधि में शामिल पाया जाता है या उसकी ओर से कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाली सामग्री साझा की गई है।

रिटायरमेंट से 21 दिन पहले एसीबी के जाल में फंसे औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम के सीनियर डीजीएम
जूनियर असिस्टेंट भी गिरफ्तार

अजमेर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम में बड़ी ट्रैप कार्रवाई करते हुए अजमेर के सीनियर डिप्टी जनरल मैनेजर (डीजीएम) और ब्यावर के एक जूनियर असिस्टेंट को कथित रूप से रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। एसीबी के अनुसार दोनों पर लीज डीड जारी करने के एवज में कुल 85 हजार रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है।

लीड डीड जारी करने के एवज में रिश्वत लेते गिरफ्तार हुए दो अधिकारी

शिकायतकर्ता ने एसीबी से शिकायत की थी कि रीको अधिकारियों द्वारा लीज डीड से संबंधित कार्य करने के बदले रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी जयपुर की टीम ने सुनियोजित तरीके से ट्रैप कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान शिकायत-कर्ता पहले अजमेर स्थित रीको यूनिट कार्यालय पहुंचा। एसीबी के अनुसार जैसे ही 50 हजार रुपये की रिश्वत राशि का लेन-देन हुआ, पहले से तैनात टीम ने सीनियर डीजीएम अंजय विश्वकर्मा को मौके से गिरफ्तार कर लिया। इसी दौरान ब्यावर में रीको के जूनियर असिस्टेंट कमलेश को 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। एसीबी के मुताबिक दोनों आरोपियों ने मिलकर लीज डीड जारी करने के बदले कुल 85 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत के सत्यापन के बाद अजमेर और ब्यावर में एक साथ ट्रैप कार्रवाई की गई।

बता दें कि सीनियर डीजीएम अंजय विश्वकर्मा 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले थे और अपनी सेवानिवृत्ति के मात्र 21 दिन पहले एसीबी के शिकंजे में आ गए। उनकी मूल पदस्थापना किशनगढ़ में है, जबकि उनके पास अजमेर यूनिट का अतिरिक्त प्रभार भी था। फिलहाल एसीबी गिरफ्तार होने वाले दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। साथ ही उनके कार्यालयों और अन्य संभावित ठिकानों से संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

सोनोग्राफी रजिस्ट्रेशन के लिए 30 हजार की रिश्वत लेते दलाल गिरफ्तार

उदयपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में सोनोग्राफी मशीन के रजिस्ट्रेशन की स्वीकृति के बदले रिश्वतखोरी का बड़ा मामला सामने आया है। एसीबी बांसवाड़ा इकाई ने संयुक्त निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं (जोन उदयपुर) में कार्रवाई की। जेडी के दलाल को 30 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि बांसवाड़ा इकाई को शिकायत मिली थी कि एक निजी लैब में सोनोग्राफी मशीन के संचालन के लिए रेडियोलॉजिस्ट चिकित्सक का नाम जोड़कर रजिस्ट्रेशन स्वीकृत करने के एवज में 1.30 लाख रुपए रिश्वत मांगी जा रही है।

संयुक्त निदेशक डॉ. रतन बिलवाल के दलाल अब्दुल कादिर को 30 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। ट्रैप की भनक लगने पर आरोपी दलाल रिश्वत की राशि परिवादी के कार्यालय में छोड़कर भागा, लेकिन एसीबी टीम ने उसे दबोच लिया। वहीं, मुख्य आरोपी डॉ. रतन बिलवाल कार्रवाई की सूचना मिलते ही कार्यालय से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

रिश्वत मांग जेडी डॉ. रतन बिलवाल ने दलाल अब्दुल कादिर से करवाई। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने के आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए। जांच के दौरान आरोपी ने 30 हजार रुपए की पहली किस्त लेने पर सहमति जताई। उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन और पुलिस उपाधीक्षक रतनसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में कार्रवाई की। इस दौरान अब्दुल कादिर ने परिवादी से 30 हजार रुपए गिनकर लिए। एसीबी की भनक लगने पर राशि छोड़कर भागने का प्रयास किया।

खेल कोटे की नौकरी पर सवाल, एआईयू गेम्स में फर्जी मेडल और सर्टिफिकेट का खेल उजागर

जयपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में मिलने वाले 2 प्रतिशत खेल कोटे का लाभ उठाने के लिए बड़े स्तर पर फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। आरोप है कि एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज गेम्स के नाम पर फर्जी खेल उपलब्धियां और प्रमाण पत्र तैयार कर नौकरी हासिल करने का प्रयास किया गया।

एक जांच में सामने आया है कि कुछ खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही मेडल जीतने के प्रमाण दिखाकर खेल कोटे के तहत नौकरी के लिए आवेदन कर दिया। इसके बाद विश्वविद्यालयों से ऐसे प्रमाण पत्र जारी किए गए, जिनमें खिलाड़ियों के टूर्नामेंट में भाग लेने का दावा किया गया, जबकि कई मामलों में उनके विश्वविद्यालय में प्रवेश तक नहीं होने की बात सामने आई है।

खेल कोटे के तहत सरकारी नौकरी पाने के लिए खिलाड़ी अपनी खेल उपलब्धियों के प्रमाण पत्र प्रस्तुत करते हैं। इसी व्यवस्था का फायदा उठाने के लिए कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया गया। आरोप है कि कुछ लोगों ने एआईयू गेम्स में भागीदारी और पदक जीतने से जुड़े प्रमाण पत्रों में हेरफेर किया।

पड़ताल में यह भी सामने आया कि कुछ खिलाड़ियों के नाम ऐसे टूर्नामेंट रिकॉर्ड में मिले, जिनमें उनकी भागीदारी संदिग्ध बताई जा रही है। कई मामलों में विश्वविद्यालय स्तर पर खिलाड़ियों के एडमिशन और खेल गतिविधियों के रिकॉर्ड में भी अंतर पाया गया है।

खेल विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह का फर्जीवाड़ा वास्तविक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ अन्याय है। जो खिलाड़ी वर्षों तक मेहनत करके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचते हैं, उन्हें ऐसे मामलों के कारण नुकसान उठाना पड़ सकता है।

दिग्गज गायिका एस. जानकी का निधन

88 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

मैसूर, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मशहूर प्लेबैक सिंगर एस. जानकी का शनिवार को मैसूर के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 88 साल की थीं। सूत्रों के हवाले से बताया कि शुक्रवार रात उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।

एस. जानकी ने अपने करियर में 48 हजार से ज्यादा गाने रिकॉर्ड किए। इनमें ज्यादातर गाने कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में हैं। एस. जानकी को साल 1985 में अनिल कपूर की फिल्म मेरी जंग के गाने बोल बेबी बोल रॉक एंड रोल गाने से फेम मिला था। यह गाना जावेद जाफरी पर फिल्माया गया था।

एस. जानकी को चार नेशनल फिल्म अवॉर्ड और कई राज्य-स्तरीय सम्मानों से नवाजा गया है।

करीब 60 साल लंबे करियर में उन्होंने फिल्मों, म्यूजिक एल्बम, टीवी और रेडियो के लिए गाने गाए। उन्होंने हिंदी, ओड़िया, कन्नड़, उर्दू, पंजाबी और बंगाली समेत करीब 20 भारतीय भाषाओं में अपनी आवाज दी।

जानकी ने 1957 में अपने सिंगिंग करियर की शुरुआत की थी। उनका पहला हिंदी गाना साल 1958 में आई फिल्म 'मिस 58' में था, जिसका संगीत जी. रामनाथन ने तैयार किया था। साल 1985 उनके बॉलीवुड करियर का सबसे अहम दौर साबित हुआ। उन्होंने फिल्म 'साहेब' का गाना 'यार बिना चैन कहां रे' गाया। इसी फिल्म का 'जवां है दिल, जवां हैं हम' भी काफी फेमस हुआ।

इसी साल उन्होंने 'सूर संगम' में 'प्रभु मोरे अवगुण चित न धरो' और 'आयो प्रभात सब मिल गाओ' गाने गाए। वहीं, फिल्म 'मर्द' का 'सुन रुबिया तुमसे प्यार हो गया' और 'झूठी' का 'आया जब से तू दिल में' भी उनके चर्चित हिंदी गानों में शामिल हैं। इसके बाद उन्होंने 'धर्म अधिकारी', 'आखिरी रास्ता', 'नाचे मयूरी', 'सत्यमेव जयते', 'मैं तेरे लिए', 'अव्वल नंबर' और 'हमसे है मुकाबला' जैसी फिल्मों में भी अपनी आवाज दी।

कालेश्वरम की तीनों बैराजों के पुनर्वास को तैयार तेलंगाना सरकार : रेवंत रेड्डी

एनडीएसए की सिफारिशों पर होगा फैसला : मुख्यमंत्री

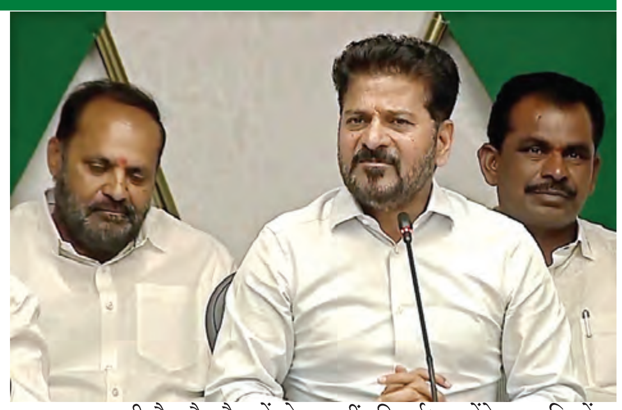

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार कालेश्वरम परियोजना की क्षतिग्रस्त मेडिगड्डा, अन्नारम और सुंदिल्ला बैराजों के पुनर्वास के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी कार्य राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) और उसकी तकनीकी समिति की सिफारिशों के अनुसार ही किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने भाजपा सांसद ईटेला राजेंद्र से अपील की कि वे एक प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली जाकर एनडीएसए और केंद्र सरकार को बैराजों की वास्तविक स्थिति से अवगत कराएं तथा कालेश्वरम परियोजना में कथित घोटाले की सीबीआई जांच को मंजूरी दिलाने का प्रयास करें। शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री ने कहा कि एनडीएसए की अंतिम रिपोर्ट के अनुसार मेडिगड्डा, अन्नारम और सुंदिल्ला बैराज वर्तमान स्थिति में जल भंडारण और पानी मोड़ने के लिए सुरक्षित नहीं हैं।

रिपोर्ट में मेडिगड्डा के सातवें ब्लॉक को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त बताया गया है, जबकि अन्नारम और सुंदिल्ला बैराजों में भी भारी क्षति के कारण पानी का भंडारण या प्रवाह मोड़ना असुरक्षित माना गया है। उन्होंने कहा कि एनडीएसए ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया है कि सभी मरम्मत एवं पुनर्वास कार्य उसकी अथवा केंद्रीय जल आयोग की स्वीकृति से ही किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि एनडीएसए स्वयं पुनर्वास कार्य संभालना चाहे तो राज्य सरकार तीनों बैराज उसे सौंपने को तैयार है। उन्होंने कहा कि ईटेला राजेंद्र केंद्र सरकार और एनडीएसए को इस दिशा में पहल करने के लिए तैयार करें। रेवंत रेड्डी ने कहा कि कन्नेपल्ली (लक्ष्मी) पंप हाउस से पानी उठाने के लिए कम से कम 93.50 मीटर जलस्तर आवश्यक है, जबकि वर्तमान जलस्तर केवल 89.90 मीटर है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि बैराजों के गेट बंद किए बिना पानी का भंडारण संभव नहीं है, लेकिन एनडीएसए ने सुरक्षा कारणों से गेट बंद करने से मना किया है। ऐसे में कन्नेपल्ली पंप हाउस से जलापूर्ति तकनीकी रूप से संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व में एक "खिलाड़ी समिति" जनता को गुमराह कर रही है और बैराजों से पानी छोड़ने को लेकर भ्रामक प्रचार कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद ईटेला राजेंद्र भी बिना तकनीकी तथ्यों की जानकारी लिए बीआरएस के सुर में सुर मिला रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि राजेंद्र सिंचाई विभाग, एनडीएसए या विशेषज्ञों से जानकारी लेकर बयान देते तो उनकी विश्वसनीयता और बढ़ती। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से पूछा कि राज्य सरकार द्वारा 1 सितंबर 2025 को जारी शासनादेश के माध्यम से कालेश्वरम परियोजना में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की जांच सीबीआई को सौंपने का अनुरोध किए जाने के बावजूद अब तक जांच क्यों शुरू नहीं की गई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कालेश्वरम परियोजना की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि परियोजना का उद्घाटन 29 जून 2019 को हुआ था और 18 मई 2020 को ही मेडिगड्डा बैराज में तकनीकी खामियों की ओर अधिकारियों ने ध्यान दिलाया था। लेकिन तत्कालीन बीआरएस सरकार ने इन चेतावनियों को नजरअंदाज किया, जिसके परिणामस्वरूप 21 अक्टूबर 2023 को मेडिगड्डा बैराज के पिलर धंस गए। इसके बाद एनडीएसए ने जांच कर योजना, डिजाइन और रखरखाव में गंभीर खामियों की पुष्टि की।

मतदाता अधिकारों की रक्षा के लिए घर-घर पहुंचे सांसद

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वंशी कृष्ण ने मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा के उद्देश्य से तंडूर क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में स्वयं भाग लिया। उन्होंने घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की, उनकी जानकारी एकत्र की और अपने हाथों से विशेष गहन पुनरीक्षण के प्रपत्र भरते हुए मताधिकार के महत्व के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर सांसद गड्डम वंशी कृष्ण ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत अमूल्य है। प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से न हटे। इसके बाद सांसद ने निकटवर्ती प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया और पल्स पोलियो अभियान में भाग लेते हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को समय पर पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं और सरकार की जनस्वास्थ्य योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं। सांसद गड्डम वंशी कृष्ण ने कहा कि वह जनता के अधिकारों और कल्याण के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करते रहेंगे। उन्होंने अधिकारियों से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ संचालित करने का आह्वान किया।

फिनलैंड में लापता छात्र का शव मिला

दो महीने बाद समुद्र से बरामद हुआ शव

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। फिनलैंड में दो महीने से अधिक समय से लापता हैदराबाद के 18 वर्षीय छात्र का शव समुद्र से बरामद हुआ है। फिनलैंड पुलिस ने शनिवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि हेलसिंकी के क्रूनुवुओरेनरांटा क्षेत्र के पास मिले शव की पहचान भारतीय छात्र मणिदीप के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा है कि मामले में फिलहाल किसी आपराधिक घटना के संकेत नहीं मिले हैं और मौत के कारणों की जांच जारी है। मणिदीप वर्ष 2025 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए फिनलैंड के लाहटी स्थित एलयूटी विश्वविद्यालय में दाखिला लेने गए थे।

अधिकारियों के अनुसार, वह 5 मई को लाहटी से हेलसिंकी पहुंचे थे और उन्हें आखिरी बार क्रूनुवुओरेनरांटा क्षेत्र में देखा गया था। उसी दिन उन्होंने अपनी मां से फोन पर बात कर जल्द लौटने की बात कही थी, लेकिन इसके बाद उनका मोबाइल फोन बंद हो गया और उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका।

छात्र के लापता होने के बाद फिनलैंड के राष्ट्रीय जांच ब्यूरो, हेलसिंकी पुलिस और सीमा सुरक्षा बल ने संयुक्त रूप से व्यापक खोज अभियान चलाया।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & टेलिकाम अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु निविदाओं की ई-प्रोक्योरमेन्ट माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित है।

1 निविदा सं. & दि.-सी_एसजी_36_608, दि.18-06-2026, बंद करने की तिथि:27-07-2026, कार्य विवरणः एससी-वाडी सेक्शनः 1) सिकंदराबाद डिवीजन के एससी-वाडी सेक्शन के बेगमपेट स्टेशन पर, आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/108/2019 (वर्शन-2) या नवीनतम नुसार, मौजूदा पुराने कोडल लाइफ कम्प्लीटेड कोच इंडिकेशन बोर्ड्स तथा एट ए ग्लान्स डिस्प्ले बोर्ड्स का प्रतिस्थापन।

2) सिकंदराबाद डिवीजन के एससी-वाडी सेक्शन के विकाराबाद स्टेशन पर, आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/108/2019 (वर्शन-2) या नवीनतम नुसार, मौजूदा पुराने कोडल लाइफ कम्प्लीटेड कोच इंडिकेशन बोर्ड्स तथा एट ए ग्लान्स डिस्प्ले बोर्ड्स का प्रतिस्थापन।

3) सिकंदराबाद डिवीजन के एससी-वाडी सेक्शन के लिंगमपल्ली स्टेशन पीएफ-3 पर, आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/108/2019 (वर्शन-2) या नवीनतम नुसार, इन्टिग्रेटेड पैसेंजर इन्फर्मेशन सिस्टम का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट।

4) सिकंदराबाद डिवीजन के केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शन के सिरपुर कागजनगर स्टेशन पर, आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/108/2019 (वर्शन-2) या नवीनतम नुसार, कोडल लाइफ कम्प्लीटेड ओल्ड ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड्स का प्रतिस्थापन।

अनुमानित मूल्य रु.23870389.00, बोली सुरक्षा/अग्रधन रु.477400.00

2.निविदा सं. & दि.-सी_एसजी_36_609, दि.18-06-2026, बंद करने की तिथि:27-07-2026,

कार्य विवरणः 1) एससीआर-एससी डिवीजन - गति शक्ति युनिट- केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शनः हसनपर्ती-उप्पल स्टेशनों के बीच किमी 344/18-20 पर एलसी नं.12 के स्थान पर टू लेन रोड ओवरब्रिज का प्रस्तावित निर्माण कार्य।

2) सिकंदराबाद डिवीजन - केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शन- एचएसपी-ओपीएल स्टेशनों के बीच किमी 343/23-25 पर एलसी नं.13 के स्थान पर टू लेन आरओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य-विस्तृत प्राक्कलन या एस्टीमेट की मंजूरी-के बारे में।

3) एससीआर--एससी डिवीजन -गति शक्ति युनिट- केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शन-ओपीएल--जेएमकेटी स्टेशनों के बीच किमी 335/22-24 पर एलसी नं.18 के स्थान पर आरओबीज के प्रस्तावित निर्माण कार्य सहित-तत्संबंधित सिग्नल & टेलिकाम या दूरसंचार व्यवस्था।

4) एससीआर--एससी डिवीजन -गति शक्ति युनिट- केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शन-जम्मीकुन्टा--बिसगिरशरीफ स्टेशनों के बीच किमी 327/11-13 पर एलसी नं.23 के स्थान पर टू लेन रोड ओवरब्रिज का प्रस्तावित निर्माण कार्य।

5) एससीआर--एससी डिवीजन -गति शक्ति युनिट- केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शन-पोटकापल्ली--बिसगिरशरीफ स्टेशनों के बीच किमी 317/5-7 पर एलसी नं.27 के स्थान पर टू लेन रोड ओवरब्रिज का प्रस्तावित निर्माण कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.57060590.60, बोली सुरक्षा /अग्रधन रु.1141200.00

3. निविदा सं. & दि.-सी_एसजी_36_610, दि.10-07-2026, बंद करने की तिथि:01-08-2026, कार्य विवरणः दूरसंचारः 1. एसआर. डीइएन/पश्चिम क्षेत्राधिकार में गोडुमगुरा (जीडीक्यू) स्टेशन पर स्टेशन बिल्डिंग के पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन सहित तत्संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं। 2. एसआर. डीइएन/पश्चिम क्षेत्राधिकार में चिट्टीगड्डा (सीटीएफ) स्टेशन पर स्टेशन बिल्डिंग के पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन सहित तत्संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं। 3. एसआर.डीइएन/पश्चिम/एससी क्षेत्राधिकार के तहत पीएफ 1 & पीएफ 2 को रेल स्तर से उच्च स्तर तक उठाना, सीओपी का प्रावधान तथा चिट्टीगड्डा स्टेशन पर यात्रियों की सुविधाएं। 4. एसइएम स्टेशनः सेरम स्टेशन पर पीएफ नं.2 को उच्च स्तर तक उठाना। 5. एसकेपी स्टेशनः पीएफ 1 & 2 को एचएल तक उठाना, सीओपी का प्रावधान, एसकेपी पर पाथवे & यात्रियों की सुविधाएं। 6. आरसीसी बाक्स सहित किमी 166/ 1-2 पुल सं.191 का पुनर्निर्माण से संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं। 7. एससी डिवीजनः एसआर. डिइएन/पश्चिम/ एससी क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशनों पर लीकेजेस को रोकने नई शीटींग तथा एसएस गट्टर्स की व्यवस्था करते हुए सीओपी के उन्नयन से संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं (एसकेपी, एनएलपी, एलपीआई, सीडीएनआर, बीआरबीडी, बीटीएनआर, एसइएम, एमक्यूआर, सीटी)। 8. केजेडजे पर रन्निंग स्टाफ के विशाम या आराम हेतु नई रन्निंग रूम से सटे फिमेल ब्लाक के निर्माण से संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं। 9. एससी डिवीजनः डिइएन/मध्य क्षेत्राधिकार के तहत एडीशनल सीओपीज का प्रावधान तथा मौजूदा सीओपीज का उन्नयन एवं नई शीटींग व गट्टर सहित मौजूदा सीओपीज का उन्नयन। (जीएनपी, एएलइआर, डब्ल्यूपी, बीएन, एमएलवाई पर मौजूदा सीओपीज का उन्नयन & जीएनपी, आरजीपी, एएलइआर, बीएन, एमएलवाई स्टेशनों पर न्यू शीटींग तथा गट्टर सहित मौजूदा सीओपीज का उन्नयन)। 10. एससी डिवीजन के 22 स्थानों पर सीओए सिस्टम्स का उन्नयन एवम् नए स्थानों जैसे घटकेसर, सनतनगर, तेलापुर, रामचंद्रपुरम स्टेशनों पर सीओए का प्रावधान। सिग्नलः1. चिट्टीगड्डा (सीटीएफ) स्टेशन पर स्टेशन मास्टर रूम के पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन सहित तत्संबंधित सिग्नल्लिंग व्यवस्था। 2. गोडमगुरा(जीडीक्यू) स्टेशन पर स्टेशन मास्टर रूम के पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन सहित तत्संबंधित सिग्नल्लिंग व्यवस्था। 3. चिट्टीगड्डा स्टेशन के तहत प्रस्तावित पीएफ 1 & पीएफ 2 के रेल स्तर से उच्च स्तर तक उठाने से संबंधित सिग्नल्लिंग व्यवस्था, सीओपी का प्रावधान & यात्रियों की सुविधाएं।

अनुमानित लागत रु.28606063.51, बोली सुरक्षा/अग्रधन रु.572100.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता/को-आर्ड./सिकंदराबाद

निविदा सूचना संख्याः 15/2026, दि.10-07-2026
भण्डारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर दर्शाई गयी हैं। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें तथा अपने आफर्स को आनलाइन पर प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी को उपरोक्त वेबसाइट पर देख सकते हैं। मैन्युएल रूप से प्रस्तुत आफर्स अमान्य हैं। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। तत्संबंधित निविदा तिथि की निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे है। ''आनलाइन पर उपलब्ध **वेबसाइटः www.ireps.gov.in** के माध्यम से ही सभी स्वदेशी प्रस्तावों, अग्रधन को स्वीकार किया जायेगा।''

निविदा संख्या	संक्षिप्त कार्य विवरण
31261021	जेर्क फ्री हाय टेन्साइल सेंटर बफ्फर
एलएच2656 80ए-24	पिन हेवी ड्यूटी कनेक्टर
86261002	भंडारण की गई या स्टोर्ड प्रेशर एबीसी टाइप डीसीपी फायर एक्स्टींग्वीशर
एलएक्स265 166	आपूर्ति, इंस्टाल्लेशन & सीपीयु की कमीशनींग
33261393	प्राइमरी रब्बर स्टाप एसेम्ब्ली
एलएन2572 68	हाय हार्स पावर ट्रैक्शन मोटर
29261518	नोज सस्पेंडेड ड्राइव हेतु लैबरिन्थ रिंग का सेट
29261246	ई-70 ब्रेक कंट्रोल युनिट हेतु किट्स का सेट
33261389	वाईएडबल्यू डैम्पर ब्रैकेट एसेम्ब्ली

टिप्पणीः निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां. - क्रम सं.01 दि.20-07-2026, क्रम सं.02 दि.21-07-2026, क्रम सं.03 से 05 दि.27-07-2026, क्रम सं.06 दि.29-07-2026, क्रम सं.07 से 08 दि.05-08-2026, क्रम सं.09 दि.10-08-2026

शुध्दिपत्र

निविदा सूचना सं.10/2026 दि.05-06-2026 निविदा सं.38262294 की निर्धारित तिथि 07-07-2026 को निर्धारित तिथि 30-07-2026 के रूप में पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.11/2026 दि.12-06-2026 निविदा सं.33261117 की निर्धारित तिथि 09-07-2026 को निर्धारित तिथि 27-07-2026 के रूप में पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.13/2026 दि.25-06-2026 निविदा सं.33261138 की निर्धारित तिथि 14-07-2026 को निर्धारित तिथि 29-07-2026 के रूप में पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.13/2026 दि.25-06-2026 निविदा सं.33261203 की निर्धारित तिथि 14-07-2026 को निर्धारित तिथि 29-07-2026 के रूप में पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.13/2026 दि.25-06-2026 निविदा सं.33261135 की निर्धारित तिथि 15-07-2026 को निर्धारित तिथि 04-08-2026 के रूप में पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.14/2026 दि.03-07-2026 निविदा सं.33261189ए की निर्धारित तिथि 14-07-2026 को निर्धारित तिथि 03-08-2026 के रूप में पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.14/2026 दि.03-07-2026 निविदा सं.33261092 की निर्धारित तिथि 16-07-2026 को निर्धारित तिथि 03-08-2026 के रूप में पढा जाना चाहिए।

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी हैं।

विवरण हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट देखें।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/ सिकंदराबाद

A526

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोर्डिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

सूचना सं. ईटी-एसआरडीएमइ-वीएसकेपी-001-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीआरएम (एमइसीएच), दक्षिण तट रेलवे-दतरे, विशाखापट्टणम द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदाकारों से वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर सिंगल पैकेट प्रणाली में ई-बोलियां आमंत्रित हैं।

कार्य विवरणः 12 महिनों की अवधि के लिए, विशाखापट्टणम डिवीजन पर मौजूदा सिंगल पाइप वैगान्स में ट्वीन पाइप एयर ब्रेक सिस्टम का रेट्रोफिटमेन्ट कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत रु.1,45,35,836.00, निविदा दस्तावेज का मूल्य रु. शून्य, जमा की जानेवाली पूर्व धरोहर राशि रु.2,90,700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, निविदा बंद करने की तिथि & समयः 31-07-2026 के 15.00 बजे

तत्संबंधित ई-निविदाओं के प्रति डाक/कोरियर/फैक्स या व्यक्तिगत तौर पर प्रेषित मैन्युएल आफर्स अस्वीकार्य होंगे, बशर्ते इसे फर्म के लेटरहेड पर भी विवरित किया गया हो तथा यह समय पर भी प्राप्त हुवा हो। इस प्रकार के सभी मैन्युएल आफर्स पर कतई विचार किए बिना सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी सहित ई-निविदा दस्तावेज या डाक्यूमेन्ट्स **वेबसाइटः** https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

टिप्पणीः भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, इस निविदा के किसीभी परिवर्तनों/शुद्धिपत्र को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से 15 दिन पहले, **वेबसाइटः**https://www.ireps.gov.in पर रिविजिट करें।

वरिष्ठ विभागीय यांत्रिक अभियंता, विशाखापट्टणम

संख्याः बी/एसजी. निविदा सूचना/ई-13/2026-27, दि.09-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.04-08-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्या & कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन के जीडीआर-बीजेडए सेक्शन में एस्टेरिस्क आधारित आईपी पीबीएक्स एटी-बीजेडए इएक्ससीएच, केसीसी, टीइएल, बीपीपी, ओजीएल, बीटीटीआर, एनएलआर & जीडीआर स्टेशनों सहित कोडल लाइफ पूरा किए हुए टेलिफोन एक्सचेंजेस का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट कार्य।

निविदा मूल्य रु.1,69,86,827.00, अग्रधन रु.339700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने

बंद करने की तिथि & समयः दि. 04-08-2026 के 15.30 बजे

वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य की जानकारी, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि उपलब्ध हैं।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in देखें।

इस निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (सिग्नल & टेलिकाम) का कार्यालय,

दक्षिण तट रेलवे, विजयवाडा स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए, निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक (एस&टी), विजयवाडा

SCoRA070

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें।

महिला की चाकू मारकर हत्या

गदवाल, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गदवाल कस्बे की बीसी कॉलोनी में शनिवार को एक 59 वर्षीय महिला की कथित रूप से चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान शंकरम्मा के रूप में हुई है। घटना के बाद आरोपी रिश्तेदार मेकाला रामोजी ने पुलिस थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार, बीसी हॉस्टल के पास रहने वाली शंकरम्मा पर उसके करीबी रिश्तेदार ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि रिश्तेदारों के बीच हुए मामूली विवाद के बाद यह घटना हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

श्री लक्ष्मी नरसिंहस्वामी मंदिर को देश का प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र बनाने का लक्ष्य : कोंडा सुरेखा

देवस्थानम् नवनियुक्त प्रबंध मंडल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं धर्मादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की परिकल्पना के अनुरूप यादागिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिंहस्वामी देवस्थानम् को देश के सर्वोत्तम आध्यात्मिक केंद्रों में विकसित किया जाएगा। उन्होंने नवनियुक्त ट्रस्ट बोर्ड से मंदिर की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। शनिवार को यादाद्रि-भुवनगिरि जिले स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंहस्वामी देवस्थानम् के नवनियुक्त प्रबंध मंडल के शपथ ग्रहण समारोह में मंत्री कोंडा सुरेखा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

मंदिर पहुंचने पर वैदिक परंपरा के अनुसार पुजारियों ने पूर्णकुंभ से उनका स्वागत किया। मंत्री ने विशेष पूजा-अर्चना में भाग लिया और वेद पंडितों से आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी भवानी शंकर ने उन्हें भगवान लक्ष्मी नरसिंहस्वामी का चित्र भेंट किया। समारोह में नवनियुक्त अध्यक्ष एम. सत्यनारायण रेड्डी तथा ट्रस्ट बोर्ड के सदस्यों ने मंत्री की उपस्थिति में शपथ लेकर औपचारिक रूप से अपने पदभार ग्रहण किए। मंत्री ने सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पहला प्रबंध मंडल होने के कारण जनता और श्रद्धालुओं की अपेक्षाएं उनसे अधिक हैं। इसलिए उन्हें पारदर्शी प्रशासन, मंदिर के समग्र विकास और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मंदिरों के विकास और श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मंदिर की पवित्रता और परंपराओं को अक्षुण्ण रखते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाए तथा सभी सदस्य आपसी समन्वय के साथ कार्य कर यादाद्रि को देशभर के श्रद्धालुओं के लिए आदर्श तीर्थस्थल बनाने में योगदान दें। इस अवसर पर भुवनगिरि के सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी, आलेर के विधायक बीरला अयिलैया, ट्रस्ट बोर्ड के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मिधानि के तत्वावधान में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मिधानि में कार्यरत आधिकारियों व कर्मचारियों को दैनिक कार्यों में कार्यालयीन शब्दावली व लघु टिप्पणियों का प्रयोग, कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग टूल्स आदि के अनुपालन से परिचित कराना रहा।

कार्यशाला के आरंभ में उद्यम के प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ.बी. बालाजी ने कार्याशाला के आयोजन का उद्देश्य बताते हुए मिधानि में राजभाषा कार्यान्वयन को गति देने के लिए लागू की गई योजनाओं के बारे में बताया। तीन सत्रों में आयोजित कार्यशाला के पहले सत्र में केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप संस्थान, राजभाषा विभाग के सहायक निदेशक (टंकण एवं आशुलिपि) संतोष कुमार ने कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग पर जानकारी दी।

दूसरे संत्र में डॉ.बी. बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) ने प्रतिभागियों को राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान, राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा राजभाषा नियम 1976 के अनुपालन की जानकारी देते हुए राजभाषा संबंधी लक्ष्यों पर चर्चा की।

तीसरे सत्र में कमालुद्दीन, सहायक निदेशक (से.नि.), हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय ने सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के उपयोग को अधिक सरल और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से लघु टिप्पणियों पर व्याख्यान दिया एवं अभ्यास करवाया। अनुवादक डॉ. विकास कुमार आज़ाद और डाक अनुभाग के कर्मी जयपाल व प्रेम की सक्रिय भूमिका रही।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री बंडी संजय के जन्मदिन पर गौलीगुडा राम मंदिर में 108 नारियल चढ़ाए गए। पूर्व पार्षद जामबाग राकेश जायसवाल, जगपति नाइक, रवि, शंकर कुबेर, राजू यादव, रवि, बाबू, संदीप, अमित और अन्य वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

ईडी के आरोप ...

इसमें बंगाल में पूर्व ममता सरकार के मंत्री सुजीत बोस का कारनामा सामने आया है। उन्होंने अयोग्य लोगों को फ्लैट के बदले सरकारी नौकरी दी है। अपराध की कमाई से साम्राज्य खड़ा कर लिया।

इससे पहले, ईडी ने सुजीत बोस को 11 मई को पीएमएलए, 2002 की धारा 19 (1) के तहत गिरफ्तार किया था। कोलकाता की स्पेशल कोर्ट (पीएमएलए) ने उन्हें 10 दिन की ईडी की कस्टडी में भेजा था। सुजीत बोस अभी न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने कोलकाता हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई द्वारा दर्ज केस के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की थी।

नाव पलटने से ...

एक टूर गाइड और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। रिपोर्ट के मुताबिक, फु क्वोक विशेष आर्थिक क्षेत्र के अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा दोपहर करीब एक बजे हुआ, जब ओशन पर्ल आइलैंड कंपनी की स्पीडबोट में अचानक तकनीकी खराबी आ गई और वह पलट गई।

आसपास मौजूद कई पर्यटक नौकाएं तुरंत बचाव के लिए मौके पर पहुंचीं। एन थोई पोर्ट बॉर्डर गार्ड स्टेशन के अनुसार, हादसे में 15 लोगों की मौत हुई है, जिनमें दो महिलाएं और 13 पुरुष शामिल हैं। वहीं, बचाए गए 21 लोगों को आपात चिकित्सा उपचार के लिए विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया है। बचाव अभियान के लिए बॉर्डर गार्ड स्टेशन ने 35 अधिकारियों और जवानों के साथ दो जहाज तैनात किए हैं। नौसेना और तटरक्षक बल भी राहत एवं बचाव अभियान में सहयोग कर रहे हैं।

पॉक्सो केस में ...

उसके माता-पिता ने तुरंत अधिकारियों को सूचना दी। हालांकि, पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने तक संदिग्ध फरार हो चुका था। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामला दर्ज कर लिया गया है। फरार संदिग्ध की तलाश जारी है। फ्यूचर सिटी कमिश्नर तरुण जोशी समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया है।

जोशी ने कहा कि फरार आरोपी की तलाश पुलिस टीम कर रही है और मामले की जांच जारी है। फरार आरोपी को गिरफ्तार कराने वाले को 2 लाख का इनाम देने की घोषणा की है। लापरवाही बरतने वाले एसआई को सस्पेंड कर दिया गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अनिमेष विदेश में सबसे तेज 100 मीटर दौड़ने वाले भारतीय

10.14 सेकेंड में रेस पूरी की; जर्मनी में अपने रिकार्ड को बेहतर किया

वेट्जलार (जर्मनी), 11 जुलाई (एजेंसियां)। अनिमेष कुजूर विदेश में सबसे तेज 100 मीटर दौड़ने वाले भारतीय बने हैं। उन्होंने जर्मनी में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर में 100 मीटर दौड़ 10.14 सेकेंड में पूरी की।

23 साल के अनिमेष ने विदेश में सबसे तेज दौड़ने के मामले में अपना ही रिकॉर्ड बेहतर किया है। यह उनका पर्सनल बेस्ट भी है। वह फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे। साउथ अफ्रीका के आर. म्लेंगा 10.03 सेकेंड के साथ पहले स्थान पर रहे।

अनिमेष का 10.14 सेकेंड का समय भारत के इतिहास का दूसरा सबसे तेज 100 मीटर प्रदर्शन है। नेशनल रिकॉर्ड 10.09 सेकेंड का है, जिसे गुरिंदरवीर सिंह ने इसी साल रांची में फेडरेशन कप में बनाया था।

मई में फेडरेशन कप के दौरान भारतीय स्प्रिंट में बड़ा बदलाव देखने को मिला था। गुरिंदरवीर सिंह ने 10.17 सेकेंड का समय निकाला और अनिमेष का रिकॉर्ड तोड़ा। इसके बाद अनिमेष ने 10.15 सेकेंड दौड़कर उससे बेहतर प्रदर्शन किया। अगले ही दिन गुरिंदरवीर ने 10.09 सेकेंड का समय निकालकर भारत के सबसे तेज धावक बने।

अनिमेष कुजूर पहले ही 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारत की 100 मीटर और 200 मीटर टीम में जगह बना चुके हैं। जर्मनी की प्रतियोगिता के बाद वे पोलैंड के स्पाला में भारतीय टीम के प्रशिक्षण शिविर से जुड़ेंगे। इसके बाद वे ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

100 मीटर दौड़ का वर्ल्ड रिकॉर्ड जमैका के उसेन बोल्ट के नाम दर्ज है। उन्होंने यह रिकॉर्ड 2009 की वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था।

1896 में मॉडर्न ओलिंपिक की शुरुआत हुई थी। 1928 तक 100 मीटर के चैंपियन श्वेत एथलीट रहे। 1932 में एडी टोलन पहले अश्वेत ओलिंपिक 100 मीटर चैंपियन बने। 1984 से 2024 तक ओलिंपिक में अश्वेत एथलीट ही 100 मीटर चैंपियन रहे। 2020 टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट लेमॉन्ट मार्सेल जैकब्स के पिता अफ्रीकी मूल के थे, जबकि मां इटैलियन थीं। इसलिए उन्हें भी ब्लैक एथलीट में गिना गया।

एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स: दूसरे दिन भारत के खाते में तीन कांस्य पदक, अभय सिंह ने 200 मीटर में दिलाई सफलता

एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। चीन के ओर्डोस में आयोजित पहली एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन कांस्य पदक अपने नाम किए। भारत के लिए दो पदक 800 मीटर दौड़ में आए, जबकि तीसरा कांस्य स्प्रिंटर अभय सिंह ने पुरुषों की 200 मीटर स्पर्धा में जीता।

भारत के शकील ने पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में 1:48.78 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक हासिल किया। वहीं, इसी स्पर्धा में भारत के विनोद कुमार बी 1:49.10 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर हे। महिलाओं की 800 मीटर दौड़ में भूमेश्वरी देवी हुइद्रोम ने 2:10.20 सेकंड का समय निकालते हुए भारत के लिए दूसरा कांस्य पदक जीता। हालांकि, भारत की वैष्णवी राजेंद्र रावल 2:10.83 सेकंड के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक उज्बेकिस्तान की जोनबीबी हुकमोवा ने 2:08.41 सेकंड के समय के साथ जीता, जबकि जापान की कुरुमी सुगुरे 2:09.42 सेकंड के साथ रजत पदक जीतने में सफल रहीं। पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में भारत के युवा धावक अभय सिंह ने 20.96 सेकंड का समय निकालते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। अभय युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं और पेरिस पैरालंपिक में पदक विजेता धाविका सिमरन शर्मा के गाइड रनर भी रह चुके हैं। इस स्पर्धा में चीन के यूवेन हुआंग ने 20.43 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जापान के कोटा उएमात्सु ने 20.58 सेकंड के साथ रजत पदक हासिल किया।

पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में भारत के शारुक खान 9:14.14 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे। वहीं, डेकाथलॉन में अभिजीत संजय भोसले ने 6610 अंक जुटाकर चौथा स्थान हासिल किया।

चैंपियनशिप के पहले दिन भारत ने शानदार शुरुआत करते हुए मिक्स्ड 4x400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता था। अस्तिक प्रधान, सैंड्रामोल साबू, सेतु मिश्रा और श्रावणी सचिन सांगले की भारतीय टीम ने 3:18.64 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। चीन (3:18.74 सेकंड) दूसरे और फिलीपींस (3:25.28 सेकंड) तीसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा पहले दिन भारत ने पुरुषों की 5000 मीटर, पुरुषों की डिस्कस थ्रो और महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ स्पर्धाओं में भी पदक जीतकर शानदार शुरुआत की थी। दूसरे दिन तीन कांस्य पदकों के साथ भारत ने प्रतियोगिता में अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है और आगामी मुकाबलों में भी भारतीय खिलाड़ियों से पदकों की उम्मीद बनी हुई है।

स्पेन फुटबॉल वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में: बेल्जियम पर भारी पड़ी गोलकीपर लामेन्स की गलती, मेरिनो ने विजयी गोल दागा

इंगलवुड (अमेरिका), 11 जुलाई (एजेंसियां)। 2010 की चैंपियन स्पेन फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। उसने दूसरा क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 2-1 से हराया। अब उसका सामना फ्रांस से होगा। यह मैच 14 जुलाई की रात 12:30 बजे खेला जाएगा।

लॉस एंजिल्स स्टेडियम में स्पेन और बेल्जियम का मुकाबला 87 मिनट तक 1-1 से बराबरी पर था। 88वें मिनट में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मिकेल मेरिनो ने विजयी गोल दागा। स्पेन के पाउ क्यूबार्सी की किक बेल्जियम के रिजर्व गोलकीपर सेने लामेन्स के हाथ से छूट गई। मेरिनो ने रिबाउंड पर गोल कर दिया।

स्पेन की टीम वर्ल्ड कप इतिहास में तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंची है। उसने पिछली बार 2010 में इस दौर में जगह बनाई थी। उस एडीशन में स्पेन ने नीदरलैंड को 1-0 से हराकर पहला खिताब जीता था। आज रात 2:30 बजे से नार्वे-इंग्लैंड और कल सुबह 6:30 बजे से अर्जेंटीना-स्विटजरलैंड के बीच क्वार्टर फाइनल मैच खेले जाएंगे। इन मैचों से दूसरे सेमीफाइनल की टीमें तय होंगी।

चार्ल्स डी केटेलेरे ने स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन के लगातार 650 मिनट तक गोल नहीं खाने का सिलसिला तोड़ दिया। सिमोन ने सबसे ज्यादा समय तक गोल नहीं खाने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने इटली के दिग्गज गोलकीपर वाल्टर जेंगा का 517 मिनट का रिकॉर्ड तोड़ा था।

स्पेन लगातार 36 इंटरनेशनल मैच से अजेय है। टीम को पिछली हार 2023 में कोलंबिया से मिली थी। उसने 2019-22 के बीच अर्जेंटीना के लगातार 36 मैच अजेय रहने के रिकॉर्ड की बराबरी की है। वह इटली के लगातार 37 जीत के रिकॉर्ड से एक जीत पीछे है। मिकेल मेरिनो लगातार दूसरे नॉकआउट मैच में स्पेन के मैच विनर साबित हुए। उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के खिलाफ इंजरी टाइम में विजयी गोल किया था। बेल्जियम के खिलाफ 86वें मिनट में मैदान पर उतरने के दो मिनट बाद ही उन्होंने निर्णायक गोल दाग दिया। वह टीम के सबसे भरोसेमंद इम्पैक्ट खिलाड़ी साबित हुए हैं।

जनवरी 2026 में मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ मैच के दौरान मेरिनो के दाएं पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर हो गया था। चोट गंभीर थी और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। करीब चार महीने के रिहैबिलिटेशन के बाद उन्होंने वर्ल्ड कप टीम में वापसी की।

स्पेन ने 30वें मिनट में फाबियन रुइज के गोल से बढ़त बनाई। बेल्जियम ने 11 मिनट बाद ही चार्ल्स डी केटेलेरे के गोल से बराबरी कर ली। यह इस वर्ल्ड कप में स्पेन के खिलाफ पहला गोल था। बेल्जियम के अनुभवी गोलकीपर थिबाउ कोर्टुआ 71वें मिनट में जांघ की चोट के कारण मैदान छोड़ने को मजबूर हुए। उनकी जगह आए सेने लामेन्स निर्णायक क्षण में बॉल नहीं संभाल सके, जिसका स्पेन ने फायदा उठाया। स्पेन और फ्रांस मौजूदा दौर की सबसे मजबूत यूरोपीय फुटबॉल टीमों में गिनी जाती हैं। स्पेन तेज पासिंग और बॉल पजेशन के लिए जाना जाता है। फ्रांस की ताकत तेज काउंटर अटैक और मजबूत फॉरवर्ड लाइन है। ऐसे में सेमीफाइनल को टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला माना जा रहा है।

सर्वेश कुशारे डायमंड लीग में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय हाई जम्पर

मुंबई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के 31 साल के हाई जम्पर सर्वेश कुशारे ने डायमंड लीग में इतिहास रचते हुए मोनाको मीट में तीसरा स्थान हासिल किया। वे डायमंड लीग में पॉडियम पर पहुंचने वाले पहले भारतीय हाई जम्पर और ओवरऑल चौथे भारतीय एथलीट बन गए हैं।

इससे पहले नीरज चोपड़ा, विकास गौड़ा और मुरली श्रीशंकर ही यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

सर्वेश ने 2.26 मीटर की छलांग लगाकर टोक्यो ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुतज़ एसा बारशिम, इटली के जियानमार्को तांबेरी और अमेरिका के जूवॉन हैरिसन जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ा। यूक्रेन के ओलेह डोरोशचुक (2.32 मीटर) ने गोल्ड और ब्रिटेन के जैक किमनि (2.30 मीटर) ने सिल्वर जीता।

नासिक के एक प्याज किसान के बेटे सर्वेश ने बचपन में खेत के कचरे और कपास से बने अस्थायी गद्दे पर अभ्यास शुरू किया था। दो सप्ताह पहले ही उन्होंने भुवनेश्वर में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इस प्रदर्शन के बाद वे मौजूदा सीजन में एशिया के नंबर-1 हाई जम्पर और दुनिया के संयुक्त चौथे सर्वश्रेष्ठ जम्पर बन गए हैं।

जोकोविच विंबलडन सेमीफाइनल हारे

25वां ग्रैंडस्लैम जीतने का सपना टूटा
15 साल छोटे सिनर ने सीधे सेटों में हराया

लंदन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। 39 साल के दिग्गज टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का 25वां ग्रैंड स्लैट जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया है। वे विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में खुद से 15 साल छोटे 24 साल के जैनिक सिनर से सीधे सेटों में हार गए। सर्बिया के जोकोविच ने पिछला ग्रैंड स्लैम 3 साल पहले 2023 में जीता था। तब वे यूएस ओपन में चैंपियन बने थे।

लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब में इटली के सिनर ने जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। वे लगातार दूसरे साल फाइनल में पहुंचे हैं। वर्ल्ड नंबर-1 सिनर ने पिछले साल स्पेन के कार्लोस अल्काराज को हराया था। इस बार सिनर का मुकाबला रविवार को जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा।

सिनर ने सेमीफाइनल मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने जोकोविच को लगातार तीन सेटों में 2 घंटे 20 मिनट चले मैच में मात दी। इस जीत के साथ सिनर इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में मिली 5 सेटों की हार का भी बदला ले लिया। जोकोविच अब तक 24 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं। वे 25वें टाइटल की तलाश में उतरे थे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। उन्हें साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने हराया था। फ्रेंच ओपन में वे तीसरे राउंड से बाहर हो गए थे।

जेंटलमेन सिंगल्स कैटेगरी के पहले सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने ब्रिटेन के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी को 7-6, 6-2, 6-4 से हराया। ज्वेरेव पहली बार विंबलडन के फाइनल में पहुंचे हैं।

29 साल के ज्वेरेव 1995 के बाद विंबलडन फाइनल में पहुंचने वाले पहले जर्मन खिलाड़ी बने हैं। साथ ही वे फ्रेंच ओपन जीतने के बाद अगले ही ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले ओपन एरा के तीसरे खिलाड़ी भी बन गए। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अब तक सिर्फ दो सेट गंवाए हैं।

8 छक्के, 4 चौके, ठोका सबसे तेज अर्धशतक

21 साल के कामरान धारीवाल ने की रिकॉर्ड की बराबरी

लंदन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के टी20 टूर्नामेंट वाइटैलिटी ब्लास्ट के मौजूदा सीजन में 21 साल के बल्लेबाज कामरान धारीवाल ने सबसे तेज अर्धशतक लगाया है. इस मामले में उन्होंने टूर्नामेंट के इतिहास में लगे सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी की है. ग्लूसेस्टरशर के बल्लेबाज कामरान धारीवाल के तूफानी अर्धशतक की स्क्रिप्ट वूर्सेस्टरशर के खिलाफ 10 जुलाई को खेले मुकाबले में लिखी. धारीवाल की रिकॉर्डतोड़ पारी की बदौलत ही उनकी टीम 2 विकेट से मुकाबला जीतने में कामयाब रही.

वूर्सेस्टरशर से मिले 182 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कामरान धारीवाल ने छठे नंबर पर उतरकर 22 गेंदों पर 318.18 की स्ट्राइक रेट से 70 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 4 छक्के शामिल रहे. इसी पारी के दौरान ही धारीवाल ने 13 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया. ये उनके T20 करियर और ग्लूसेस्टरशर के किसी बल्लेबाज के बल्ले से निकला सबसे तेज अर्धशतक तो है ही, उसके अलावा वाइटेलिटी ब्लास्ट के इतिहास में संयुक्त तौर पर लगा सबसे तेज अर्धशतक भी है. वाइटैलिटी ब्लास्ट में सबसे पहले 13 गेंदों पर फिफ्टी जड़ने का कारनामा 2010 में मार्कस टेरेस्कोथिक ने किया था. उसके बाद 2025 में एन्यूरिन डोनाल्ड ने उसकी बराबरी की और अब कामरान धारीवाल उस फेहरिस्त में शामिल हुए तीसरे बल्लेबाज हैं.

कामरान धारीवाल के तूफानी अर्धशतक के दम पर उनकी टीम ग्लूसेस्टरशर ने मुकाबला एक ओवर पहले ही जीत लिया. ग्लूसेस्टरशर ने 182 रन का लक्ष्य 19 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया, जिसमें कामरान धारीवाल सबसे सफल बल्लेबाज रहे.

इससे पहले वूर्सेस्टरशर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 181 रन बनाए थे. वूर्सेस्टरशर की ओर से कासिफ अली सबसे सफल बल्लेबाज रहे, जो 24 गेंदों पर 6 छक्कों के साथ 58 रन बनाकर नाबाद रहे. वूर्सेस्टरशर पर जीत की स्क्रिप्ट लिखने के साथ ही ग्लूसेस्टरशर ने वाइटेलिटी ब्लास्ट के नॉक आउट राउंड में पहुंचने की ओर एक बड़ा कदम बढ़ा दिया है.

जेएसडब्ल्यू इंस्पायर कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियनगेम्स में टीम इंडिया का स्पोर्ट्स परफॉर्मेंस और लाइफस्टाइल पार्टनर होगा

खेल डेस्क, 11 जुलाई (एजेंसियां)। जेएसडब्ल्यू ग्रुप का एक्टिववियर ब्रांड जेएसडब्ल्यू इंस्पायर 2026 में होने वाले ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल, जापान एशियन गेम्स, डकार यूथ ओलिंपिक और रियाद एशियन इंडोर एंड मार्शल आर्ट्स गेम्स में भारतीय दल का आधिकारिक स्पोर्ट्स परफॉर्मेंस और लाइफस्टाइल पार्टनर होगा। भारतीय खिलाड़ी इन सभी प्रतियोगिताओं में जेएसडब्ल्यू इंस्पायर की आधिकारिक किट पहनेंगे। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक एवं निदेशक पार्थ जिंदल ने कहा कि नई किट खिलाड़ियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। वहीं, आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि जेएसडब्ल्यू लंबे समय से भारतीय खेलों का सहयोगी रहा है। धाविका पारुल चौधरी और मुक्केबाज प्रीति साई पवार ने भी नई किट को खिलाड़ियों के प्रदर्शन के लिहाज से उपयोगी बताया।

सचिन, लारा ने रॉयल बॉक्स से मैच देखा, फेडरर से मिले

लंदन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। सेंटर कोर्ट के रॉयल बॉक्स में भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर, टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा और फुटबॉलर वर्जिल वान डाइक समेत कई खेल सितारे मौजूद रहे। विंबलडन ने सचिन का स्वागत करते हुए उन्हें क्रिकेट रॉयल्टी बताया।

करीब 80 सीटों वाली यह दीर्घा 1922 से विम्बलडन की परंपरा का हिस्सा है। यह दुनिया के उन चुनिंदा स्थानों में है, जहां बैठना एक सुविधा नहीं, बल्कि सम्मान माना जाता है। रॉयल बॉक्स की सबसे बड़ी खासियत इसकी चयन प्रक्रिया है। यहां बिक्री के लिए कोई टिकट उपलब्ध नहीं होती। मेहमानों का चयन ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब के चेयरमैन खुद करते हैं। पढ़ें- 80 सीटों वाला रॉयल बॉक्स विम्बलडन का सबसे बड़ा सम्मान

इस दौरान दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और अंजली तेंदुलकर ने टेनिस के लीजेंड रोजर फेडरर से मुलाकात की। तेंदुलकर ने सोशल प्लेटफार्म एक्स पर मुलाकात की फोटो पोस्ट कर लिखा- 'कुछ रैलियां कभी खत्म नहीं होतीं, जैसे हमारी दोस्ती। रोजर आपके साथ समय बिताना हमेशा अच्छा लगता है। फिर मिलेंगे।' चेक रिपब्लिक की 2 प्लेयर्स के बीच लेडीज सिंगल्स कैटेगरी का फाइनल मैच खेला जाएगा। सेंटर कोर्ट पर होने वाले इस मुकाबले में कैरोलिना मुचोवा और लिंडा नोस्कोवा आमने-सामने होंगी।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में कम खेलों के कारण पदकों पर असर संभव

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। लागत में कटौती के कारण इस बार ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन सीमित स्तर पर हो रहा है। प्रतियोगिता में केवल 10 सक्षम और छह पैरा खेल शामिल किए गए हैं। भारत नौ सक्षम खेलों और पांच पैरा खेलों में हिस्सा लेगा। शूटिंग, हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती और क्रिकेट जैसे भारत के पारंपरिक पदक दिलाने वाले खेल इस बार कार्यक्रम का हिस्सा नहीं हैं।

ऐसे में भारत के कुल पदक प्रदर्शन पर इसका असर पड़ सकता है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि बहु-खेल प्रतियोगिताओं के लिए केवल उन्हीं खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा, जिनके पदक जीतने की वास्तविक संभावना होगी।

तजिंदर सिंह ने 27 गेंदों में नाबाद 66 रन की पारी खेली

डलास, 11 जुलाई (एजेंसियां)। मेजर लीग क्रिकेट 2026 में एमआई न्यूयॉर्क ने सिएटल ऑर्कास को 17 रन से हराकर प्लेऑफ की रेस में मजबूत बढ़त बनाई। टीम के अब 9 मैचों में 10 अंक हो गए हैं और वह बेहतर नेट रन रेट के आधार पर सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूयॉर्क ने 12 ओवर में 73 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद तजिंदर सिंह और कप्तान कीरोन पोलार्ड ने छठे विकेट के लिए 41 गेंदों में 80 रन जोड़े। पोलार्ड ने 54 रन बनाए, जबकि तजिंदर ने 27 गेंदों में नाबाद 66 रन की पारी खेली। आखिरी ओवर में उन्होंने 20 रन बटोरकर टीम का स्कोर 8 विकेट पर 179 रन तक पहुंचाया। सिएटल के कप्तान मार्कस स्टोइनिस ने 5 विकेट लिए।

180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिएटल ने 16वें ओवर तक 1 विकेट पर 144 रन बना लिए थे। टिम सीफर्ट (88) और मैथ्यू ब्रीत्ज़के (44) ने दूसरे विकेट के लिए 117 रन जोड़े। लेकिन ब्रीत्ज़के के आउट होने के बाद टीम आखिरी 26 गेंदों में 5 विकेट गंवाकर सिर्फ 18 रन ही जोड़ सकी और 17 रन से मैच हार गई। न्यूयॉर्क के लिए पोलार्ड और रोमारियो शेफर्ड ने 2-2 विकेट लिए।

वेस्टइंडीज महिला टीम का वनडे में सबसे बड़ा रन चेज

ब्रेडी (आयरलैंड), 11 जुलाई (एजेंसियां)। आयरलैंड के ब्रेडी में आयरिश टीम और वेस्टइंडीज महिला टीम के बीच खेले गए वनडे में वेस्टइंडीज ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। टीम ने 270 रन का लक्ष्य सिर्फ एक विकेट खोकर 35.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के दौरान कप्तान हेली मैथ्यूज (159*) और रीआना ग्रिमंड (91) ने पहले विकेट के लिए 258 रन की साझेदारी की, जो वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट के इतिहास में किसी भी विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है।

इससे पहले आयरिश टीम ने 50 ओवर में 269 रन बनाए थे। एमी हंटर ने 96 रन बनाए, जबकि वेस्टइंडीज की ओर से एफी फ्लेचर ने 4 और हेली मैथ्यूज ने 3 विकेट लिए। जवाब में मैथ्यूज ने पहले गेंद से 3 विकेट लिए और फिर बल्ले से नाबाद 159 रन बनाकर टीम को रिकॉर्ड जीत दिलाई।

तीन चरणों में होगा राज्यव्यापी भूमि पुनः सर्वेक्षण : मंत्री पोंगुलेटी

खम्मम, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि भू-भारती अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन तथा किसानों की भूमि पर पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्यव्यापी भूमि पुनः सर्वेक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाए। शनिवार को खम्मम जिला कलक्टर कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिला कलेक्टरों के साथ राजस्व, आवास तथा अन्य विभागों की समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा कि भूमि पुनः सर्वेक्षण तीन चरणों में किया जाएगा।

पहले चरण में प्रत्येक जिले के 70 गांवों को शामिल किया जाएगा। सर्वेक्षण की प्रगति की मासिक समीक्षा भी की जाएगी। मंत्री ने बताया कि पांच गांवों में किए गए प्रायोगिक सर्वेक्षण में भूमि संबंधी 95 प्रतिशत विवादों का समाधान हो गया है। इसी सफलता को देखते हुए सरकार ने इस अभियान का पूरे राज्य में विस्तार करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों को प्रति एकड़ 60 रुपये का भुगतान किया जाएगा। निर्धारित समय पर कार्यभार ग्रहण नहीं करने वाले सर्वेक्षकों का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने 'सादा बैनामा' आवेदनों की अस्वीकृति की जांच कराने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अस्वीकृति के कारणों की पहचान की जाए, आवश्यक होने पर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए जाएं तथा मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि पुनः सर्वेक्षण के माध्यम से प्रजा दरबार में प्राप्त राजस्व संबंधी 98 प्रतिशत शिकायतों का स्थायी समाधान संभव है। मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि यदि किसी भूमि का केवल एक हिस्सा सरकारी प्रयोजन के लिए अधिग्रहित किया गया है तो पूरी भूमि को प्रतिबंधित (22ए) सूची में डालने जैसी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को इंदिरम्मा आवासों के निर्माण कार्य में तेजी लाने, लंबित दो शयनकक्ष वाले मकानों का लाभार्थियों को शीघ्र आवंटन करने, आवास योजना के दूसरे चरण में झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले परिवारों को प्राथमिकता देने तथा निर्माण सामग्री की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त से पहले प्रत्येक सरकारी विद्यालय के छात्र-छात्रा को कम से कम एक जोड़ी विद्यालयी वर्दी उपलब्ध कराई जाए। बैठक में हैदराबाद से राजस्व विभाग के विशेष मुख्य सचिव डी.एस. लोकेश कुमार तथा खम्मम से जिला कलक्टर दिवाकर टी.एस. ने भाग लिया।

पाइपलाइन में रिसाव से जलापूर्ति प्रभावित

कई इलाकों में टैंकरों से मिलेगा पानी

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लिंगमपल्ली से बंजारा हिल्स तक जाने वाली गोदावरी पेयजल पाइपलाइन में शनिवार को रिसाव होने से शहर के कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई। रिसाव के कारण एर्रागड्डा, एसआर नगर, अमीरपेट, वेंगल राव नगर, येलारेड्डीगुडा, सनथनगर, एनआईएमएस, बंजारा हिल्स, वेंकटगिरी, बीएस मकथा, एमएस मकथा और सोमाजीगुडा समेत कई क्षेत्रों के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हैदराबाद महानगर जलापूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) ने बताया कि रिसाव रोकने के लिए युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि काम पूरा होते ही प्रभावित इलाकों में सामान्य जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी। एचएमडब्ल्यूएसएसबी के प्रबंध निदेशक के. अशोक रेड्डी ने घटना की समीक्षा कर अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मरम्मत कार्य जल्द पूरा कर आपूर्ति बहाल करने और उपभोक्ताओं से आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग करने की अपील की गई है।

तेलंगाना को सेमीकंडक्टर केंद्र बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम : श्रीधर बाबू

आईटी मंत्री ने भारत के पहले सीएमपी पैड हब का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू ने शनिवार को हैदराबाद में चिप निर्माण में एक महत्वपूर्ण घटक, केमिकल मैकेनिकल पॉलिशिंग (सीएमपी) पैड टेक्नोलॉजीज को समर्पित भारत के पहले केंद्र का उद्घाटन किया। जापान स्थित तोहो कोकी सेइसाकुशो कंपनी लिमिटेड के सहयोग से टी-वर्क्स में स्थापित इस केंद्र का औपचारिक उद्घाटन शनिवार को किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना को भारत के अग्रणी सेमीकंडक्टर केंद्रों में से एक बनाने के लिए योजनाबद्ध और रणनीतिक तरीके से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नवस्थापित सीएमपी पैड टेक्नोलॉजी हब इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सेमीकंडक्टर चिप निर्माण के दौरान वेफर्स को समतल करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सीएमपी पैड वर्तमान में पूरी तरह से विदेशों से आयात किए जाते हैं। इस केंद्र की स्थापना के साथ, सीएमपी पैड तकनीक, जो अब तक केवल विदेशों में उपलब्ध थी, हैदराबाद को प्लेटफॉर्म बनाकर भारत में पहली बार पेश की गई है। मंत्री ने कहा कि यह केंद्र छात्रों, शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तकों, स्टार्टअप्स और उद्योगों को अनुसंधान के लिए प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।

उन्होंने बताया कि अग्रणी शिक्षण संस्थानों, अनुसंधान संगठनों, उद्योगों और लघु एवं मध्यम उद्यमों के साथ साझेदारी में संयुक्त अनुसंधान पहल की जाएंगी, जिसका उद्देश्य अगले 18 से 24 महीनों के भीतर घरेलू स्तर पर सीएमपी पैड का निर्माण करना है।

मंत्री ने आगे कहा कि तेलंगाना सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों तक पहुंच प्राप्त करने के लिए जापान जैसे देशों के साथ सहयोग कर रहा है।

उन्होंने बताया कि राज्य में अनुसंधान से लेकर चिप निर्माण तक संपूर्ण मूल्य शृंखला को कवर करते हुए एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए एक समर्पित रोडमैप भी तैयार किया जा रहा है।

आदिवासियों के लिए बनेगा एआई आधारित ऐप

गोंडी-कोलामी भाषा का होगा अनुवाद

आदिलाबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी समुदायों की भाषा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) उटनूर, आईआईआईटी-हैदराबाद के सहयोग से 'स्वेच्छा' नाम का कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित एंड्रॉयड एप विकसित कर रही है। यह एप जल्द ही शुरू किया जाएगा। इसके माध्यम से गोंडी और कोलामी भाषाओं का तेलुगु में अनुवाद किया जा सकेगा, जिससे आदिवासी लोग अपनी शिकायतें सीधे अधिकारियों तक आसानी से पहुंचा सकेंगे।

आईटीडीए अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना पर 30 भाषा विशेषज्ञ काम कर रहे हैं। एप को तैयार करने के लिए अब तक गोंडी और कोलामी भाषाओं के 20 हजार शब्दों तथा 200 घंटे की ऑडियो रिकॉर्डिंग का डाटाबेस तैयार किया गया है। यह एप आवाज और लिखित दोनों रूपों में अनुवाद करने में सक्षम होगा। अधिकारियों का कहना है कि यह पहल आईटीडीए उटनूर के परियोजना अधिकारी मंदा मकरंदु की सोच का परिणाम है। उनका मानना है कि यह तकनीक शिकायत निवारण प्रक्रिया को सरल बनाएगी, बिचौलियों की भूमिका कम करेगी और गोंडी तथा कोलामी जैसी लुप्तप्राय आदिवासी भाषाओं के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। साथ ही, यह एप अन्य लोगों के लिए इन भाषाओं को सीखने का भी उपयोगी माध्यम बनेगा।

सीएसई और आईटी पाठ्यक्रमों की बढ़ी मांग

टीजी ईएपीसीईटी में अधिकांश सीटें भर गईं

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते उपयोग और छंटनी की खबरों के बावजूद राज्य के छात्रों में कंप्यूटर साइंस और सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े पाठ्यक्रमों का आकर्षण बरकरार है। टीजी ईएपीसीईटी 2026 के पहले चरण की इंजीनियरिंग सीट आवंटन सूची में सीएसई और आईटी से जुड़े अधिकांश पाठ्यक्रमों की सीटें लगभग पूरी तरह भर गई हैं। आवंटन के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, रोबोटिक्स एंड एआई तथा कंप्यूटर साइंस एंड बिजनेस सिस्टम जैसे पाठ्यक्रमों की सभी सीटें आवंटित हो गईं। वहीं नियमित सीएसई की 95 प्रतिशत और सीएसई-आईटी से जुड़ी कुल 62,509 सीटों में से 93 प्रतिशत सीटें पहले चरण में ही भर गईं।

इस वर्ष इलेक्ट्रॉनिक्स, सिविल और मैकेनिकल जैसी मुख्य शाखाओं में भी छात्रों की रुचि बढ़ी है। कुल 176 कॉलेजों की 88,053 सीटों में से 79,891 सीटें आवंटित हुईं, जबकि 8,162 सीटें खाली रहीं। जिन छात्रों को सीट मिली है, उन्हें 14 जुलाई तक शुल्क जमा कर ऑनलाइन स्व-रिपोर्ट करना होगा। इसके बाद 25 से 28 जुलाई के बीच संबंधित कॉलेज में दस्तावेज जमा करने होंगे। अगले चरण की काउंसलिंग में इच्छुक अभ्यर्थी कॉलेज या शाखा परिवर्तन के लिए भी आवेदन कर सकेंगे।

शाबाद हत्याकांड पर लोगों का प्रदर्शन

पुलिस कार्रवाई की उठी मांग

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले के शाबाद में छह लोगों की हत्या के बाद शनिवार को पीड़ित परिवारों और स्थानीय लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। साथ ही उन्होंने मुख्य आरोपी को उनके हवाले करने की भी मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि आरोपी के खिलाफ पहले भी शिकायतें की गई थीं, लेकिन पुलिस ने समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। उनका कहना था कि पुलिस की लापरवाही के कारण ही इतनी बड़ी घटना हुई।

धरना उस समय और तनावपूर्ण हो गया जब स्थानीय विधायक काले यदैया पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। वहां मौजूद लोगों ने विधायक की देर से पहुंचने पर नाराजगी जताई और उनके खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया, विधायक को सुरक्षा घेरे में लिया और उन्हें सुरक्षित वहां से बाहर निकाला। एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात कर कानून-व्यवस्था बनाए रखी गई।

हत्याकांड के पीड़ित परिवारों से मिलने जा रहीं पूर्व मंत्री हिरासत में

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शाबाद हत्याकांड के पीड़ित परिवारों से मिलने जा रहीं पूर्व मंत्री सबिता इंदिरा रेड्डी को शनिवार को पुलिस ने चेवेल्ला-मलकापुर गेट पर रोक दिया। इसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर दूसरे स्थान पर ले जाया गया। इस कार्रवाई के दौरान कुछ देर के लिए इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

हाल ही में हुए शाबाद हत्याकांड के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पहले से ही कड़ी कर दी गई है। किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात किया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र में मौजूद रहकर कानून-व्यवस्था की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

पुलिस कर्मियों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए मैक्स विजन अस्पताल के सहयोग से अत्तापुर पुलिस स्टेशन में एक व्यापक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। राजेंद्रनगर के डीसीपी एस. श्रीनिवास और एसीपी टी. श्रीनिवास के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में हृदय संबंधी जांच, नेत्र परीक्षण, रक्तचाप और रक्त शर्करा परीक्षण के साथ-साथ सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जांच भी की गई। लगभग 60 पुलिसकर्मियों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें मुफ्त दवाएं और चिकित्सा सलाह दी गई। इंस्पेक्टर के. नागेश्वर राव ने कहा कि पुलिसकर्मियों के कर्तव्यों की प्रकृति को देखते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच आवश्यक है।

विकसित भारत की परिकल्पना में महिलाएं और युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे : शुक्ल

राज्यपाल का विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट के विजेताओं के साथ संवाद

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए महिला सशक्तिकरण और युवाओं की सक्रिय भागीदारी अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार करने को उच्च प्राथमिकता दी है।

राज्यपाल लोक भवन में विकसित वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम और विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट के विजेताओं के साथ एक संवाद को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय के अधीन एमवाई भारत के तेलंगाना राज्य कार्यालय द्वारा आयोजित किया गया था। महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण का जिक्र करते हुए श्री शुक्ल ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में लागू किया गया 106वां संवैधानिक संशोधन, संसद और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक शासन और सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करेगा।

राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी चुनाव चक्र में इन प्रावधानों के लागू होने के बाद विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व काफी बढ़ जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना ने लाखों नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को पहली बार औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर और कल्याणकारी लाभों को सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित करके, इस योजना ने वित्तीय समावेशन, पारदर्शिता और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया है। शुक्ल ने युवाओं और महिलाओं को उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उनसे आग्रह किया कि वे सूक्ष्म और लघु उद्यम स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन योजनाओं का प्रभावी ढंग से लाभ उठाएं।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी सृजनकर्ता बनें। राष्ट्रीय पहचान के महत्व पर जोर देते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारतीय, चाहे वे किसी भी क्षेत्र के निवासी हों, वैश्विक स्तर पर अपनी भारतीय पहचान से ही पहचाने जाते हैं।

चारमीनार पुलिस ने 30 गुम हुए मोबाइल मालिकों को सौंपा

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । चारमीनार पुलिस ने सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल और उन्नत तकनीकी जांच की मदद से 30 गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए। एसीपी पी. चंद्र शेखर ने शनिवार को चारमीनार पुलिस स्टेशन में बरामद फोन उनके असली मालिकों को सौंप दिए। चारमीनार पुलिस स्टेशन की डिटेक्टिव टीम ने, जिसका नेतृत्व डीएसआई जी. सतीश रेड्डी ने किया, क्राइम टीम के साथ मिलकर सफलतापूर्वक बरामदगी अभियान चलाया।

इंस्पेक्टर टी. राम बाबू और डिटेक्टिव इंस्पेक्टर के. नरसिंग राठौड़ के मार्गदर्शन में स्टेशन की डिटेक्टिव और क्राइम टीमों ने बरामदगी अभियान को अंजाम दिया। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन या सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से दें ताकि उन्हें जल्द से जल्द ढूंढा और बरामद किया जा सके।

राशन का 28 टन चावल जब्त

मंचेरियल, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति विभाग की टास्क फोर्स ने शुक्रवार रात कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का 28 टन चावल जब्त किया। अधिकारियों को सूचना मिलने पर नासपुर क्षेत्र में जांच की गई, जहां करीमनगर से महाराष्ट्र ले जाए जा रहे एक ट्रक में चावल की खेप पकड़ी गई। जब्त किए गए चावल और ट्रक को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को सौंप दिया गया है। प्रारंभिक जांच में अधिकारियों को आशंका है कि खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थियों की मदद से उचित मूल्य की दुकानों से चावल खरीदकर उसे अवैध रूप से महाराष्ट्र भेजा जा रहा था, जहां इसकी मांग अधिक है।

अमृत स्टेशन योजना के तहत हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन का व्यापक कायाकल्प

हैदराबाद, 11 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । केंद्र सरकार की अमृत स्टेशन योजना के तहत हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया गया है और यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उन्नत यात्री सुविधाओं को शामिल किया गया है।

इस नए उपनगरीय स्टेशन में अब एक नया स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार, 12 मीटर लंबा फुट ओवरब्रिज, अतिरिक्त लिफ्ट और एस्केलेटर, प्रतीक्षा कक्ष, आधुनिक शौचालय, बेहतर प्लेटफॉर्म, उन्नत प्रकाश व्यवस्था, हरियाली, दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाएं और यात्री संकेत मौजूद हैं। प्रतिदिन लगभग 3,000 यात्रियों को सेवा प्रदान करने वाला यह स्टेशन हैदराबाद के आईटी कॉरिडोर का एक प्रमुख रेल केंद्र है, जहां से सिकंदराबाद, हैदराबाद, उमदानगर, फलकनुमा, मेडचल और घाटकेसर के लिए प्रतिदिन लगभग 62 उपनगरीय ट्रेनें चलती हैं। हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन सिकंदराबाद डिवीजन के अंतर्गत आता है और इसे उपनगरीय स्टेशन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह स्टेशन लिंगमपल्ली-सिकंदराबाद उपनगरीय मार्ग पर स्थित है और हाई-टेक सिटी क्षेत्र और उसके आसपास के यात्रियों को सेवा प्रदान करता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.